महानगर नई दिल्ली सोमवार 8 जुलाई, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

कर्नाटक भाजपा नेता येदियुरप्पा बोले, क्या हम संन्यासी हैं...इंतजार कीजिए

सरकार बनाने से इनकार नहीं

मुंबई/बंगलुरु, 7 जुलाई (भाषा)।

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने रविवार को दावा किया कि उसे कर्नाटक के कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन के 10 असंतुष्ट विधायकों के मुंबई में होने की कोई जानकारी नहीं है, जबकि भगवा दल के एक नेता को उस होटल में देखा गया जहां विधायक ठहरे हुए हैं। वहीं कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि पार्टी में लोग संन्यासी नहीं हैं जो सरकार बनाने की संभावनाओं से इनकार करेंगे। क्या भाजपा सरकार बनाने के लिए तैयार है, येदियुरप्पा ने कहा, 'इंतजार कीजिए और देखिए। क्या हम संन्यासी हैं?

येदियुरप्पा ने कहा कि इस्तीफा की प्रक्रिया खत्म होने और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा निर्णय लेने के बाकी पेज 8 पर

कांग्रेसी नेता मुंबई में उस होटल के बाहर खड़े हैं जहां बागी नेता ठहरे हुए हैं। बागी नेताओं ने इस्तीफा वापस लेने से इनकार किया है।

हमारी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है, राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ चर्चा करने के बाद हम निर्णय करेंगे। अभी इंतजार कीजिए और देखिए। *-बीएस येदियुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक*

कांग्रेस ने भाजपा पर कर्नाटक सरकार गिराने की साजिश का आरोप लगाया खबर पेज 8

विमान भाजपा सांसद की कंपनी का

कांग्रेस और जनता दल (सेकु) के 10 असंतुष्ट विधायक जिस चार्टर्ड विमान में बंगलुरु से मुंबई गए, वह भाजपा के राज्यसभा सदस्य राजीव चंद्रशेखर से जुड़ी एक कंपनी का है। यह जानकारी कंपनी सूत्रों ने यहां दी। (भाषा) खबर पेज 8

कर्नाटक के किसी विधायक की मुंबई में मौजूदगी के बारे में हमें जानकारी नहीं है। *-केशव उपाध्याय, महाराष्ट्र भाजपा के प्रवक्ता*

'भाजपा नीत केंद्र गतिरोध में सीधे शामिल है। भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। *-सिद्धरमैया, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री*

खबर पेज 5

सदस्यता हरियाणवी कलाकार सपना चौधरी रविवार को नई दिल्ली में शिवराज सिंह चौहान और मनोज तिवारी की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुईं।

मानसून दिल्ली में, पहाड़-मैदान में भारी बरसात की चेतावनी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

मानसून राजधानी दिल्ली सहित करीब करीब पूरे देश में पहुंच चुका है। एनसीआर में रविवार सुबह बादल छाए रहे, दिन में हल्की बारिश भी हुई जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश की 'आरेंज' चेतावनी जारी की है। उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, बिहार व समुद्र तटीय कर्नाटक में भी अगले चार दिन तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। झारखंड में भी तेज बारिश की संभावना जताई गई है।

भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि मानसून का उत्तरी छोर बाड़मेर, जोधपुर, सीकर, रोहतक, चंडीगढ़, ऊना और अमृतसर के ऊपर से गुजर रहा है। अगले 48 घंटों में यह राजस्थान, हरियाणा व पंजाब के बाकी जिलों में भी पहुंच जाएगा। मानसूनी बादल राजधानी दिल्ली के ऊपर भी डेरा डाल चुके हैं हालांकि रविवार को दिल्ली में कुछ खास बारिश नहीं हुई। लेकिन आसपास के इलाकों में ठीकठाक बारिश हुई। उम्मीद है दिल्ली में सोमवार को तेज बारिश होगी।

सफदरजंग वेधशाला के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि इस मौसम का सामान्य तापमान है। वहीं हवा में नमी का स्तर 79 फीसद रहा। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आने वाले 10 से 15 दिन में रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है।

एक पश्चिमी विक्षोभ का क्षेत्र भी बन रहा है। जिससे पहाड़ी बाकी पेज 8 पर

फाइल फोटो

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्से बरसात से सराबोर

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, गुजरात व कर्नाटक में भी अगले चार दिन तक भारी बारिश के आसार

भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि मानसून का उत्तरी छोर रोहतक, चंडीगढ़, अमृतसर, ऊना, बाड़मेर, जोधपुर व सीकर के ऊपर से गुजर रहा है। अगले 48 घंटों में यह राजस्थान, हरियाणा व पंजाब के बाकी जिलों में भी पहुंच जाएगा

एक पश्चिमी विक्षोभ का क्षेत्र भी बन रहा है। जिससे पहाड़ी इलाकों में बारिश होगी। हालांकि जम्मू कश्मीर में बारिश को लेकर कोई चेतावनी नहीं जारी की गई है लेकिन उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों व हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले चार पांच दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

बड़े बिजली बिल वालों को भरना होगा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

अगर आपने विदेश यात्रा पर दो लाख रुपए से अधिक खर्च किए हैं या आपका बिजली का बिल साल में एक लाख रुपए से अधिक का है या आपने साल भर में बैंक में एक करोड़ रुपए से अधिक जमा कराए हैं तो भले आपकी कर योग्य आय पांच लाख रुपए सालाना से कम हो, आपके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य होगा। 2019-20 के बजट में कर अपवंचन रोकने और कर आधार बढ़ाने के मकसद से ये प्रस्ताव किए गए हैं।

बजट के साथ प्रस्तुत वित्त विधेयक (दो)-2019 में आयकर अधिनियम की धारा-139 में कुछ संशोधन के प्रस्ताव हैं। इसके तहत कुछ मदों पर किसी के द्वारा एक निश्चित राशि से अधिक का लेन-देन करने पर आयकर रिटर्न भरना अनिवार्य होगा। इसके अनुसार कोई व्यक्ति एक साल में बैंकिंग कंपनी या सहकारी बैंक में एक या एक से अधिक चालू खाते में एक करोड़ से अधिक की राशि जमा कराता है तो उसे आयकर विवरण देना अनिवार्य होगा। कोई व्यक्ति खुद बाकी पेज 8 पर

विदेश यात्रा पर दो लाख से अधिक खर्च किए या आपका बिजली बिल साल में एक लाख रुपए से अधिक का है या आपने साल भर में बैंक में एक करोड़ रुपए से अधिक जमा कराए हैं तो भले आपकी कर योग्य आय पांच लाख रुपए से कम हो, आपको आयकर रिटर्न भरना अनिवार्य होगा।

सिंधिया और देवड़ा ने दिया पदों से इस्तीफा

जनसत्ता ब्यूरो/एजंसी
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद उनके बेहद करीबी नेताओं में शुमार किए जाने वाले पार्टी महासचिव ज्योतिरादित्य सिंधिया और लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मुंबई प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए मिलिंद देवड़ा ने संसदीय चुनाव में पार्टी की करारी हार की जिम्मेदारी लेते हुए रविवार को अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे के बाद देवड़ा ने पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। इससे पहले, पार्टी महासचिव पद से हरीश रावत और करीब ढाई सौ युवा पार्टी पदाधिकारी चुनावी हार के मद्देनजर अपना इस्तीफा दे चुके हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव के तौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी बनाए गए पूर्व सांसद सिंधिया और मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद से देवड़ा के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में युवा बनाम बुजुर्ग नेताओं के बीच की लड़ाई और तेज होने की आशंका जताई जा बाकी पेज 8 पर

मिलिंद व सिंधिया राहुल की युवा टीम के अहम सदस्य।

कांग्रेस में तेज हुई युवा बनाम बुजुर्ग नेताओं के बीच की लड़ाई।

देवड़ा ने पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभाने की इच्छा जताई।

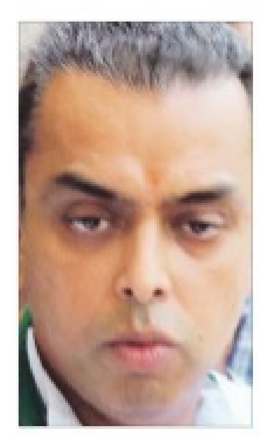

मिलिंद देवड़ा

ज्योतिरादित्य सिंधिया

देवड़ा का इस्तीफा है या ऊपर चढ़ने की सीढ़ी : निरूपम

मुंबई, 7 जुलाई (भाषा)।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद से मिलिंद देवड़ा के इस्तीफे से रविवार को पार्टी इकाई में खामियां एक बार फिर उजागर हुई क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय निरूपम ने पूर्व सांसद पर आरोप लगाया कि वह राष्ट्रीय स्तर के पद के लिए बहुत उत्सुक हैं।

निरूपम ने इसके साथ ही यह सुझाव देने के लिए भी देवड़ा की आलोचना की कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव तक मुम्बई पार्टी इकाई बाकी पेज 8 पर

दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधिकारी की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

राजधानी के जैतपुर थाना क्षेत्र में रविवार को गृह मंत्रालय में कार्यरत वरिष्ठ लेखा परीक्षक (ऑडिटर) की हत्या कर दी गई। वारदात के वक्त लेखा परीक्षक आनंद सिंह (43) अपने कमरे में अकेले सो रहे थे। पुलिस को शनिवार सुबह करीब पांच बजे इसकी जानकारी मिली।

आनंद सिंह आइटीओ स्थित दफ्तर में काम करते थे। उनके परिजनों ने बातया कि शुक्रवार रात को वह दफ्तर से देरी से आए थे, जिसके बाद अपने कमरे में सो गए थे। सुबह करीब सवा तीन बजे उनकी पत्नी ने उनके कमरे से खून बाहर निकलता देखा तो इसकी जानकारी उन्होंने बेटे दीपक को दी। दीपक ने बगल के कमरे में सो रहे अपने चाचा मुकेश को इस बारे में बताया। सुबह करीब पांच बजे घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि मृतक के सिर के पिछले हिस्से पर चोट के निशान हैं। पुलिस उन्हें पास के अस्पताल में लेकर बाकी पेज 8 पर

वारदात के समय अपने कमरे में सो रहे थे लेखा-परीक्षक आनंद सिंह।

सिर के पिछले हिस्से पर मिले चोट के निशान।

'तस्करों' के हाथ बांधकर थाने ले गए गोरक्षक

खंडवा (मध्य प्रदेश), 7 जुलाई (भाषा)।

खंडवा जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर सांवलीखेड़ा गांव में कथित तौर पर ट्रकों में गोवंश की तस्करी कर रहे 25 लोगों को करीब 100 स्वयंभू गोरक्षकों ने रविवार को पकड़ लिया और एक रस्सी से उन सभी के हाथ बांधकर उन्हें करीब दो किलोमीटर तक लाठी-डंडों से खदेड़कर खालवा पुलिस थाने ले गए। बाद में इन बाकी पेज 8 पर

कथित गो-तस्करों और स्वंयभू रक्षकों के खिलाफ मामले दर्ज

पंजाब, जम्मू में घुसपैठ रोकने को बीएसएफ का 'सुदर्शन' अभियान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब और जम्मू में पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ रोधी कवायदों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू किया है। इसके तहत इन अग्रिम इलाकों में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों, हजारों सैनिकों और मशीनरी को लामबंद किया गया है। एक जुलाई को शुरू इस अभियान को 'सुदर्शन' कोड नाम दिया है और यह 1,000 किलोमीटर से लंबी भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा को कवर करेगा। भगवान कृष्ण के 'सुदर्शन चक्र' के नाम पर इस वृहत अभियान का नाम 'सुदर्शन' रखा गया है। इसका मकसद दुश्मन का सफाया करते हुए तुरंत अपनी जगह लौटना है।

जम्मू में पाकिस्तान के साथ संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा (आइबी) की लंबाई 485 किलोमीटर और पंजाब में इसकी लंबाई 553 किलोमीटर है। इसके बाद यह पश्चिमी हिस्से में राजस्थान और गुजरात की ओर है। सीमा सुरक्षा बाकी पेज 8 पर

पाकिस्तान सीमा पर अग्रिम इलाकों में अधिकारी, हजारों जवान व मशीनरी लामबंद।

एक हजार किलोमीटर से भी लंबी भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चलेगा अभियान।

दरअसल

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान निभाएगा यह जिम्मेदारी | **संस्कृत को बढ़ावा** | हिमाचल, एमपी, त्रिपुरा, कर्नाटक व केरल के हैं गांव

संस्कृत में बातचीत करना सीखेंगे पांच गांवों के लोग

सुशील राघव
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

साढ़े तीन साल से भी अधिक पुरानी भाषा संस्कृत को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (आरकेएस) ने देश के पांच गांवों को गोद लिया है। इनमें त्रिपुरा में जुबार्ता, हिमाचल प्रदेश में मसोत, कर्नाटक के चित्तेबैल, केरल में अदात और मध्यप्रदेश में बराई गांव शामिल हैं। आरकेएस केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय के तहत संचालित संस्थान हैं।

एचआरडी मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' की ओर से राज्यसभा को लिखित में दी गई जानकारी के मुताबिक संस्कृत को आम लोगों की बोली जाने वाली भाषा बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के तीन संस्थानों को दो-दो गांवों गोद लेने की सलाह दी थी। इनमें राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (आरकेएस), श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (एसएलबीएसआरएसवी)-नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (आरएसवी)-त्रिपुरा शामिल हैं जो गोद लिए गांवों के लोगों को संस्कृत पढ़ाएंगे ताकि सभी संस्कृत में बातचीत कर पाएं। आरकेएस ने पहले ही पांच गांवों को गोद ले लिया है। बाकी दो संस्थानों ने अभी गांवों को गोद नहीं लिया है। ये जल्द ही इस प्रक्रिया को पूरी करेंगे। पिछले महीने एचआरडी मंत्री निशंक की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय भाषा संस्थानों के प्रमुखों की बैठक में निर्देश दिया गया था कि संस्कृत को आगे बढ़ाने और इस भाषा के संरक्षण के लिए कम से कम दो संस्कृत भाषी गांव विकसित करने की जरूरत है।

मंत्री की ओर से राज्यसभा को दी लिखित जानकारी के अनुसार संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न कदम उठाए हैं। इसके तहत आदर्श संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। संस्कृत पाठशाला से लेकर महाविद्यालय स्तर तक के योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। संस्कृत के उच्च शिक्षण संस्थानों और संस्कृत भाषा के लिए काम करने वाले गैर सरकार संगठन (एनजीओ) को भी सरकार की ओर से वित्तीय सहायता दी जा रही है। शास्त्र चुडामणि योजना के तहत संस्कृत के प्रख्यात विद्वानों को शिक्षण के कार्य में लगाया जा रहा है। इतना ही नहीं भारतीय प्रौद्योगिकी बाकी पेज 8 पर

फाइल फोटो

मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' की ओर से राज्यसभा को लिखित में दी गई जानकारी के मुताबिक संस्कृत को आम लोगों की बोली जाने वाली भाषा बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के तीन संस्थानों को दो-दो गांवों गोद लेने की सलाह दी थी।

श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (नई दिल्ली) और राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (त्रिपुरा) भी लेंगे दो-दो गांव गोद।

कार खाई में गिरी, दो मरे

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून 7 जुलाई।

उत्तराखंड के कोटद्वार–पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुमखाल के पास पर्यटकों की कार खाई में गिर जाने से हरियाणा के दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो महिला समेत तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से खाई से निकालकर कोटद्वार के अस्पताल में भर्ती कराया है।

राहुल गांधी पर कथित बयान को लेकर स्वामी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कांग्रेस ने कहा, स्वामी का बयान काफी अपमानजनक

जशपुर/रायपुर, 7 जुलाई (भाषा)।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित बयान को लेकर भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने स्वामी के खिलाफ यह प्राथमिकी उस शिकायत के बाद दर्ज की है जिसमें कहा गया था कि उन्होंने (स्वामी ने) राहुल गांधी के खिलाफ कथित तौर पर एक झूठा बयान दिया है।

जशपुर के पुलिस अधीक्षक शंकर लाल बघेल ने एजंसी से कहा कि जशपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष पवन अग्रवाल की एक शिकायत के आधार पर शनिवार की रात को पत्थलगांव पुलिस थाने में एफआइआर दर्ज की गई।

अग्रवाल ने अपनी लिखित शिकायत में कहा कि स्वामी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी कोकीन लेते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता को इस तरह का बयान देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने शिकायत में कहा, स्वामी खुद भी जानते हैं कि उनका बयान झूठा है और जान–बूझकर राहुल गांधी का अपमान करने वाला है। स्वामी जानते हैं कि उनका बयान राजनीतिक दलों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा दे सकता है और लोगों को उकसा सकता है। इस तरह के बयान से लोगों के बीच शांति भंग हो सकती है। एसपी ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धाराओं 504, 505 (2) और 511 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा, स्वामी का बयान अस्वीकार्य और घोर निंदनीय है। इसने राज्य और पूरे देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का अपमान किया है। उन्हें इस तरह का गलत बयान देने का कोई नैतिक और कानूनी अधिकार नहीं है।

राज्य में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआइ) समेत कांग्रेस की विभिन्न इकाइयां शनिवार की रात से सभी जिलों और विकास खंड मुख्यालयों में पुलिस थानों में स्वामी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा रहे हैं।

उज्बेकिस्तान की महिला के उत्पीड़न मामले में सीमा शुल्क अधिकारी तलब

यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

हवाई अड्डे पर उज्बेकिस्तान की एक महिला के कथित उत्पीड़न मामले की जांच कर रही आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) ने सीमा शुल्क के दो आरोपी अधिकारियों को तलब किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पैनल ने सीमा शुल्क विभाग के दो अधीक्षकों को समन जारी कर उनके समक्ष पेश होने और अपना बयान दर्ज कराने को कहा है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई इस घटना के बाद से दोनों अधिकारी निलंबित हैं। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के प्रावधानों के तहत गठित आइसीसी को नागरिक प्रक्रिया संहिता 1908 के तहत दीवानी अदालत के अधिकार प्राप्त हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उजबेकिस्तान की महिला के साथ कथित बदसलूकी मई में हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में बिना सीसीटीवी वाले एक कमरे में हुई थी। हवाई अड्डे पर कामकाज पर नजर रख रहे सीमा शुल्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मामले पर चुप्पी साधे हैं।

एक व्हिसलब्लोअर ने मामले को सीमा शुल्क अधिकारियों के ध्यान में लाया था। अपने एक रिश्तेदार के इलाज के सिलसिले में उजबेक महिला भारत आई थी। अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि तीन मई को एक आरोपी अधिकारी ने ताशकंद से आई उज्बेक महिला को रोका और तस्करी के अंदेशे के मद्देनजर उसके सामान की जांच की गई।

उन्होंने बताया कि इसके बाद, अधिकारी महिला को ऐसे कमरे में ले गया जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे और वहां बिना महिला अधिकारी के उसके साथ आधा घंटा रहा। आरोप है कि करीब 50 साल के अधिकारी ने महिला का यौन उत्पीड़न किया। यह महिला दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अपनी बहन के बच्चे का इलाज कराने के लिए आई थी। उन्होंने बताया कि महिला ने सीमा शुल्क विभाग को शिकायत की थी, लेकिन आरोपी अधिकारी ने उसे तस्करी के झूठे मामले में फंसाने व जान से मारने की कथित रूप से धमकी दी। बताया जाता है कि इसके बाद उसने शिकायत वापस ले ली। अधीक्षक के खिलाफ आरोपों की जांच के दौरान इसी स्तर के अन्य अधिकारी की भूमिका का भी पता चला। इसके बाद दोनों को निलंबित कर दिया गया।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I,Deepali Kemwal W/o Harminder Singh R/o-31, 2nd-Floor, NRI-Complex, GK-IV, New Delhi-110019.have changed my name after-marriage, from Deepali Kemwal to Deepali Kaur for all purposes. 0040502235-7

I, Ranjit Singh Ubhi S/o Gurdip Singh R/o, F-202, Saraswati Apartments, 97, IP Extn. Patparganj, Delhi-110092, have changed my name to Ranjeet Singh for all future purposes. 0040502192-1

I, Pappu, son of Sh.Laxman Prasad r/o House No.139, Gali No.5, Ajay Nagar, Ismailpur, Amar Nagar, Faridabad-121003 (Haryana), has changed my name to Dilip Prasad. In future, I may be known, referred and addressed as Dilip Prasad for all purposes. 0040502009-1

I, Kanchan Tiwari,W/o Shri.Vishal Tiwari, R/o-9A/82, WEA-Channa Market, KarolBagh, Delhi-110005.have changed my name to Neeta Tiwari for all future purposes. 0040502235-10

I Sharda Devi W/o Ramesh Rana R/o 417, Shalom Apartments, Flat No.16, 3rd Floor, Durga Ashram Marg, Chattarpur, Delhi-110074 have changed my name to Sharda Rana for all purposes. 0040502166-1

I Hemant R/o C-1ST/ 942, Madangir, New Delhi-110062. have changed my minor daughter name from SMRITI to SMRITI JASWAL for all future purposes. 0040502194-2

I Hemant R/o C-1ST/ 942, Madangir, New Delhi-110062. have changed my minor daughter name from HIMAKSHI to HIMAKSHI JASWAL for all future purposes. 0040502194-1

I Deepak Arora S/o Kishan Chand R/o D-5/5, Model Town-3, Delhi-9 have changed my name to Deepak Vijhani. 0040502235-6

I, Pargat Singh R/o Vpo Bhagowal, Gurdaspur, Batala(Punjab)-143511 have changed my son's name from Himat Raj Singh to Himmat Raj Singh for future purposes. 0040500278-4

व्यक्तिगत

मैं, रोहित कुमार गर्ग सुपुत्र श्री कृष्ण कुमार गुप्ता निवासी फ्लैट नं. 104/डी–5, यूनीवर्ल्ड गार्डन्स–2, सैक्टर–47, गुड़गाँव ने अपना नाम रोहित कुमार की जगह बदलकर रोहित कुमार गर्ग रख लिया है और यह भविष्य में सभी प्रयोजनों में लागू होगा।

खोया+पाया

Usha Rani D/o Inderjeet Sharma, 407 Gali No-8, Durgapuri Extn, Shahdara, Delhi-93. Have lost my CBSE 10th & 12th Class Certificate, Class 10th Roll No-416932, Year 1989 and Class 12th Roll No-6605930, Year 1992. 0040502164-1

PUBLIC NOTICE

Be it known to all public in General that my client Harish Gupta S/o Sh. K.C. Gupta R/o A-8/69, 1st Floor, Rohini, Sec-16, Delhi-85 has severed all relations with his Son Rahul Gupta & his family R/o 352,Sunehri Bagh Appt. Sec-13, Rohini, Delhi-85 & debarred him from all his moveable & immoveable properties. Anybody dealing with him in any manner shall do so at his/their own risk & responsibility/consequences. My client & his family members shall not be responsible for his acts and deeds. Mohinder Dhawan (Adv.) D-643/97 (R) Tis Hazari Courts

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

मिशनरीज आफ चैरिटी ने 79 बाल देखभाल गृहों की मान्यता के लिए आवेदन किया

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

मदर टेरेसा द्वारा स्थापित 'मिशनरीज आफ चैरिटी' संचालित सभी बाल देखभाल गृहों ने किशोर न्याय कानून के तहत अपनी संस्थाओं को मान्यता देने के लिए आवेदन किया है। हालांकि, इसमें महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के बाल देखभाल गृह शामिल नहीं हैं।

वर्ष 2015 में मंत्रालय और चैरिटी के बीच वैचारिक गतिरोध उत्पन्न हो गया था। जिन मुद्दों को लेकर गतिरोध उत्पन्न हुआ था, उनमें चैरिटी द्वारा बच्चों को अलग हो चुके या तलाक ले चुके अभिभावकों को गोद देने से इनकार करना शामिल था। इसके बाद मिशनरीज आफ चैरिटी ने बच्चों को सरकार के सेंट्रल एडोपशन रिसोर्स अथॉरिटी (सीएआरए) प्रणाली के तहत गोद देना बंद करने का निर्णय किया। हालांकि, गत वर्ष अक्तूबर में तत्कालीन महिला व बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने उन्हें आग्रह किया कि वे सरकार की गोद लेने की सेवाओं की व्यवस्था में लौट आएं। अधिकारियों ने बताया कि एक बैठक में महिला व बाल विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने मिशन आफ चैरिटी से कहा कि वे या तो बाल देखभाल संस्थाओं की मान्यता लें, या उन्हें बंद कर दें। इसके बाद देशभर के 79 बाल देखभाल संस्थाओं, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र को छोड़कर, सभी 79 बाल देखभाल संस्थाओं ने मान्यता के लिए आवेदन दिया। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में करीब 12 संस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि मंजूरी संबद्ध राज्य सरकारों द्वारा दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि ये मिशन आफ चैरिटी की बाल देखभाल संस्थाओं में छह वर्ष से अधिक आयु के 1000 से अधिक बच्चे हैं और उनमें से अधिकतर को विशेष देखभाल की जरूरत है। किशोर न्याय (बाल देखभाल व सुरक्षा) अधिनियम 2015 के तहत बाल देखभाल संस्थाओं का पंजीकरण और उन्हें सीएआरए से जोड़ा जाना अनिवार्य है।

जावड़ेकर ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए

तिरुपति (आंध्र प्रदेश), 7 जुलाई (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने रविवार को यहां तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में पूजा अर्चना की।

मंदिर के एक अधिकारी ने एजंसी को बताया कि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री जावड़ेकर अपने परिवार के सदस्यों के साथ शनिवार को शाम यहां पहुंचे और पहाड़ी पर रात भर रुकने के बाद आज सुबह मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने बताया कि जावड़ेकर और उनकी पत्नी के मंदिर पहुंचने पर मंदिर के अधिकारियों और पुजारियों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि मंदिर से रवाना होने से पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्री को एक अंगवस्त्रम, भगवान की एक पवित्र तस्वीर और लड्डू प्रसादम भेंट किया गया।

सामूहिक बलात्कार मामले में 30 साल की सजा काट रहा व्यक्ति बरी

कोर्ट ने कहा, इस मामले में कई विसंगतियां हैं और कई तथ्यों में तालमेल नहीं है

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सामूहिक बलात्कार के जुर्म में 30 साल कारावास की सजा भुगत रहे व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि इस मामले में कई विसंगतियां हैं और कई तथ्यों में तालमेल नहीं है।

शिवा को नौ महीने अपने घर में एक महिला को बंदी बनाकर रखने और उसका बलात्कार करने के मामले में 2014 में निचली अदालत ने 30 साल कारावास की सजा सुनाई गई थी।

न्यायमूर्ति सी हरि शंकर ने निचली अदालत के 2014 के आदेश के खिलाफ शिवा की याचिका स्वीकार की। हाई कोर्ट ने कहा कि यदि किसी अन्य मामले में व्यक्ति को जेल में रखना अनिवार्य नहीं है तो उसे रिहा किया जाए। अदालत ने कहा कि इस मामले में कई विसंगतियां हैं और कई तथ्यों में तालमेल नहीं है। अदालत ने कहा, अदालत के अनुसार अतिरिक्त सत्र न्यायालय का फैसला बरकरार नहीं रखा जा सकता और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

अभियोजन के अनुसार महिला ने 2012 में आरोप लगाया था कि वह ट्रेन में यात्रा के दौरान शौचालय गई थी तभी शिवा ने उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और रुमाल से उसका मुंह ढक दिया जिससे वह बेहोश हो गई। महिला के अनुसार, होश आने पर उसने स्वयं को एक कमरे में पाया जहां व्यक्ति उसे कथित रूप से नशीले पदार्थ देता था, उसे पीटता था और बलात्कार करता था। यह सिलसिला नौ माह चला। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी के दो मित्रों ने भी उससे बलात्कार किया। दोनों के चेहरे ढके थे।

शिवा के वकील प्रमोद कुमार दुबे ने तर्क दिया कि फोरेंसिक रिपोर्ट पर भरोसा नहीं किया जा सकता और जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला भेजने में दो सप्ताह की देरी हुई। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि कई प्रश्नों के उत्तर नहीं दिए गए हैं जैसे कि व्यक्ति ने लोगों से भरी ट्रेन के डिब्बे में महिला का मुंह रुमाल से ढककर उसे बेहोश कैसे किया और आस–पास किसी ने कुछ नहीं कहा। महिला ने स्वीकार किया था कि वह व्यक्ति के साथ एक टीवी सेट भी खरीदने गई थी और व्यक्ति ने उसकी पसंद का टीवी खरीदा था।

The Indian EXPRESS Classifieds FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

McGraw-Hill writer RAMESH SINGH'S GS ECONOMY
new batch: July 15-Aug 30
Intro. Class: July 15, 2.30pm
Classroom/Live Online/Androind App (RameshSinghLIVE)
4A/41, Old Rajinder Nagar, Bada Bazar Road, N. Delhi- 60
www.rameshsingh.org | ph. 011-49539444; 98182-44224; 80767-48812

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

इलाहाबाद बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)
जोनल ऑफिसः नई दिल्ली 17, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001 फोनः 011-23364535
हैड ऑफिसः 2, नेताजी सुभाष रोड़, कोलकाता–700001

प्रकाशन के माध्यम से सार्वजनिक प्रकाशन द्वारा सामान्य सार्वजनिक सूचना के लिए सूचना

आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि संपत्ति दुकान नंबर 1, जिसका क्षेत्रफल 690 वर्ग फीट है जो जवाहर नगर के इलाके में प्रॉपर्टी नंबर 16–यूबी से बाहर, दिल्ली–110007 में स्थित है। जो कि श्रीमती रेनू कालरा के नाम पर है। श्रीमती रेनू कालरा द्वारा ऋण लेने के लिए इसको इलाहाबाद बैंक आजादपुर शाखा, दिल्ली के पास साथ बंधक बनवाया था। अब इलाहाबाद बैंक ने कानूनी तौर पर पूरे पूर्वोक्त संपत्ति में निहित अधिकार, शीर्षक और ब्याज से हासिल कर लिया है। तदनुसार, बड़े पैमाने पर जनता को सतर्क किया जाता है कि वे किसी भी तरीके से अर्जित संपत्ति के संबंध में कोई भी लेन देन न करें और जो कोई भी उसके इस सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन देन करता है तो उससे सम्बंधित लागत, जोखिम और उसके परिणामों उसे स्वंय वहन करने होंगे।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 07.07.2019
एसडी/–प्राधिकृत अधिकारी इलाहाबाद बैंक

पिता ने अपनी बेटी का घर बचाने की प्रधानमंत्री मोदी से की भावुक गुहार

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून 7 जुलाई।

उत्तराखंड के पौड़ी जिले के यमकेश्वर विकासखंड के कुनाऊ गांव के रहने वाले सबदर अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखते हुए अपनी बेटी का घर–परिवार बचाने की गुहार की है।

सबदर अली की बेटी का निकाह उत्तर प्रदेश के मेरठ के गांव बड़ा मुवाना के रहने वाले मोइन के साथ 24 अप्रैल 2016 को हुआ था। निकाह के चार महीने बाद उनकी बेटी का पति दुबई भाग गया और मोबाइल फोन पर दुबई से ही उसने उनकी बेटी को तलाक देने की धमकी दी।अली का कहना है कि शादी के बाद से ही बेटी के ससुराल वाले उसकी बेटी को और दहेज लाने के लिए मारपीट व गाली गलौज कर प्रताड़ित करने लगे, जिसकी जानकारी उनकी बेटी ने उन्हें भी दी। उन्होंने अपनी बेटी के घर को बसाने के लिए कई बार बेटी के ससुराल पहुंचकर सुलह कर समझाने का प्रयास किया। लेकिन बेटी के ससुराल वाले नहीं माने, जिसके बाद वह अपनी बेटी को वापस अपने घर ले आए।

अली ने बताया कि जब वह अपनी बेटी को घर वापस लेकर आए तो उसके उनकी बेटी के पति मोइन दुबई चला गया।

आयकर विभाग आधार के जरिए कर जमा करने वालों को जारी करेगा पैन

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

- बजट में यह प्रस्ताव किया गया है कि इस कार्य के लिए सिर्फ बायोमीट्रिक पहचान पत्र ही पर्याप्त है
- नई व्यवस्था दोनों डेटाबेस (आधार और पैन) को जोड़ने के लिए की गई है
- सीबीडीटी के अध्यक्ष ने कहा कि पैन की उपयोगिता निश्चित तौर पर खत्म नहीं हुई है

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) प्रमुख ने कहा है कि सिर्फ आधार के जरिए आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले व्यक्ति को नई व्यवस्था के तहत आयकर विभाग स्वतः ही एक 'पैन' जारी कर देगा। दरअसल, बजट में यह प्रस्ताव किया गया है कि इस कार्य के लिए सिर्फ बायोमीट्रिक पहचान पत्र ही पर्याप्त है। यह नई व्यवस्था दोनों डेटाबेस (आधार और पैन) को जोड़ने के लिए की गई है।

सीबीडीटी के अध्यक्ष प्रमोद चंद्र मोदी ने कहा कि पैन (स्थायी खाता संख्या) की उपयोगिता निश्चित तौर पर खत्म नहीं हुई है और हालिया बजट में दोनों डेटाबेस (पैन और आधार) को एक–दूसरे की जगह इस्तेमाल करने के लिए एक जैसा बताया जाना एक अतिरिक्त सुविधा है जो उन्हें जोड़े जाने को सुनिश्चित करेगा, जो कि अब कानून के तहत अनिवार्य है।

उन्होंने कहा, 'ऐसे मामलों में जहां आधार का संदर्भ दिया जा रहा है और वहां पैन का उल्लेख नहीं है, वहां हम (आयकर रिटर्न जमा करने वाले) व्यक्ति को पैन आबंटित करने की संभावना के बारे में सोच सकते हैं।'

दरअसल, सीबीडीटी प्रमुख से पूछा गया था कि क्या वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में किए गए प्रावधान के बाद आयकर (आईटी) विभाग द्वारा जारी पैन की उपयोगिता नहीं रह जाएगी। उन्होंने कहा, 'यह इस मुद्दे को गलत तरीके से देखा जाना है। निश्चित तौर पर पैन की उपयोगिता खत्म नहीं हो रही। पैन की उपयोगिता बनी रहेगी। यह आयकर जमा करने वालों को अतिरिक्त सुविधा मुहैया कराने की कोशिश भर है कि अगर वह पैन का उल्लेख नहीं कर रहा और उसके पास केवल आधार है तो आयकर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया प्रभावित नहीं हो।' उन्होंने कहा कि विभाग के आकलन करने वाले अधिकारी पैन आबंटित करने की अपनी शक्ति का इस्तेमाल करेंगे। सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, 'कानून में प्रावधान है कि आकलन अधिकारी स्वतः ही पैन भी आबंटित कर सकते है। इसलिए, यदि बिना पैन के आधार का इस्तेमाल किया जाता है तो मैं उन्हें पैन जारी करूंगा और वे आपस में जुड़ जाएंगे।' सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि दोनों डेटाबेस को जोड़ना अब जरूरी है और कानून में भी इसका प्रावधान है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य के मुताबिक क्यूएस रैंकिंग के मानकों में होगा बदलाव

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

- विश्वविद्यालयों की खराब क्यूएस रैंकिंग के कारणों की समीक्षा करेगा मानव संसाधन विकास मंत्रालय

मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय ने भारतीय परिप्रेक्ष्य के मुताबिक क्यूएस रैंकिंग के मानकों में बदलाव के लिए क्वाक्वरेली साइमंड्स एजंसी से कहा है। यही एजंसी दुनिया भर के शिक्षण संस्थानों की हर साल रैंकिंग जारी करती है।

केंद्रीय एचआरडी मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) गुवाहाटी के संक्षिप्त दौरे पर थे और इस दौरान उन्होंने कहा कि क्यूएस अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था के क्षेत्रीय अध्यक्ष के साथ भेंट की और उनसे आग्रह किया कि रैंकिंग प्रणाली में भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से बदलाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई मानकों पर भारतीय संस्थान इसीलिए अच्छा नहीं कर पाते क्योंकि हमारी प्रस्तुतियां विदेशियों से बिल्कुल अलग हैं।

मंत्रालय ने पिछले सप्ताह जेएनयू और हैदराबाद विश्वविद्यालयों जैसे देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के क्यूएस रैंकिंग में उच्च स्थान हासिल करने में नाकाम रहने के कारणों पर विचार विमर्श के लिए एक बैठक बुलाई थी। इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) के वरिष्ठ अधिकारी, कुलपति और लंदन स्थित प्रतिष्ठित एजंसी क्वाक्वरेली साइमंड्स यंग यूनिर्वसिटी रैंकिंग 'क्यूएस' के अधिकारी शामिल हुए। यह रैंकिंग अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोजक प्रतिष्ठा, अध्यापक विद्यार्थी अनुपात, अंतरराष्ट्रीय अध्यापकों का होना और अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का होना सहित छह पैमानों पर विश्वविद्यालयों को आंकती है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एचआरडी मंत्री निशंक ने इस बैठक की अध्यक्षता की थी। उन्होंने शीर्ष भारतीय विश्वविद्यालयों के गुणवत्ता एवं अन्य मानकों पर खरा उतरने की ओर संकेत किया, साथ ही कहा कि क्यूएस रैंकिंग में इन्हें ध्यान में नहीं रखा गया। उन्होंने अधिकारियों को विश्वविद्यालयों की रैंकिंग को लेकर वजहों को समझने और उन्हें दूर करने के निर्देश दिए।

इस रैंकिंग में आइआइटी बॉम्बे, आइआइटी दिल्ली और आइआइएससी बंगलुरु शीर्ष 200 संस्थानों में शामिल हैं। जबकि आइआइटी मद्रास, आइआइटी खड़गपुर, आइआइटी कानपुर और आइआइटी रुड़की शीर्ष 400 संस्थानों में शामिल हैं। आइआइटी गुवाहाटी बीते साल की 475वीं रैंकिंग से फिसल कर इस बार 491वें स्थान पर आ गया है।

डॉक्टर हरीश चंद्र बर्णवाल की पुस्तक 'मोदी नीति' के लोकार्पण समारोह में उपस्थित (बाएं से) प्रभात प्रकाशन के प्रमुख प्रभात कुमार, न्यूज नेशन के प्रबंधकीय संपादक अजय कुमार, इंडिया टुडे के सलाहकार संपादक राजदीप सरदेसाई, डॉक्टर बर्णवाल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय, क्विंट के संपादकीय निदेशक संजय पुगलिया, आज तक के कार्यकारी संपादक सईद अंसारी और मानव रचना विश्वविद्यालय के कुलपति प्राफेसर संजय श्रीवास्तव।

दिल्ली में बढ़ते अपराध पर बोले केजरीवाल

केंद्र को दोष देने से नहीं होगा समस्या का समाधान

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हमारा रुख केंद्र के प्रति नरम नहीं है

सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली में बढ़ती आपराधिक वारदातों को लेकर केंद्र के प्रति उनका रुख बिल्कुल नरम नहीं हुआ है लेकिन इसे लेकर एकदूसरे को दोष देने से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला। दोनों सरकारों को अपनी-अपनी भूमिका निभानी है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने रविवार को एक आवासीय परिसर में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने के काम के उद्घाटन के लिए आयोजित एक समारोह के मौके पर कहा-किसने कहा कि हमारा रुख नरम हो गया है? हमने कई बार कहा है कि केंद्र सरकार को दिल्ली में कानून-व्यवस्था की खराब होती स्थिति के मद्देनजर कड़े कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उनके साथ

सहयोग कर रही है। हम वह कर रहे हैं, जो हम कर सकते हैं। एक दूसरे को दोष देना या एक दूसरे की आलोचना करना समाधान नहीं है। राजधानी में कानून व्यवस्था संभालने वाली दिल्ली पुलिस पर दिल्ली सरकार का नहीं, बल्कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय का नियंत्रण है और इस मुद्दे पर केजरीवाल सूबे में अपनी सरकार गठन के बाद से लगातार केंद्र सरकार पर हमले करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगा रही है। हमारे अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों में रोशनी का प्रबंध किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कानून-व्यवस्था के संबंध में केंद्र को हर प्रकार की मदद मुहैया कराने के लिए तैयार है लेकिन केंद्र को अपने तहत आने वाले मामलों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के बढ़ते मामलों के मद्देनजर उनकी सरकार तीन लाख सीसीटीवी कैमरा लगा रही है जिससे अपराधियों को पकड़ने और अपराध दर को कम करने में मदद मिलेगी। कैमरों से दिल्ली पुलिस को अहम सुराग हासिल करने में मदद मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री बनाएंगे दिल्ली के भ्रष्ट अधिकारियों की सूची

- उपराज्यपाल से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश
- दिल्ली सरकार और नौकरशाही के बीच काफी तल्ख रहे हैं रिश्ते

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उप राज्यपाल अनिल बैजल के साथ मुलाकात करके भ्रष्ट अधिकारियों की जबरन सेवानिवृत्ति के मुद्दे पर विचार विमर्श किया और बाद में अपने मंत्रिमंडल के कैबिनेट मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे अधिकारियों की एक सूची बनाएं।

उप राज्यपाल बैजल से मुख्यमंत्री केजरीवाल की शनिवार को हुई इस मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद थे। केजरीवाल ने इस मुद्दे पर दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव से भी विस्तार से चर्चा की। बाद में अपने मंत्रियों को निर्देश जारी किया कि वे अपने विभागों में ऐसे अधिकारियों की सूची बनाएं ताकि उन्हें जबरन सेवानिवृत्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में भ्रष्टाचार को बर्दाश्त न करने (जीरो टॉलरेंस) की नीति है।

आम आदमी पार्टी सरकार और राज्य की नौकरशाही के बीच रिश्ते शुरू से ही बेहद तल्खी भरे रहे और बाद में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में पार्टी के कुछ विधायकों द्वारा दिल्ली के एक पूर्व मुख्य सचिव के साथ मारपीट तक करने के आरोप लगे जिसके विरोध में लंबे समय तक सरकार और वरिष्ठ अधिकारियों में टकराव चला। लंबे समय तक अधिकारी मंत्रियों व विधायकों की बैठकों से गैरहाजिर रहे। ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के नए फरमान से सरकार और नौकरशाही के बीच की तल्खी और बढ़ेगी।

डूसू आर्थिक रूप से कमजोर 50 विद्यार्थियों की फीस भरेगा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) विश्वविद्यालय के आर्थिक रूप से कमजोर 50 विद्यार्थियों की फीस भरेगा। डूसू ने विद्यार्थियों के चयन के लिए प्रक्रिया रविवार से शुरू कर दी है। डूसू की ओर से जारी किए गए ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। चयनित विद्यार्थियों के नाम अगस्त के पहले सप्ताह में घोषित किए जाएंगे। साथ ही डूसू समाज सेवियों, दिल्ली के सांसदों और कुछ मंत्रियों को गरीब विद्यार्थियों की मदद करने के लिए सोमवार को पत्र लिखेगा ।

डूसू अध्यक्ष शक्ति सिंह ने कहा कि डीयू की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान हमें कई ऐसे विद्यार्थी मिले जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। हम अपने स्तर से 50 विद्यार्थियों की मदद करेंगे, साथ ही हम यह भी कोशिश कर रहे हैं कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्ति छात्रों की मदद करें।

अस्पताल से लौटकर दिल्ली कांग्रेस की सेहत सुधारेंगी शीला

- नियमित जांच के लिए अस्पताल में किया गया था भर्ती
- 280 नए ब्लॉक अध्यक्षों को नियुक्त किए जाने के आसार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

स्वास्थ्य की नियमित जांच के लिए बीते तीन-चार दिनों से राजधानी के एक अस्पताल में भर्ती प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल जाने की उम्मीद है। दीक्षित की अस्पताल वापसी के साथ ही प्रदेश में कांग्रेस के 280 नए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को नियुक्ति की चिट्ठियां मिलने और आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी जिलों में पार्टी के पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर भी जल्दी ही फैसला होने के संकेत हैं। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि इन फैसलों को अमलीजामा पहनाए जाने की सूरत में प्रदेश के प्रभारी पीसी चाको और दीक्षित के बीच जारी सियासी जंग के और तेज हो सकती है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीक्षित को हाल ही में नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए राजधानी के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया था। उन्होंने बताया कि जांच पूरी हो चुकी है और उन्हें सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि दीक्षित ने दिल्ली के सभी 280 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को पद से हटाने का फैसला किया है। इसके लिए उन्हें किसी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। हटाए गए ब्लॉक अध्यक्षों की जगह नए अध्यक्षों की सूची तैयार है और उन्हें उनकी नियुक्ति की चिट्ठी अब जल्दी जारी कर दी जाएगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुब्रमण्यम स्वामी के खिलाफ किया प्रदर्शन

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलोठिया के नेतृत्व में रविवार को भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता और सांसद सुब्रमण्यम स्वामी के खिलाफ प्रदर्शन किया। स्वामी की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए बेबुनियाद और झूठे आरोप और उनकी अभद्र व अपमानजनक भाषा को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बहुत गुस्सा था।

आइपीयू : 30 पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ (आइपी) विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के 30 पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इनमें से 26 पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 8 जुलाई को शाम 5:00 बजे शुरू होगी जबकि चार पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 9 जुलाई शाम 5:00 से शुरू होगी। एमबीए की ऑनलाइन काउंसलिंग का कार्यक्रम 9 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डाला जाएगा।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर पीके उपमन्यू की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आवेदकों के दस्तावेजों का सत्यापन विश्वविद्यालय में ही होगा। इसके लिए जल्द ही निर्धारित जगह के बारे में वेबसाइट के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि प्रबंधन कोटा के अलावा सभी दाखिला विश्वविद्यालय द्वारा काउंसलिंग के माध्यम से ही किए जाएंगे। कोई भी संबद्ध कॉलेज किसी भी उम्मीदवार को सीधे दाखिला नहीं दे सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार या उनके अभिभावक विश्वविद्यालय के सुगमता केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं।

बारिश के बाद बाजार में सब्जियों की आवक घटी, दाम बढ़े

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

देश के कई हिस्सों में हो रही बारिश का सीधा असर सब्जियों के दामों पर पड़ा है। हरी सब्जियां, धनिया, लहसून, मिर्ची के दामों में वृद्धि हुई है। स्थानीय मंडी के सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि यदि लगातार बारिश होती रही तो आने वाले दिनों में सभी सब्जियों के दाम बढ़ सकते हैं। वहीं, मंडी में थोक कारोबार करने वाले कारोबारियों का कहना है कि बारिश के बाद सब्जियों की आवक कम हो गई है। यह भी एक कारण है। हालांकि आलू, प्याज, टमाटर, लौकी की कीमतें स्थिर हैं। लगातार बारिश होती रही और थोक मंडी में इन सब्जियों की आवक कम हुई तो एक-दो दिनों में इसका असर दामों पर पड़ सकता है।

लक्ष्मी नगर मंडी में सब्जी बेचने वाले अमन कुमार ने बताया कि लगातार बारिश कम होने की वजह से हरी सब्जियों पर असर पड़ा है। गोभी की कीमतों में 10-20 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ है। वहीं, परवल के दाम भी 10-25 रुपए की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार से अदरक के दाम भी बढ़े हैं, जहां पहले अदरक 180 रुपए किलो की दर बेची जा रही थी। वहीं, थोक में 200 रुपए प्रतिकिलो की दर से मिल रही है। साथ ही पालक, पोई,

चौलाई के साग के दाम भी बढ़े हैं। दिल्ली-एनसीआर में बीते दिनों हुई बारिश के बाद इनके दामों में इजाफा हुआ है। विक्रेता रमेश गुप्ता ने बताया कि साग आसपास के इलाकों से ही दिल्ली आता है। बारिश के बाद खेतों में पानी भर जाने की वजह फसल पर खासा असर पड़ा है।

न्यू अशोक नगर के सब्जी विक्रेता बब्लू ठाकुर ने बताया कि भले ही आलू, प्याज और टमाटर के दाम स्थिर हों। पर धनिया, मिर्ची और लहसून के दाम में काफी इजाफा हुआ है। चार दिनों पहले धनिया बाजार में 10-15 रुपए के 100 ग्राम में बेचा जा रहा था। वहीं, बारिश के बाद आवक कम होने की वजह से धनिया 20 रुपए के 100 ग्राम की दर से बेची जा रही है। इसी प्रकार से लहसून के दाम भी बढ़े हैं। मिर्ची 40-50 रुपए किलो की दर से बेची जा रही थी। अब 80 रुपए किलो की दर से बेची जा रही है।

दूसरी कटऑफ के बाद 70 फीसद सीटें भरीं

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

दाखिले की दौड़

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दूसरी कटऑफ के बाद रविवार देर रात 8:00 बजे तक 43,850 से अधिक सीटें भर चुकी थीं। यह विश्वविद्यालय में मौजूद स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल सीटों 62,500 का 70 फीसद से अधिक है। तीसरी कटऑफ के आधार पर 9 से 11 जुलाई के बीच दाखिले होंगे। डीयू की ओर से मिले आंकड़ों के मुताबिक अब तक 778 विद्यार्थियों ने अपना दाखिला वापस लिया है जबकि 3082 ने अपना प्रवेश रद्द कराया है।

तीसरी कटऑफ में बेहद कम मौके

अधिकतर कॉलेजों में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए ज्यातादार पाठ्यक्रमों के दरवाजे बंद हो चुके हैं। कॉलेजों में अब आरक्षित वर्गों की ही अधिकतर सीटें खाली बची हैं। हालांकि जिन कॉलेजों ने अपनी कटऑफ ऊंची जारी की थी, वहां अभी भी कुछ सीटें खाली हैं। लेडी श्रीराम (एलएसआर) कॉलेज फॉर वुमेन में गणित ऑनर्स, बीकॉम (ऑनर्स) और बीए प्रोग्राम (इतिहास और राजनीतिक विज्ञान) में कुछ सीटों के लिए तीसरी कटऑफ में दाखिला खुलेगा। इसी तरह आत्माराम सनातन धर्म (एआरएसडी) कॉलेज में भी अंग्रेजी ऑनर्स और बीकॉम ऑनर्स की कुछ सीटों के लिए सामान्य वर्ग के लिए दाखिले खुलेंगे। एआरएसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर ज्ञानतोष कुमार झा ने बताया कि हमारे यहां अधिकतर पाठ्यक्रमों में ओबीसी, ईडब्लूएस और एससी वर्ग की सीटें भी भर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि कई पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीटों से अधिक दाखिले हो चुके हैं। इसलिए तीसरी कटऑफ में हमारे यहां कुछ ही पाठ्यक्रमों में दाखिले का मौका मिलेगा।

डीयू में ईसीए के अंतिम ट्रायल कल से होंगे शुरू

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने ईसीए (अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधि) से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए होने वाले अंतिम ट्रायल का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत सभी श्रेणियों के ट्रायल 9 से 12 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे। डीयू ने अंतिम ट्रायल के लिए शनिवार को सफल विद्यार्थियों को स्लॉट आबंटित कर दिए। यह स्लॉट प्राथमिक ट्रायल में सफल रहे विद्यार्थियों को आबंटित किए गए हैं। डीयू के ईसीए कोटे के प्राथमिक ट्रायल 25 जून से 5 जुलाई आयोजित किए गए थे। इस बार ईसीए की 14 श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए हैं।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

ध्वनि प्रदूषण रोकें

आपका सहयोग

ध्यान दें।

- लाउड स्पीकर/ध्वनि उत्पन्न करने वाले दूसरे उपकरण रात्रि 10 से प्रातः 6 बजे के बीच बजाना निषिद्ध है और विशेष रूप से अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालयों, धार्मिक स्थलों के 100 मीटर के दायरे में इनका उपयोग न करें।
- सार्वजनिक स्थलों की सीमा में जहां उक्त उपकरण इस्तेमाल किए जा रहे हैं वहां ध्वनि का स्तर, उस क्षेत्र के ध्वनि के मानक स्तर से 10 डेसिबल (ए) से अधिक या 75 डेसिबल (ए) जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगा और निजी स्थलों की सीमा के लिए 5 डेसिबल (ए) से अधिक नहीं होगा।
- रात्रि 10 से प्रातः 6 बजे के बीच, विशेष परिस्थितियों को छोड़कर, रिहायशी इलाकों में हॉर्न बजाने की अनुमति नहीं है।

- उल्लंघन करने पर उपकरण ज़ब्त किए जा सकते हैं।
- उल्लंघन करने वालों को कानून के अनुसार 5 वर्ष तक का कारावास या 1 लाख रुपए का जुर्माना या दोनों भुगतना पड़ सकता है।

ध्वनि प्रदूषण को न कहें

24x7 ध्वनि प्रदूषण हेल्पलाइन नं. 155271

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें : cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in
लिखें : पुलिस आयुक्त दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 100 नम्बर पर कॉल करें | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 1090

DP/9122/19

खबरों में शहर

बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश में गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

दयालपुर में छह साल की बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 30 साल का आरोपी युवक भागीरथी विहार का है। इसके खिलाफ चोरी के कई केस दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने मासूम को 50 रुपए देकर सिगरेट लेने भेजा था, इसके बाद वह पीछे से जाकर वह बच्ची को सुनसान जगह पर ले गया था। वहां उसने बलात्कार की कोशिश की। उत्तरी-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर के अनुसार मामले मामला दर्ज करने के बाद जिले की तीन इकाई की 12 टीमें मामले की जांच में जुटी थीं।

बिहार के शख्स की होटल में संदिग्ध हालात में मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

पहाड़गंज थाना क्षेत्र में एक होटल के अंदर 33 साल के सोनूकी संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। शनिवार को वह महिला दोस्त को परीक्षा दिलाने के लिए बिहार से दिल्ली आया था। होटल के कमरे में अचानक शख्स की तबीयत बिगड़ गई, जिसे होटल कर्मचारियों ने नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने पुलिस को बताया युवक का ब्लड प्रेशर दो सौ तक बढ़ा था, युवती से बात करने पर पुलिस को पता चला कि उसने दिन में शराब पी और आराम करते समय तबीयत बिगड़ी। पुलिस को शक है कि युवक ने कुछ गलत चीज खाई है।

डेंगू की रोकथाम में जुटे सरकारी महकमे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

महानगर के स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकाय, डेंगू के संभावित प्रसार को रोकने की तैयारियों में जुट गए हैं। बारिश के दौरान ही डेंगू के विषाणु फैलते हैं। बीमारियों को रोकने के लिए अधिकारी जागरुकता फैलाने से लेकर लोगों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन तक कर रहे हैं। निगम की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली म इस साल जून तक डेंगू के 22 मामले और मलेरिया के 44 मामले प्रकाश में आ चुके हैं।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : 'द इवोल्यूशन आफ फैशन एंड इंडिया मार्डन' पर चर्चा, सीडी देशमुख ऑडिटोरियम, सेंटर परिसर, 40 मैक्समूलर मार्ग, शाम 6:30 बजे।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : 'कलिंगा टेंपल आर्ट' पर व्याख्यान, कांफ्रेंस रूम एक, सेंटर परिसर, 40 मैक्समूलर मार्ग, शाम 6:30 बजे।

मां की गला रेत कर हत्या के आरोप में बेटा गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

- वारदात के बाद बेटे ने खुद दी पुलिस को जानकारी
- शराब के लिए पैसे न मांगने पर दिया घटना को अंजाम

मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में एक बेटे पर अपनी मां की गला रेतकर हत्या करने का आरोप है। वारदात के बाद आरोपी बेटे ने खुद फोन कर पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी बेटे दीपक कुमार (23) को गिरफ्तार कर लिया। मृतक महिला की पहचान आशा देवी (54) के रूप में हुई है।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है और वह चाकू जब्त कर लिया है। शुरुआती छानबीन में पता चला है कि वारदात के समय आरोपी नशे में था और शराब खरीदने के लिए रुपए मांग रहा था, जिसका आशा देवी विरोध कर रही थीं। मिली जानकारी के मुताबिक आशा देवी डबल स्टोरी कॉलोनी, विजय नगर मॉडल टाउन इलाके में रहती थीं। आशा देवी का बड़ा बेटा बुराड़ी में रहता है, जबकि दो बेटी उसी मकान में रहते हैं। पुलिस को पता चला कि दीपक शनिवार रात को घर पहुंचा था। वह नशे में था। वह अपनी मां से शराब के लिए रुपए मांग रहा था। आशा बार-बार रुपए देने से इनकार कर रही थीं। इस बात को लेकर पहले तो दोनों में कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने मां के साथ मारपीट की। वह रसोईघर से चाकू लाया और कई बार मां पर हमला किया। इसी बीच आरोपी ने आशा देवी की गला रेत दी। बाद में कुछ समय के लिए वह मां के पास ही बैठा रहा। पुलिस ने बताया कि रात करीब 1:25 बजे 100 नंबर पर फोन कर आरोपी दीपक ने मां की हत्या करने की जानकारी पुलिस को दी। साथ ही उसने अपने घर का पता भी पुलिस को बताया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि आरोपी पास के पार्क में बैठा है। पुलिस टीम उसे अपने साथ लेकर कमरे में गई, जहां आशा देवी खून से लथपथ हालत में पड़ी थीं। पुलिस उन्हें पास के अस्पताल में लेकर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पड़ोसियों ने पूछताछ के दौरान बताया है कि दीपक ने कुछ दिनों पहले नौकरी छोड़ दी थी, जिसके बाद से वह लगातार शराब पीने लगा था। इस बात को लेकर आशा काफी चिंतित रहती थीं। पड़ोसियों ने बताया कि अकसर वह लड़ाई करता था।

पर्यटन परमिट पर फुटकर सवारी ढोने वाली बसों पर सख्ती शुरू

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 7 जुलाई।

ऑपरेशन क्लीन के तहत लंबी दूरी तक चलने वाली लग्जरी बसों के संचालकों के खिलाफ पुलिस, प्रशासन और परिवहन विभाग ने कड़ा रुख अपना लिया है। गुरुवार को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और यमुना एक्सप्रेस-वे पर करीब 72 बसों को जब्त करने से नाराज संचालक लखनऊ पहुंच थे। यहां नोएडा पुलिस की शिकायत मुख्यमंत्री के निजी सचिव से की। शनिवार सुबह निजी बस संचालकों के साथ एसएसपी की बैठक हुई। जिसके बाद बसों को छोड़ने की उम्मीद बंधी थी लेकिन शाम को डीएम ने बस छोड़ने के आदेश पर रोक लगा दी। इसी अभियान के तहत पुलिस ने ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर दिल्ली से फुटकर सवारियों को बैठाकर लखनऊ एवं अन्य शहरों के लिए रवाना होने वाली बसों को यूपी सीमा से ही वापस लौटा दिया। दिल्ली से सटी यूपी सीमा पर जांच के दौरान फुटकर सवारियां मिलने पर टूरिस्ट परमिट बस वाली बसों को लौटाया गया। यातायात पुलिस के मुताबिक दिल्ली से नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी, कालिंदी कुंज व झुंडपुरा सीमा पर जांच टीमें तैनात की गई। बसें अक्षरधाम और आनंद विहार से एसी व बगैर एसी वाली स्लीपर बसें नोएडा से होकर लखनऊ, आगरा, मध्य प्रदेश तक जा रही हैं।

कांस्टेबल पर महिला से बलात्कार का आरोप

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

सुल्तानपुरी थाने में महिला ने दिल्ली पुलिस में कार्यरत एक कांस्टेबल पर बलात्कार का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी कांस्टेबल सत्यवान शादीशुदा है पर उसने बताया था कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है, जो कि झूठी निकली। उसकी पत्नी जीवित है और बच्चे भी हैं। फिलहाल पुलिस ने पीड़िता कि शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। 33 साल की पीड़ित सुल्तानपुरी में रहती हैं। महिला का पति छोड़कर चला गया है। उनके दो बच्चे हैं। महिला पति की शिकायत करने 2016 में थाने गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात सत्यवान से हुई थी।

हेलिकॉप्टर और ड्रोन से होगी कांवड़ यात्रा की निगरानी

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 7 जुलाई।

प्रदेश की योगी सरकार कुंभ और प्रवासी दिवस की तरह श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को भी ऐतिहासिक बनाना चाहती है। इस बार कांवड़ यात्रा की निगरानी हेलिकॉप्टर और ड्रोन से करने का निर्णय भी किया गया है। रविवार को मुख्य सचिव डॉक्टर अनूप चंद्र पांडेय और डीजीपी ओपी सिंह ने मेरठ व सहारनपुर मंडल के साथ पांच राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के उच्चाधिकारियों के साथ एक्सपो मार्ट में बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया।

सुरक्षा, सड़क, बिजली, साफ सफाई और हेल्थ कैंप सहित सभी तैयारियों को समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कांवड़ यात्रा के जमीन से लेकर आसमान तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किए जाएंगे। आठ हजार पुलिसकर्मियों के साथ अर्धसैनिक बल और पीएसी के जवानों को तैनात किया जाएगा। आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए खुफियां एजंसियों के साथ एटीएस व स्नाइपर तैनात किए जाएंगे।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय ने बताया कि श्रावण मास 17 जुलाई से शुरू हो रहा है। कांवड़ियों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राज मार्ग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 15 जुलाई से पूर्व सभी मार्गों को गड्ढा मुक्त तथा अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। विद्युत विभाग के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में बिजली के लटके तारों पर ध्यान देंगे ताकि अप्रिय घटना न हो पाए। डीजीपी ओपी सिंह ने बताया कि आतंकी घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। कांवड़ यात्रा के मार्ग पर सुरक्षा के मद्देनजर कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी, जहां सभी विभागों के अफसर तैनात रहेंगे। आतंकी गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के लिए एटीएस की तैनाती की जाएगी। पिछली बार चार स्थानों पर आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। बैठक में उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा प्रशासनिक अधिकारी, अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन प्रशांत कुमार, अन्य शामिल रहे।

कांवड़ यात्रा मैनेजमेंट ऐप पर मिलेगी पूरी जानकारी

कांवड़ यात्रा के समय कांवड मैनेजमेंट ऐप नाम से एक खास मोबाइल ऐप भी शुरू किया जाएगा। इसके माध्यम से लोग पुलिस के सूचना देने के साथ तमाम जानकारियां हासिल कर सकेंगे। इसके अलावा कांवड़ यात्रा वाले थानों में सोशल मीडिया डिजिटल वॉलिंटियर भी तैनात किए जाएंगे, जो फेसबुक, ट्विटर या अन्य प्लेटफॉर्म पर आने वाली सूचनाओं पर नजर रखेंगे।

मीट व शराब की दुकानें होगी बंद

कांवड यात्रा के दौरान माहौल न बिगड़ने पाए इसलिए कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर स्थित मीट व शराब की दुकानें बंद रखी जाएगी। इस बारे में सभी दुकानदारों को समय रहते अवगत करा दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का करना होगा पालन

डीजीपी ओपी सिंह ने बताया कि यात्रा में डीजे पर रोक नहीं होगी, लेकिन आवाज को तय मानकों के अनुरूप रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करना होगा। कोर्ट के आदेश से सभी को अवगत कराया जाएगा।

पूर्व सैन्य अधिकारियों के घरों में ताला तोड़कर चोरों का धावा

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 7 जुलाई।

- सभी पूर्व अधिकारी परिवार सहित छुट्टी मनाने गए हुए हैं बाहर
- पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है

सेक्टर-29 में पूर्व सैन्य अधिकारी व कर्मचारियों के नौ घरों का ताला तोड़कर काफी सामान चोरी हो गया। इन घरों में रहने वाले सभी लोग बाहर घूमने गए हुए हैं। सेक्टर की आरडब्लूए ने सभी पीड़ितों के साथ पुलिस को घटना की सूचना दी है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घरों का मौका मुआयना कर ताले लगवा दिए हैं। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक युवक को हिरासत में भी लिया गया है। फॉरेंसिक टीम भी जांच में जुट गई है।

अरुण विहार सेक्टर-29 वार्ड के सेवानिवृत्त कर्नल एएस सिंधू के मुताबिक उनके वार्ड निवासी सेवानिवृत्त जनरल रावत, कृष्णा दहिया, आरडी शारदा, डिंपल सुंदर लाल, राहुल सहानी, कर्नल जसवंत सिंह, कर्नल प्रतीक भार्गव, कर्नल जीएस होरा व कर्नल एके मलिक आदि सभी अपने-अपने घर का ताला लगाकर बाहर गए हुए हैं। शनिवार रात चोरों ने बंद सभी नौ फ्लैटों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब पता लगा तो आसपास के लोगों ने आरडब्लूए और पुलिस को सूचना दी। हालांकि रविवार शाम तक कोई पीड़ित नहीं पहुंचा है। अभी तक यह भी पता नहीं है कि क्या और कितना सामान आदि चोरी हुआ है। आशंका जताई है कि लाखों रुपए का सामान चोरी गया है। थाना सेक्टर- 20 पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर मुआयना किया और फोटो लिए। सेक्टर के सभी गेटों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में पता चला है कि चोर ना तो किसी गेट से आए और ना ही गेट से गए हैं। हालांकि पुलिस को अरुण विहार में काम करने वालों के घटना में शामिल होने के सुराग मिले हैं। थाना सेक्टर- 20 के एसएचओ राजवीर चौहान के मुताबिक घटना की सूचना मिली है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर भेजी गई है।

आपकी शिकायतें

जाति प्रमाण पत्र के लिए ठोकरें खाने को विवश

दिल्ली सरकार के समाज कल्याण और अनुसूचित जाति/ जनजाति विभाग के आला अधिकारियों की लापरवाही से मैं जाति प्रमाण पत्र के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा हूं। सरकार के घर-घर जाकर सेवा करने और बिना कोई रिश्वत दिए प्रमाण पत्र देने का पोल खोल रहा है समाज कल्याण विभाग का मुख्यालय। विभागीय मंत्री को 17 बार अनुरोध पत्र देने के बावजूद विभाग के अधिकारियों के कान पर जूं नहीं रेंग रहा। जाटव समुदाय से आने वाला मैं इंजीनियर प्रदीप कुमार अपने बेटे संचित, परीक्षित और भतीजे सिद्धार्थ (आवेदन संख्या क्रमशः- 90510000434283, एसआर 180918 (राजस्व) 17101, 90510000434302) के लिए जाति प्रमाण पत्र के लिए 26 सितंबर, 2018 को शुल्क सहित आवेदन तक किया था। महरौली के दफ्तर में कई बार पत्र देने और टेलीफोन से संपर्क करने के बावजूद अभी तक संबंधित विभाग से न मेरे बच्चे का जाति प्रमाण पत्र मिला है और न कोई सटीक आश्वासन। संबंधित उच्चाधिकारियों से गुजारिश है कि बच्चों के भविष्य से जुड़े मामले को देखते तुरंत महरौली दफ्तर को निर्देश दें ताकि जाटव समुदाय का जाति प्रमाण पत्र जल्द से मिल सके।

– प्रदीप कुमार, मकान नं. 330, चर्च गली, जाटव मोहल्ला, फतेहपुर बेरी, दिल्ली।

सुविधा का शुल्क

पॉलीथिन के इस्तेमाल पर रोक की आड़ में सरकारी महकमों के कर्मचारियों ने दुकानदारों से ही हिस्सेदारी तय कर ली है। ठीक इसी तर्ज पर प्राधिकरण में होने वाले कार्यों के लिए हिस्सेदारी तय की जा रही है। नो योर अलॉटी (केवाइए) पंजीकरण कराने के लिए शहरवासियों को बेवजह दौड़ाया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत आबंटियों के ज्यादातर कार्यों के लिए अब ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इस आवेदन के लिए ऑनलाइन केवाइए कराना अनिवार्य है। केवाइए कैसे हो, यह अधिकांश आबंटियों को पता नहीं है। ऐसे में उन्हें संबंधित विभाग में जाकर पूछताछ करनी पड़ रही है। कर्मचारी केवाइए की प्रक्रिया काफी जटिल बताकर प्रत्येक से करने की एवज में एक हजार रुपए मांग रहे हैं। विकल्प नहीं होने की वजह से सैकड़ों की संख्या में आबंटी रोजाना अपने संबंधित विभाग के कर्मचारियों से केवाइए कराने की एवज में हजार रुपए देने को मजबूर हैं।

विवि में राम राज

जब से दिल्ली के एक विश्वविद्यालय को कुलपति के रूप में त्यागी मिले हैं, तब से ही विश्वविद्यालय में राम राज है। चौकिए मत, बिल्कुल सच सुना आपने। सही में देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक में राम राज ही चल रहा है, क्योंकि त्यागी जी के आने के बाद से ही यहां सब राम भरोसे ही है। चाहे विद्यार्थियों की दाखिले के समय की समस्या हों, शिक्षकों की पेंशन की परेशानियां हों या विश्वविद्यालय की साख का सवाल, हर चीज त्यागी जी ने राम भरोसे ही छोड़ी हुई है। और राम का नाम लेकर अपना कार्यकाल पूरा करने में लगे हैं। त्यागी जी की मासूमियत ऐसी कि वे किसी से ऊंची आवाज में बात तक नहीं करते फिर चाहे शिक्षक हों, विद्यार्थी हों या कर्मचारी। विश्वविद्यालय से जुड़े लोग तो उनसे एकबार मिलकर उनकी आवाज सुनने को सालों से तरस रहे हैं।

अध्यक्षों पर सवाल

लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से अजय माकन के इस्तीफे के बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को दिल्ली में पार्टी की कमान तो सौंप दी लेकिन संभवतः उनकी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य के मद्देनजर राहुल ने दीक्षित के सहयोग के लिए तीन कार्यकारी अध्यक्षों, हारुन युसूफ, देवेंद्र यादव और राजेश लिलोठिया की भी नियुक्ति की। ऐसा माना जा रहा था कि दीक्षित को पार्टी अपने मुखिया के तौर पर आगे रखेगी और ये तीनों कार्यकारी अध्यक्ष संगठन को धार देने का काम करेंगे। लेकिन बीते कुछ महीनों में इन तीनों कार्यकारी अध्यक्षों की प्रदेश कांग्रेस में भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कांग्रेस से जुड़े कुछ लोगों का यह कहना है कि तीनों कार्यकारी अध्यक्ष पार्टी हाईकमान द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निभाने में विफल रहे हैं। लेकिन पार्टी का एक दूसरा धड़ा यह भी मानता है कि इन तीनों कार्यकारी अध्यक्षों को संगठन को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी जरूर दी गई लेकिन उनको काम करने ही नहीं दिया जा रहा। दीक्षित के करीबी लोग ही सारे निर्णय करते हैं। लिहाजा, इन तीनों कार्यकारी अध्यक्षों के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाना मुश्किल हो रहा है। बहरहाल, वजह चाहे जो भी हो लेकिन तीनों कार्यकारी अध्यक्षों की भूमिका पर तो सवाल खड़े हो ही रहे हैं।

राहत और आफत

दिल्ली में मानसून की पहली बारिश चांदनी चौक में राहत की जगह आफत बनती नजर आई। लाल किले से लेकर फतेहपुरी तक खुदी पड़ी सड़क और इसके चलते तंग गलियों की बंद पड़ी नालियों ने हल्की बारिश को ही मानो भीषण बरसात वाले मंजर दिखा दिए। चारों तरफ पानी ही पानी। कहना न होगा, बरसात पर मिली छोटी सी राहत पर प्रशासनिक अव्यवस्था इस कदर भारी पड़ी कि लोग आफत में पड़ गए। इतना ही नहीं, स्थानीय लोगों को आने वाले दिनों की चिंता सता रही है जब लगातार बारिश के आसार बनने वाले हैं। लोगों में आठ महीने से खोद कर छोड़ दी गई सड़क को लेकर कई सवाल भी है। जिनका जवाब निगम व सरकार को देना है। लेकिन फिलहाल महीनों से जिस मानसून की बाट जोह रहे थे उसके दस्तक मात्र से मिली राहत आफत बनती नजर आई।

सुर में बिखराव

दिल्ली में सातों सीट पर हुई जीत के बाद कार्यकारिणी की पहली ही बैठक में सांसदों के सुर एक सुर में सुनाई नहीं दिए। सांसदों ने जीत के लिए के लिए केवल एक चेहरा और कमल निशान को ही तव्वजो दी। नेताओं ने बड़े ही सधे हुए अंदाज में पार्टी के सक्रिय नेताओं को साफ कहा कि इस जीत में प्रदेश की कोई भूमिका नहीं है। ये चुनाव सांसदों ने अपने बूते और प्रधानमंत्री के चेहरे पर लड़ा है। इन सुरों से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद की दावेदारी ठोक रहे नेताओं को मायूसी हाथ लगी है।

टीका टिप्पणी पर विराम

कार्यकारिणी में चौकने वाले नेताओं में पार्टी के नए सांसद भी थे। बार-बार नए सांसदों पर हो रही टीका टिप्पणी का असर कार्यकारिणी में भी साफ नजर आया। जहां एक वरिष्ठ नेता को बार-बार कल के नेताओं का तंज कसने पर नए सांसद से करारा जवाब मिला। इस तंज पर नव निर्वाचित सांसद का कहना था कि नेता जी, हम कल के नहीं परसों के आए हैं। इससे पुराने नेताओं की भी हंसी निकल गई और बार-बार की टिप्पणी से परेशान नेता जी ने अपनी नाराजगी भी अलग अंदाज में जाहिर कर दी।

स्कूल बना हथियार

हाल ही में भाजपा ने दिल्ली के स्कूलों के निर्माण में घोटाले को उजागर किया है। इस घोटाले के बाद पहली बार नेताओं को ऐसा विषय हाथ लगा है जिसमें सीधे तौर पर दिल्ली सरकार घिरती नजर आ रही है। इसका ही असर है कि अब भाजपा ने सरकार को घेरने के लिए पोस्टरबाजी भी तेज कर दी है। इसके लिए आलीशान कमरों के साथ कक्षा निर्माण का खर्च लगाकर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा जा रहा है। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया पर भी सरकार को घेरने की कोशिश की जा रही है।

मुंह मियां मिट्ठू

दिल्ली नगर निगम के कुछ पदाधिकारियों को अपने पूर्व होने का भान नहीं है। यही कारण है कि वे पहले की तरह अपने इलाके में पदाधिकारियों को कार्य करने का निर्देश दे रहे हैं और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होकर गदगद हो रहे हैं। ऐसे 'अपने मुंह मियां मिट्ठू' नेताओं में एक पूर्व मेयर, सदन के नेता, विपक्ष के कई नेता शामिल हैं। ऐसे ही एक नेताजी से निगम मुख्यालय में मुलाकात हो गई। वे बोलने लगे कि आजकल हम लोगों पर ध्यान न के बराबर है। इतने बड़े पद पर रहते हुए हमने जो किया उसे कम से कम जनता के सामने लाने की आवश्यकता है। कोई बोल पड़ा कि अगर तवज्जो आप को देंगे तो मौजूदा पदाधिकारियों करेंगे। तो वे बगले झांकने लगे।

वाट्सऐप की अहमियत

दिल्ली नगर निगम के पदाधिकारियों से लेकर नेताओं तक अपने-अपने तरीके से वाट्सएप ग्रुप बनाकर चर्चा में रहना चाहते हैं। इनमें बड़े पदाधिकारी ही नहीं बल्कि अराजपत्रित और स्कूलों के शिक्षा विभाग से जुड़े प्राचार्य तक शामिल हैं। पूर्वी निगम में तो हमेशा ऊहापोह की स्थिति बनी रहती है। एक ही मामले को कई-कई बार परोसा जा रहा है। कभी निगम के आधिकारिक मेल से तो कभी उसे व्यक्तिगत मेल और वाट्सएप ग्रुप से भेजकर दिग्भ्रमित करने से बाज नहीं आते। अब उन्हें कौन समझाए कि मामला महत्त्वपूर्ण होगा तो खुद ब खुद उसे प्रमुखता मिल जाएगी। यूं ही कुछ भेजकर चर्चा में रहने का औचित्य आखिर क्या हो सकता है?

भंवर में कांग्रेस

दिल्ली कांग्रेस को फिर से सत्ता तक पहुंचाने की कवायत के तहत हुए प्रयोग तो फेल हो ही गए हैं समस्या यह है कि प्रदेश अध्यक्ष शीला दीक्षित और प्रभारी पीसी चाको के विवाद का अंत कब और कैसे होगा? लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) से गठबंधन के सवाल पर शीला दीक्षित और चाको में ठनी। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आखिरकार शीला दीक्षित की बात मान कर गठबंधन की स्वीकृति नहीं दी। कांग्रेस को इसका आंशिक लाभ मिला। कांग्रेस ने आप से चार फीसद वोट ज्यादा हासिल किया लेकिन सीट नहीं मिली। माना जा रहा था कि अगर लोकसभा चुनाव की बुनियाद पर कांग्रेस तैयारी करे तो फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में हालात बदल सकते हैं। दीक्षित के करीबियों ने ऐसा माहौल बना दिया जो गुटबाजी कांग्रेस के हाशिए पर जाने से कम हुई थी, वह बढ़ गई और पूर्व अध्यक्ष अजय माकन के समर्थकों को पार्टी में हाशिए पर डालने का अभियान चलता रहा। माकन के साथ चाको बताए जा रहे हैं। पदाधिकारी बदलने के मामले में दीक्षित और चाको में ठन गई है। मामला राहुल गांधी के दरबार में पहुंच गया, फैसला होने से पहले ही राहुल गांधी अध्यक्ष पद से विदा हो गए। नया अध्यक्ष कब बनेगा और वह इस हैसियत का होगा कि दीक्षित या चाको जैसे वरिष्ठ के खिलाफ कोई फैसला कर पाए और उसे लागू करवा पाए। इसे लेकर पार्टी नेता परेशान हैं। भाजपा और 'आप' चुनाव की तैयारी में लगी है और कांग्रेस में झगड़ा लगातार बढ़ रहा है।

अड़ने की कला

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की इस मामले में तारीफ करनी चाहिए कि अपनी बात पर वे अड़ जाते हैं, चाहे वह गलत और बे-बुनियाद हो। विपक्षी दल लगातार उनकी सरकार को यह कहकर घेर रहे हैं कि चुनाव में 'आप' ने 70 वायदों की सूची जारी की थी लेकिन एक भी पूरी नहीं हुई। मुख्यमंत्री विपक्ष के आरोपों पर सफाई देने के बजाए अपनी गाए जा रहे हैं कि दिल्ली जैसी कोई सरकार देश भर में है ही नहीं। भाजपा ने स्कूल कक्षों में घोटालों का आरोप लगाया तो केजरीवाल इस बारे में कोई सफाई देने को तैयार नही हैं। यह लड़ाई चुनाव तक जारी रहेगा लेकिन मोहल्ला क्लीनिक, सीसीटीवी, बसों में मार्शल, सभी को 24 घंटे पानी आदि मुद्दे पर सरकार सफाई देने के बजाए उसे उपलब्धि बताकर प्रचारित कर रही है। कुछ न जवाब सूझने पर केन्द्र की सरकार पर काम न करने देने का आरोप लगा देते हैं।

पुलिस की दिलचस्पी

अकसर देखा जाता है कि दिल्ली पुलिस अपने अच्छे काम को बताने में समय नहीं लगाती। पर जैसे ही इलाके में कोई बड़ी या फिर हाईप्रोफाइल घटना घट जाती है पुलिस अधिकारियों के फोन या तो बंद मिलते हैं या फिर अधिकारी फोन नहीं उठाते। यही नहीं कई बार देखा गया है अधिकारी सोशल मीडिया पर तो सक्रिय रहते हैं, लेकिन फोन पर जानकारी देने में दिलचस्पी नहीं लेते। बीते दिनों भी एक जिले के उपायुक्त ने भी कुछ ऐसा ही किया। अधिकारी ने फोन पर तो जानकारी नहीं दी, पर सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ी एक छोटी सी जानकारी साझा कर दी। हैरानी की बात यह है कि घटना को लेकर पिछले एक सप्ताह से विवाद चल रहा है। पर अधिकारी ने अपनी जानकारी में बताया था कि घटना के बाद स्थिति समान्य है, जबकि इलाके में कई दिनों तक तनाव की स्थिति बनी रही और बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती कई दिनों तक रही।

–बेदिल

कोलकाता में रविवार को भाजपा सांसद सुभाष सरकार और पश्चिम बंगाल शिक्षक प्रकोष्ठ के सदस्य राज्य सरकार के खिलाफ विधान सभा के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए।

हरियाणवी कलाकार सपना चौधरी भाजपा में शामिल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में हुईं शरीक

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

दिल्ली प्रदेश भाजपा ने भी रविवार को राजधानी में अपना सदस्यता अभियान शुरू कर दिया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में हरियाणवी कलाकार सपना चौधरी रविवार को भाजपा में शामिल हो गईं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

सपना ने बीती मई में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के लिए जमकर प्रचार किया था, लेकिन चुनाव लड़ने की अटकलों के बावजूद पार्टी में शामिल नहीं हुई थीं। इससे पहले मार्च में कांग्रेस नेताओं प्रियंका गांधी वाड्रा और राज बब्बर ने ट्विटर पर एलान किया था कि सपना पार्टी में शामिल हो गई हैं, लेकिन सपना ने इसे स्पष्ट रूप से नकार दिया था। सपना के अलावा एक दिव्यांग युवक, पहली बार वोट डालने वाले युवा, सेना के सेवानिवृत सैन्य अधिकारी व नौकरशाह और एक रेहड़ी-पटरी वाले समेत कई लोग जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुए कार्यक्रम में भाजपा में शामिल हुए।

भाजपा के सदस्यता अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं से हर बूथ और वर्ग से लोगों को जुटाकर अगले साल होने वाले चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आपको यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी कि हर बूथ और समाज के हर वर्ग से नए लोग पार्टी के साथ आएं। वहीं, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को आश्वस्त किया कि सदस्यता अभियान दिल्ली में ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगा।

माना जा रहा है कि दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सपना चौधरी के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को चुनावी फायदा मिल सकता है। विधानसभा चुनाव के दौरान सपना इन दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार भी कर सकती हैं। दिल्ली और हरियाणा में सपना चौधरी के लाखों प्रशंसक हैं।

हरित पंचाट ने लापरवाही के लिए राज्यों के मुख्य सचिवों को फटकारा

– नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

देश का कोई भी राज्य, स्थानीय निकायों के स्तर पर ठोस कचरा, प्लास्टिक कचरा, मेडिकल कचरा और निर्माण कार्यों के कचरे के निस्तारण से संबंधित कचरा प्रबंधन नियम 2016 का पालन नहीं कर पा रहा है। राष्ट्रीय हरित पंचाट (एनजीटी) ने देश के सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन के उपायों की समीक्षा के आधार पर यह चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए सभी राज्यों से छह माह के भीतर स्थिति में सुधार लाने को कहा है।

एनजीटी ने हाल ही में पर्यावरण मानकों खासकर कचरा प्रबंधन के उपायों का पूरे देश में सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की समीक्षा के लिए पहली बार सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को दिल्ली तलब कर रिपोर्ट मांगी थी। 'स्वच्छ भारत अभियान' की कामयाबी में सर्वाधिक बाधक बन रहे कचरा जनित प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिये एनजीटी द्वारा की गई यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई थी।

इसमें मार्च से मई के दौरान, अलग-अलग तारीख पर पेश हुए 27 राज्यों के मुख्य सचिव और सात संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों ने जो रिपोर्ट पेश की है, उसे एनजीटी ने निराशाजनक बताया है। राज्यों की रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी ने कहा है कि लगभग सभी शहरों और कस्बों में कचरा निस्तारण के व्यवस्थित उपाय नहीं किए जाने के कारण

● पंचाट ने ठोस कचरा, प्लास्टिक कचरा, मेडिकल कचरा और निर्माण कार्यों के कचरे के निस्तारण से संबंधित कचरा प्रबंधन नियम 2016 का पालन नहीं करने का कसूरवार सभी राज्यों को बताया

स्थानीय लोगों और पर्यावरण के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन द्वारा बेकाबू होती स्थिति को नियंत्रित करने के लिये कानूनी उपायों को अमल में नहीं लाया जा रहा है।

इतना ही नहीं स्वच्छ भारत अभियान के तहत किए जा रहे कामों को भी कचरा प्रबंधन नियमों के साथ तालमेल क़ायम करके पूरा नहीं किया जा रहा है। इसके अनुसार कोई भी राज्य अभी तक प्रदूषित हो चुकी देश की 351 नदियों के पानी को कम से कम स्नान के योग्य बनाने की दिशा में समयबद्ध कार्ययोजना भी तय नहीं कर पाया है। जिन शहरों में सीवर ट्रीटमेंट संयत्र लग चुके हैं, उनमें नये मानकों का पालन नहीं हो रहा है। सीवर का गैरशोधित पानी या तो जलाशयों में अभी भी बहाया जा रहा है या भूक्षेत्र में बिखरा है।

एनजीटी के मुताबिक, 102 शहरों की हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की कार्ययोजना भी जमीन पर कहीं नहीं दिख रही है। इसकी वजह, तमाम शहरों में राज्यों के स्तर पर निगरानी तंत्र का व्यापक तौर पर निष्प्रभावी होना है। देश के सर्वाधिक प्रदूषित 100 औद्योगिक क्लस्टर में पर्यावरण की गुणवत्ता बहाल करने के लिए तैयार कार्ययोजना को लागू करने में लेट-लतीफी की बात सामने आई है।

मुख्य सचिवों की रिपोर्ट से साफ है कि उद्योग एवं मानव जनित अपशिष्ट के निस्तारण एवं शोधन के नियमों का पालन सुनिश्चित करने में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रदूषण नियंत्रण समितियां भी अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करने में नाकाम रहीं। इस वजह से न तो पर्यावरण क्षतिपूर्ति की वसूली हो सकी, न ही नियमों का उल्लंघन कर रहे उद्योगों के खिलाफ अदालती कार्रवाई शुरू हो सकी। एनजीटी ने राज्यों में बेतहाशा बालू खनन जारी रहने के कारण पर्यावरण, खासकर नदियों को हो रहे नुकसान पर भी चिंता जताई है।

रिपोर्ट से पता चला है कि किसी भी राज्य ने इन गतिविधियों के कारण पर्यावरण को हो रहे नुकसान का आंकलन नहीं किया। नतीजतन, प्रदूषण फैलाने वालों की कारगुजारियां खुले आम जारी हैं। राज्य प्रदूषण बोर्डों ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि जलाशय दूषित हो गए हैं, हवा प्रदूषित हो गई है, भूजल स्तर गिर रहा है और प्रदूषण का असर समस्त जीव जगत की सेहत पर पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनजीटी ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को ठोस कचरा, प्लास्टिक एवं मेडिकल कचरा प्रबंधन नियमों के अब तक अमल में नहीं लाए जा रहे प्रावधानों का छह हफ्ते के भीतर पालन सुनिश्चिा करने को कहा है। साथ ही प्रत्येक मुख्य सचिव को इसके पालन की तिमाही के आधार पर एनजीटी में रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

इसके अलावा प्रत्येक राज्य के तीन शहर, तीन कस्बे और हर जिले के तीन गांव का चयन कर इन्हें राज्य की वेबसाइट पर आदर्श शहर, आदर्श कस्बा और आदर्श ग्राम के रूप में अधिसूचित करने को कहा गया है। इनमे अगले छह महीने के भीतर कचरा प्रबंधन नियमों का पालन सुनिश्चित कर समूचे राज्य में एक साल के अंदर सभी पर्यावरण नियमों का शत-प्रतिशत पालन करने का निर्देश भी दिया गया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,773 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

जम्मू, 7 जुलाई (भाषा)।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,773 श्रद्धालुओं का आठवां जत्था रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ।

ये श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदेरबल जिले के बालटाल शिविर पहुंचेंगे।

NOTICE FOR SALE OF ASSETS
LML LIMITED (In Liquidation)
(Sale under Insolvency and Bankruptcy Code, 2016)

Location	Asset/Area	Block No.	Reserve Price (Rs. Crore)
Kanpur	Land & Building at C-10, Site-II, Panki Industrial Area, Kanpur, UP (Area 67.56 acres)	1	245.00
Mumbai	Office at 103 TO 112, Building A, Kalpita Enclave Cooperative Housing Society, Swami Nityanand Marg, Andheri East, Mumbai-400069 (Area 7338 sqft)	2	10.575

Last Date to apply: Thursday, July 25, 2019, **Date of E-Auction:** Friday, July 26, 2019
For Details: Visit www.lmlworld.in and https://ncltauction.auctiontiger.net
Contact: CA. Anil Bhatia, Tel No. 011-41066313, Mob. No.:+91 9899224476
Email id: lml.auction@gmail.com

Sd/-
Arun Gupta, Liquidator
IBBI Reg. No: IBBI/IPA-002/IP-N00051/2016-17/10095
Regd. Address: A-57, Sector 30, Noida-201301, UP, India
Regd.Email: arungupta2211@gmail.com

Date: 08.07.2019
Place: New Delhi

प्रपत्र सं. आईएनसी-26
क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 (4) तथा कम्पनी (निगमन)
नियमावली, 2014 के नियम 30 (6) (ए) के मामले में
तथा
विसु स्टॉकलैण्ड प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय ए-2/50, प्रथम तल, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली डीएल 110029 आईएन में है,

---(आवेदक)

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि ''दिल्ली राज्य'' से ''गुजरात राज्य'' में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए गुरुवार, 13 जून, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कंपनी क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें अथवा उसके नीचे वर्णित पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कम्पनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के पास जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें:

क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली
पता: बी-2, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003,
फोन: 011-24366038, **फैक्स:** 011-24366039, **rd.north@mca.gov.in**
कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय
विसु स्टॉकलैण्ड प्राईवेट लिमिटेड CIN: U67170DL1999PTC098788,
पता: ए-2/50, प्रथम तल, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली डीएल 110029 आईएन,
ईमेल आईडी: kpsjgroup@gmail.com, मोबाईल: 9426011185
निदेशक मंडल के आदेश से
विसु स्टॉकलैण्ड प्राईवेट लिमिटेड के लिए
कीर्ति विकास अगरवाल
निदेशक (DIN No.: 00889921)
तिथि: 4.7.2019
स्थान: नई दिल्ली

मणिपुर में सेना ने तबाह किया नगा उग्रवादी गुट का गुप्त ठिकाना

एनएससीएन (आइ-एम) के गुप्त ठिकाने से बरामद उग्रवादियों के सामान एवं हथियार।

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

सेना ने मणिपुर में नगा उग्रवादी समूह नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (इसाक-मुइवा) या एनएससीएन (आइ-एम) के एक गुप्त अड्डे को तबाह कर दिया। एक गांव में अवैध वसूली कर रहे इस गुट के कई उग्रवादियों को पकड़ा गया है। दरअसल, उत्तर-पूर्व के सबसे बड़े उग्रवादी समूह कहे जाने वाले इस गुट का केंद्र सरकार के साथ युद्ध विराम करार है और उसे अपने सभी शिविरों के स्थानों की सूचना सेना को देनी होती है। लेकिन इस शिविर की सूचना नहीं दी गई थी।

सेना ने अपने वक्तव्य में कहा है, 'छह जुलाई को मणिपुर के केकरु नागा गांव में सेना के जवानों लारा एनएससीएन (इसाक-मुइवा) एनएससीएन (इसाक-मुइवा) के एक अज्ञात और अनधिकृत ठिकाने का ध्वस्त कर दिया। एनएससीएन (इसाक-मुइवा) कैडरों के लारा केकरु नागा में अड्डा बनाने और जबरन वसूली करने के बारे में पुख्ता सूचनाएं मिली थीं, जिनके आधार पर अभियान चलाया गया।'

सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, सैनिकों को अपने शिविर की ओर देख उग्रवादी समूह के कैडर बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, वर्दी और अन्य सामान छोड़कर भाग गए। सेना ने कहा कि नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (इसाक-मुइवा) के सदस्य सादे कपड़ों में थे और लोगों के बीच छुपने की कोशिश कर रहे थे, तभी हिरासत में ले लिया गया। सैन्य छापेमारी दस्ते ने मौके से 125 राउंड के साथ एक अमेरिकी मूल की एम 16 असॉल्ट राइफल, 26 राउंड के साथ एक सेल्फ-लोडिंग राइफल, कुछ एके सीरीज की असॉल्ट राइफलें और अन्य सामान बरामद किए हैं।

सेना ने कहा कि वह पुलिस, खुफिया एजंसियों, नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि एनएससीएन (आइ-एम) के अनधिकृत ठिकानों की पहचान की जा सके। सेना ने कहा कि मणिपुर में ऐसे अवैध ठिकानों की पहचान करने और उन्हें नष्ट करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उसके कैडरों द्वारा अत्याचार और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए काम किया जा रहा है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की वरिष्ठ नेता शहनाज ने पार्टी से इस्तीफा दिया

जम्मू, सात जुलाई (भाषा)

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) की वरिष्ठ नेता और विधान परिषद की पूर्व सदस्य शहनाज गनई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

सीमावर्ती पुंछ जिले की रहने वाली शहनाज ने शनिवार को एक संक्षिप्त बयान जारी कर नेकां से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह पिछले कुछ समय से पार्टी में असहज महसूस कर रही थी। नेकां के वयोवृद्ध नेता और पूर्व मंत्री गुलाम अहमद गनई की बेटी शहनाज को पीर पंजाल क्षेत्र में अपनी बुलंद आवाज के लिए पहचाना जाता है। वह महिलाओं के अधिकारों को पूरे जोर शोर से उठाती है। वह दिसम्बर 2013 में पंचायत कोटा से जम्मू संभाग से जम्मू कश्मीर राज्य विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुई थी और उन्होंने पिछले वर्ष ही पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा किया था।

शहनाज से संपर्क किए जाने का कई बार प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। हालांकि उनसे जुड़े करीबी लोगों का कहना है कि अपने राजनीतिक भविष्य पर फैसला लेने से पहले वह सभी विकल्पों पर विचार कर रही है।

State Bank of India भारतीय स्टेट बैंक
तनावग्रस्त परिसम्पत्ति वसूली शाखा-II, 18/4, 3रा एवं 4था तल, एसबीआई हाउस, आर्य समाज रोड, करोलबाग, नई दिल्ली-110005,
ईमेल: sbi.51521@sbi.co.in

कब्जा सूचना [नियम 8 (1) के अंतर्गत अचल सम्पत्ति के लिये]

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 एंव 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक ने मांग सूचना प्रत्येक खाता के समक्ष वर्णित तिथि को जारी कर ऋणधारक को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।
ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक, गारन्टरों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे प्रत्येक खता एवं राशि के समक्ष वर्णित तिथि को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।
ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।
विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय वर्णित राशि तथा उस पर ब्याज के लिये भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।
सांकेतिक कब्जे में ली गई सम्पत्ति का विवरण इस प्रकार है:-

ऋणधारक का नाम	गिरवी सम्पत्ति का विवरण	बकाया राशि (जैसा कि धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना में वर्णित है)	मांग सूचना की तिथि	कब्जा की तिथि
ऋणधारक: मै. मा दुर्गा ट्रेडिंग क. एवं श्री राहुल बंसल पुत्र नरेन्दर बंसल	1) मकान सं. 199-ए, मालीवारा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001 2) सभी चालू परिसम्पत्तियों का हाइपोथेकेशन	30.02.2019 को रु. 56,66,767.00 तथा ब्याज एवं अन्य चार्जेज	25.02.2019	05.07.2019

तिथि: 05.07.2019 **स्थान:** गाजियाबाद
हस्ता./-प्राधिकृत अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक

2020 से नए इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने पर रोक की सिफारिश

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

इंजीनियरिंग शिक्षा के गिरते स्तर से चिंतित अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की एक समिति ने साल 2020 से नए इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की मंजूरी पर रोक लगाने की सिफारिश की है। इतना ही नहीं समिति की ओर से नए इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के बारे में हर दो साल बार समीक्षा करने को कहा गया है। इसके अलावा पुराने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में सीटें नहीं बढ़ाने की भी सिफारिश की है। बीआर मोहन रेड्डी की अध्यक्षता वाली एआइसीटीई की समिति ने मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय को 'तकनीकी शिक्षा के लिए लघु एवं मध्यम स्तरीय परिप्रेक्ष्य योजना' संबंधी सौंपी रिपोर्ट में ये सुझाव दिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इंजीनियरिंग संकाय में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर क्षमता उपयोग की स्थिति 2017-18 में 49.8 फीसद है। ऐसी स्थिति में और क्षमता बढ़ाने के लिए कॉलेजों की स्थापना के लिए इमारत, प्रयोगशाला सहित अन्य सुविधाओं के विकास के लिए काफी धन की जरूरत होगी। ऐसे में समिति ने सुझाव दिया है कि 2020 के बाद से नए कॉलेज नहीं खोले जाएं। नए कॉलेज के निर्माण के विषय पर इसके बाद हर दो साल में समीक्षा की जा सकती है। इसमें कहा गया है कि जिन नए कॉलेज के आवेदन पिछले दो सालों और वर्तमान साल में लंबित हैं और उन्होंने ने आधारभूत ढांचा तैयार कर लिया है तो ऐसे कॉलेजों को शुरू करने की इजाजत दी जा सकती है।

समिति ने एआइसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्थानों में पायलट परियोजना के आधार पर 20 राष्ट्रीय क्रियात्मक ज्ञान केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया है। इसमें कहा गया है कि विद्यार्थियों में व्यावहारिक पहल को प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें वास्तविक जीवन से जुड़ी सामाजिक आर्थिक समस्याओं से अवगत होना चाहिए।

PUBLIC ANNOUNCEMENT PURSUANT TO PROVISIONS OF CLAUSES (iv), (v), (vi) AND (ix) OF ANNEXURE A TO SEBI CIRCULAR NO. SEBI/HO/MRD/DSA/CIR/P/2016/110 DATED OCTOBER 10, 2016
POWER INFOTECH LIMITED
Registered Office: 39D, Industrial Area, A.B. Road, Dewas- 455 001, Madhya Pradesh, India
c/o: Level 6, Brilliant Solitaire, Scheme 78, Part 2, Vijay Nagar, Indore - 452010, India
CIN: L31300MP1982PLC001930

This Public Announcement is issued by Mr. Yeshwant B. Singh (Whole Time Director) on behalf of Power Infotech Limited (**"PIL"**). PIL was listed on the Delhi Stock Exchange, Pune Stock Exchange, Jaipur Stock Exchange and Madhya Pradesh Stock Exchange which has been de-recognised by the Securities and Exchange Board of India (**"SEBI"**) and on the Ahmedabad Stock Exchange, which is a non-operational stock exchange. Consequently, PIL has been moved to the Dissemination Board (**"DB"**) of BSE Limited (**"BSE"**). PIL has not been carrying on any business activity since last 15 Financial Years and is a non-operating concern.

Financial and Other Information of PIL

i) Name of the Company: Power Infotech Limited (CIN: L31300MP1982PLC001930)
ii) Registered Office: 39D, Industrial Area, A.B. Road, Dewas- 455 001, Madhya Pradesh, India
c/o: Level 6, Brilliant Solitaire, Scheme 78, Part 2, Vijay Nagar, Indore - 452010, India
iii) Shareholding:
As on March 31, 2019, the equity share capital of PIL was ₹ 3,30,06,000/- represented by 33,00,600 equity shares of ₹ 10/- each. Out of the total 33,00,600 equity shares issued by PIL, 5,83,900 equity shares (17.69%) are held by the promoters, and the balance 27,16,700 equity shares (82.30%) are held by public shareholders.
iv) Summary Financials:
The brief financials of PIL as per its audited financial statements for the last three years were as follows:

Particulars	31.03.2018	31.03.2017	31.03.2016
Turnover	1,11,48,304	-	-
Net Profit / Loss After Tax	47,33,000	(88,00,685)	(22,800)
Paid Up Equity Share Capital	3,30,06,000)	3,30,06,000	3,30,06,000
Reserves and Surplus	(3,30,14,331)	(3,77,47,331)	(2,89,34,646)
Networth	(8,331)	(47,41,331)	40,71,354

The SEBI vide its Circular No. SEBI/HO/MRD/DSA/CIR/P/2016/110 dated October 10, 2016 (**"SEBI Circular"**), has stipulated the procedure and process for exit of Exclusively Listed Companies (**"ELC"**) from the DB. As provided in the SEBI Circular, Keynote Financial Services Limited, a Category I Merchant Banker, has been appointed as Independent Valuer from BSE's panel of expert valuers. The said Independent Valuer, after taking into consideration the applicable valuation methodologies, has issued its Valuation Report dated 24th June, 2019 and has determined the fair value of the equity share of PIL as NEGATIVE and hence restricted to NIL. The said Valuation Report will be available for inspection at the c/o: Level 6, Brilliant Solitaire, Scheme 78, Part 2, Vijay Nagar, Indore - 452010, India during office hours for a period of ten days from the date of this Public Announcement.

Para (ii) of Annexure A to the said SEBI Circular states that in case the fair value determined by the Independent Valuer is positive, the company shall acquire the shares from the public shareholders by paying them such value determined by the Independent Valuer. In the case of PIL, the fair value determined by the Independent Valuer being NIL, the Company will not be acquiring any shares from the public shareholders of PIL, with no attendant liability to make any payment to the said pubic shareholders of PIL. In view of the above, Mr. Yeshwant B. Singh (Whole Time Director) on behalf of PIL will be making an application to BSE post the date of publication of this Public Announcement requesting them to remove the name of PIL, from the DB. I, Mr. Yeshwant B. Singh (Whole Time Director), hereby undertake to redress the grievances of all the public shareholders pursuant to the removal of the name of the company from the said DB.

Place: Indore
Date: July 05, 2019
Sd/-
Yeshwant B. Singh

JAMNA AUTO INDUSTRIES LIMITED
CIN : L35911HR1965PLC004485
Regd. Office: Jai Springs Road, Industrial Area, Yamuna Nagar - 135001, Haryana
Corporate Office: Hotel Novotel & Pullman, Commercial Tower, 5th Floor, Asset Area No. 2, Hospitality District, Aerocity, New Delhi - 110 037
Telephone: +91 11 45504550, Fax: +91 11 45504551
Website: www.jaispring.com
NOTICE

NOTICE is hereby given that the 53rd Annual General Meeting (AGM) of the Company is scheduled to be held on Tuesday, July 30, 2019 at 9:30 a.m. at the Registered Office of the Company at Jai Springs Road, Industrial Area, Yamuna Nagar - 135001, Haryana.
The Company has completed dispatch of Notice of AGM on Saturday, July 06, 2019. Electronic Copies of the Notice of AGM and Annual Report have been sent to all the members whose email id's are registered with the Company/ Depository Participant(s). The same is also available on the website of the Company. Physical copies of the Notice of AGM and Annual Report 2018-19 have been sent to all other members at their registered addresses through permitted mode.
In compliance with the provisions of Section 108 of the Companies Act, 2013 and the Rules made thereunder read with Regulation 44 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the Company is pleased to provide remote E-voting facility to its Members holding shares either in physical or dematerialized form, as on the cut-off date i.e. July 19, 2019 enabling them to cast their votes electronically on the businesses as set forth in the Notice of AGM through remote E-voting system of National Securities Depository Limited ("NSDL") from a place other than the venue of the AGM. The e-voting period commences on July 27, 2019 at 9:00 am and ends on July 29, 2019 at 5:00 pm.
The Members may please note that:

I. Any person who acquires shares of the Company and become member of the Company after dispatch of the Notice of AGM and holding shares as of cut-off date may obtain the Login ID and Password by sending a request at evoting@nsdl.co.in.
II. The facility for voting through ballot paper shall be made available at the AGM.
III. The members who have casted their vote by remote e-voting may also attend the AGM but shall not be entitled to cast their vote again.
IV. The person whose name is recorded in the register of members or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut-off date only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting as well as voting at the AGM through ballot paper.
V. The Notice of AGM is available on the Company's website www.jaispring.com and on NSDL website http://www.evoting.nsdl.com/.
VI. The procedure of electronic voting is provided in the Notice of AGM. In case of any queries pertaining to e-voting, you may refer to the Frequently Asked Questions (FAQs) for Members and e-voting user manual for Members available at the Downloads section of http://www.evoting.nsdl.com/ or contact Mr. Rajiv Ranjan, Assistant Manager, NSDL at the designated emails ID: evoting@nsdl.co.in or rajivr@nsdl.co.in or at following Telephone Nos.: 022-2499 4600 / 022-24994738.

The entry to the meeting venue will be regulated by Attendance Slips, which have been sent along with the Notice of AGM to the Members. Members who have received Attendance Slips by electronic mode are requested to print the Attendance Slip and submit a duly filled in Attendance Slip at the registration counter to attend the AGM. Please note that duplicate Attendance Slips will not be issued.
Pursuant to the provisions of Section 91 of the Companies Act, 2013 and the rules made thereunder read with Regulation 42 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, notice is further given that the Register of Members and Share Transfer Books of the Company shall remain close from Monday, July 22, 2019 to Tuesday, July 30, 2019 (both days inclusive) for the purpose of AGM and payment of final dividend, if approved at the AGM.

For Jamna Auto Industries Limited
Sd/-
Praveen Lakhera
Company Secretary & Head Legal
Place: New Delhi
Date: July 07, 2019

महंगाई का ईंधन

इस बार बजट से आम लोगों को उम्मीद तो यह थी कि सरकार मध्यम वर्ग और गरीब तबके का खयाल रखेगी और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी जिससे लोगों पर महंगाई का बोझ पड़े। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उलटे लोगों को बजट ने निराश ही किया। किसी तरह की राहत देना तो दूर, सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर जिस तरह से उप कर लगाया, वह हैरत में डालने वाली बात है। सरकार जब-जब पेट्रोल और डीजल महंगा करती है तो इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने का तर्क ही दिया जाता है। लेकिन अभी तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम काफी नीचे हैं। ऐसे में यह एक तरह से सरकार का जनविरोधी कदम कहा जाएगा। गरीब के लिए तो महंगाई से बड़ी कोई मार नहीं होती। ऐसे में पेट्रोल और डीजल महंगा होने का मतलब है हर चीज महंगी होना। दूध, फल-सब्जी से लेकर रोजमर्रा के काम में आने वाली सारी चीजों के दाम बढ़ जाएंगे। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं महंगी हो जाती हैं। ऑटो, टेंपो तक का भाड़ा बढ़ जाता है। ढुलाई महंगी होने का असर साफ दिखने लगता है। हालांकि वित्त मंत्री ने यह भरोसा दिया है कि पेट्रोल और डीजल महंगा होने का लोगों पर कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा और महंगाई काबू में रहेगी। लेकिन व्यवहार में ऐसा संभव होता नहीं है। हकीकत तो यह है कि लोग हार कर महंगाई की मार झेलने को मजबूर होते हैं।

पेट्रोल और डीजल पर उप कर लगाना आमजन की जेब से पैसा निकालने की दिशा में उठा कदम है। इस बार बजट में सड़क और ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं पर खासा जोर है और इसके लिए सरकार को अगले पांच साल में सौ लाख करोड़ रुपए चाहिए। इसके लिए पैसे जुटाने का एक उपाय पेट्रोल और डीजल पर उप कर लगाना भी है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने तो कहा भी है कि देश में सड़क, बिजली, पानी, रेलवे, गरीबों को एलपीजी मुहैया कराने, गरीबी दूर करने से जुड़े कार्यक्रम शुरू करने और ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारी रकम की जरूरत है और कर के रूप में मिलने वाले इस पैसे का उपयोग इन्हीं कामों में होगा। समस्या यह है कि कर संग्रह, खासतौर से जीएसटी संग्रह के मामले में सरकार निर्धारित लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाई है। भारत में आज भी आबादी का बड़ा हिस्सा कर नहीं दे रहा है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल पर कर लगाना एक तरह से जनता पर सीधा कर थोपना है।

सरकार इस बात को भलीभांति समझती है कि आमजन खाना-पीना बंद नहीं करेगा, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग भी करेगा ही। भारत में वाहनों का उपयोग करने वालों की तादाद करोड़ों में है। ऐसे में पेट्रोल खरीदना तो कोई बंद करेगा नहीं। इसलिए जनता की जेब से पैसे खींचने का सबसे बढ़िया रास्ता पेट्रोल और डीजल महंगा करना है। पिछले साल जब पेट्रोल जब अस्सी रुपए के पार चला गया था तब नीति आयोग ने एक बड़ा और महत्त्वपूर्ण सुझाव दिया था। आयोग का कहना था कि अगर केंद्र और राज्य सरकारें अपना खजाना भरने का लालच छोड़ दें तो पेट्रोल-डीजल के दाम नीचे लाए जा सकते हैं। पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क जैसे कर थोपने का जो अधिकार राज्यों और केंद्र के पास है, उसमें सरकारों को उदारता दिखानी चाहिए। जाहिर है, सरकारें अपनी कमाई के लिए जनता पर बोझ डाल रही हैं।

जड़ता का जहर

बीते एक हफ्ते के भीतर उत्तर से लेकर दक्षिण भारत के राज्यों से झूठी शान के नाम पर हत्या की चार घटनाएं सामने आईं हैं। साफ है कि आधुनिकता और न्याय आधारित समाज बनाने के दावे के बीच महिलाओं को बराबरी और सम्मान की जगह देने के मामले में हम एक समाज और व्यवस्था के रूप में किस कदर नाकाम हुए हैं। तमिलनाडु के थुत्तुकुडी में अंतरजातीय विवाह करने के बाद तीन महीने की गर्भवती युवती और उसके पति की झूठे सम्मान के नाम पर हत्या कर दी गई। इस आरोप में युवती के पिता को गिरफ्तार किया गया है। पिछले हफ्ते ही कोयंबटूर से भी एक दंपती की इसी वजह से हत्या की खबर आई थी। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के इटावा और जेवर से भी दो दिनों के भीतर दो ऐसी घटनाओं की खबरें सामने आई हैं, जिनमें अपनी मर्जी से प्रेम या फिर विवाह करने की वजह से लड़की को उसके परिवार वालों ने मार डाला। प्रेम और विवाह के मामले में पारंपरिक मान्यताओं से इतर अपनी मर्जी से कदम बढ़ाने को इज्जत जाने के रूप में देखना और इसके लिए अपनी संतानों की हत्या कर देने की ये कोई नई घटनाएं नहीं है। मगर आजादी के सात दशक बाद हो रही ऐसी घटनाएं बताती हैं कि आज भी हमारा समाज किन मध्ययुगीन सामंती मूल्यों को ढो रहा है। इससे यह भी साफ है कि 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' से लेकर स्त्री सशक्तिकरण के तमाम कार्यक्रमों की कामयाबी अभी कितनी दूर है।

परंपराओं की जड़ता हमारे सामाजिक विकास के रास्ते में इस कदर एक बाधक तत्त्व बन कर सामने खड़ी है कि एक पिता सिर्फ इस बात के लिए अपनी बेटी और उसके जीवन साथी की हत्या कर दे सकता है कि उन्होंने जातिगत दायरे को तोड़ कर प्रेम और विवाह कर लिया। ऐसी हत्या करने वाले को न इंसान होने की बुनियादी शर्त को समझना जरूरी लगता है, न उसे कानून का डर सताता है। सवाल है कि आखिर वे कौन-सी वजहें हैं जिनके चलते आज भी बहुत सारे लोग यह समझने के लिए तैयार नहीं हो रहे कि न केवल संवैधानिक व्यवस्था के तहत किसी बालिग युवक या युवती को अपनी पसंद से प्रेम और विवाह का अधिकार है, बल्कि यह एक सभ्य समाज का तकाजा भी है कि किसी वयस्क स्त्री या पुरुष के अपनी जिंदगी के बारे में लिए गए निजी फैसलों का सम्मान किया जाए। माता-पिता या अभिभावक होने के नाते अपने बच्चों का खयाल रखना और उनसे अपने प्रति संवेदना की अपेक्षा करना गलत नहीं है। लेकिन सिर्फ इसी वजह से उनके जीवन को संचालित करने या उन पर कब्जे को अपना अधिकार मानना और इसमें अड़चन आने पर अपने ही बच्चे को मार डालना अपराध और पिछड़ी हुई सामंती सोच का परिचायक है।

विडंबना यह है कि आधुनिकता और विकास के चकाचौंध के नाम पर बाहर से दिखने वाले बदलाव तो चारों तरफ आम हो गए, लेकिन इनके वास्तविक मूल्यों के बारे में समझना जरूरी नहीं समझा गया। हमारा समाज अब तक जिन सामंती मूल्यों के साथ जीता रहा है, उसके साथ अगर केवल दिखावे की आधुनिकता और विकास का घालमेल होता है तो वह शायद ज्यादा घातक होता है। एक ओर जाति की झूठी हैसियत से जुड़ी अमानवीय मानसिकता और दूसरे, बेटी को अपनी इज्जत का पर्याय मान लेना किसी भी समाज के जातिवादी और पुरुष वर्चस्व की मानसिकता में जीने का ही सबूत है। बेटी के अपनी पसंद से प्रेम या विवाह करने पर उसे मार डालना झूठी शान की आड़ में की गई क्रूर हत्या ही है, जिसका कोई भी सभ्य और संवेदनशील समाज विरोध करेगा।

कल्पमेधा

कविता मन की वह इच्छा है, जो हृदय को आह्लादित कर देती है।
– ख़लील जिब्रान

अवसाद के रिसते जख्म

मनीषा सिंह

पारंपरिक रूप से परिवार को अहमियत देने वाले भारतीय समाज में अकेले पड़ते युवाओं का यह संकट असल में हमारी सामाजिक व्यवस्था के खोखलेपन को जाहिर कर रहा है। ऐसा लग रहा है कि समाज में अब परस्पर वास्तविक संवाद के अवसर कम हो रहे हैं जिसमें लोग अपने मन की बातों को दूसरों से साझा करते थे और जिससे उनका तनाव कम होता था और सामाजिक रूप से उन्हें संबल मिलता था।

मोटापा, टीबी, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों को पीछे छोड़ते हुए अवसाद देश में नई महामारी के रूप में पैर पसार रहा है। अवसाद ग्रस्त व्यक्ति खुद और अपने परिवार के लिए समस्या बनता है। पर ज्यादा खतरा तब पैदा होता है जब अवसादग्रस्त व्यक्ति अपने दायरों से बाहर जाकर बाहरी समाज में ऐसे कृत्य करने लगता है जिसके घाव कई परिवार झेलते हैं। राजधानी दिल्ली में पिछले दिनों एक अवसादग्रस्त शिक्षक ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को मार डाला। अवसाद में लोग खुदकुशी कर रहे हैं। इस तरह की घटनाओं से तो यही साबित हो रहा है कि समाज का बड़ा हिस्सा अवसाद जैसी गंभीर बीमारी की जद में न आ जाए।

अगर आंकड़ों में देखें तो आज देश के हर बीस व्यक्तियों में से एक अवसाद का शिकार है। बंगलुरू स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज ने कुछ समय पहले वर्ष 2015 में कराए गए एक सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक 2015 में अवसाद के तीन करोड़ पैंतीस लाख नए मरीजों ने देश के अलग-अलग अस्पतालों में पंजीकरण कराया था। वर्ष 2014 के आंकड़ों की तुलना में इस संख्या में ग्यारह लाख यानी चौदह फीसद नए मरीजों का इजाफा हुआ। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि अवसाद के मरीजों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। अवसाद को लेकर गंभीरता का यह एक पहलू है जिससे साबित होता है कि अब बहुत से लोग इसे छिपाने की बजाय उसके इलाज की कोशिश करने लगे हैं। यह भी सच है कि खासतौर से शहरों में मनोचिकित्सकों की संख्या बढ़ी है।

लेकिन दो बड़ी समस्याएं हैं। पहली तो यह कि अवसाद के इलाज की जिम्मेदारी ज्यादातर मामलों में व्यक्तिगत मानी जाती है। यानी जो इसका शिकार है, अगर समझ पाए तो उसके इलाज की व्यवस्था करे। दूसरी समस्या यह कि अवसाद से निपटने की कोई खास योजना सरकार के पास नहीं है। देश भर में मनोचिकित्सा के सरकारी केंद्रों की बात करें तो उनकी संख्या अभी पचास को भी पार नहीं कर पाई है। इसमें पंजाब, नगालैंड, दिल्ली और गोवा जैसे राज्यों में महज एक-एक सरकारी चिकित्सा केंद्र है। यही नहीं, मानसिक बीमारियों के इलाज के सरकारी और निजी अस्पतालों की संख्या भी पूरे देश में एक हजार भी नहीं है।

ऐसा नहीं है कि अवसाद सिर्फ भारत की समस्या है। दुनिया के कई मुल्क इससे जूझ रहे हैं। अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे विकसित देश भी अवसाद को बड़ी समस्या मानते हैं और इसके लिए वहां बाकायदा जागरूकता के कार्यक्रम चलाए जाते हैं और इलाज की पुख्ता व्यवस्था सरकारी स्तर पर भी की जाती है। अगर संख्या की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में पैंतीस करोड़ लोग अवसादग्रस्त हैं।

अवसाद के कारणों को समझना और उसके इलाज की व्यवस्था करना जरूरी हो गया है। अवसाद के प्रमुख कारण बेरोजगारी या नौकरी की कुंठा और परिवार में सदस्यों का सामंजस्य नहीं बैठ पाना है। दो साल पहले की घटना है जब नौकरी से असंतुष्ट रहने वाले एक शख्स ने अपने कुछ साथियों की हत्या कर दी थी। पांच साल पहले वर्ष 2014 में तेलंगाना में अवसाद से पीड़ित एक युवक ने तलवार से बाईस लोगों को घायल कर दिया था और उस पर काबू पाने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी थी, जिसमें वह मारा गया था। ऊपरी तौर पर वह युवक नौकरी से संतुष्ट कहा जा सकता था, क्योंकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर वह डेढ़ लाख रुपए वेतन पा रहा था। लेकिन नौकरी के दबावों के चलते वह सिविल सेवा परीक्षा में सफल नहीं पा रहा था और इस वजह से वह अवसादग्रस्त हो गया था। बेरोजगारी और नौकरी की ऊंच-नीच कितनी घातक साबित हो रही है, इस बारे में एक तथ्य वर्ष 2014 में तत्कालीन गृह राज्यमंत्री ने संसद में रखा था। उन्होंने बताया था कि वर्ष 2014 में रोजगार संबंधी समस्याओं के चलते रोजाना करीब तीन लोगों ने आत्महत्या की। वर्ष 2014 में व्यवसाय और रोजगार से जुड़ी समस्याओं के कारण घोर निराशा में घिरे नौ सौ तीन लोगों ने आत्महत्या की थी। अवैध संबंधों के संदेह में या समाज में बदनामी के कारण और प्रेम प्रसंगों में मिली नाकामी की वजह से भी हर साल कई हजार युवा मौत को गले लगा रहे हैं। पर रोजगाररत लोग भी आत्महत्या कर लें या अवसाद में दूसरों की जान लेने की हद तक चले जाएं, तो यह हमारे समाज के लिए चिंता की बात है। अवसाद में घातक कदम उठाने की प्रवृत्ति महिलाओं के मुकाबले पुरुष में ज्यादा हैं और इनमें भी युवाओं का प्रतिशत सबसे ज्यादा है। इससे जुड़ी एक विडंबना यह भी है कि आत्महत्या का प्रतिशत देश के विकसित कहे जाने वाले राज्यों में ज्यादा है, जैसे- पंजाब व हरियाणा में आत्महत्याओं का प्रतिशत देश के औसत से कहीं ज्यादा है। जीवन के ऊंचे लक्ष्यों को पाने की होड़ के कारण भी युवाओं में हताशा का भाव और अवसाद पैदा हो रहा है।

हालांकि समाजशास्त्री इसके पीछे कुछ और कारणों को जिम्मेदार मानते हैं। उनके मत में युवाओं की हताशा का एक कारण यह भी है कि वे अपनी महत्त्वाकांक्षाओं और कठोर यथार्थ में सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। आधुनिक जीवनशैली और नई संस्कृति की चमक-दमक उन्हें लुभाती है, लेकिन उसके लिए संसाधन जुटा पाने का मौका उन्हें हमारी व्यवस्था में सहज ढंग से नहीं मिल पाता है। जिस तरह से हर तीन आत्महत्याओं में एक पंद्रह से उनतीस वर्ष के युवा कर रहे हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि देश के युवा समाज के लिए यह खतरनाक है। यह समाज के लिए खतरे की घंटी है।

यह तो तय है कि बाहरी समाज यह पता नहीं कर सकता कि हर व्यक्ति के मन में क्या चल रहा है। लेकिन जो परिवार और समाज ऐसे मानसिक रोगियों के करीब होता है, उसे बेरोजगारी और पारिवारिक तनावों के चलते कुंठाग्रस्त और हताश लोगों की जानकारी पहले से हो जाती है। उन्हें यह आशंका भी सताने लगती है कि ऐसे लक्षण दिखा रहा व्यक्ति कहीं किसी दिन ऐसा हंगामा खड़ा नहीं कर दे, जिससे पूरे समाज को दिक्कत हो जाए। लेकिन इसके बावजूद वहां ऐसी कोई गंभीर कोशिश नहीं होती जिससे ऐसी घटनाएं वक्त रहते रोकी जा सकें। यही वजह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार होती रहती हैं। पारंपरिक रूप से परिवार को अहमियत देने वाले भारतीय समाज में अकेले पड़ते युवाओं का यह संकट असल में हमारी सामाजिक व्यवस्था के खोखलेपन को जाहिर कर रहा है। ऐसा लग रहा है कि समाज में अब परस्पर वास्तविक संवाद के अवसर कम हो रहे हैं जिसमें लोग अपने मन की बातों को दूसरों से साझा करते थे और जिससे उनका तनाव कम होता था और सामाजिक रूप से उन्हें संबल मिलता था। नौकरी या प्रेम में असफलता जैसी चीजें पहले भी रही हैं पर पहले युवा इतनी जल्दी जिंदगी से उकता नहीं जाते थे। इसलिए यह देखना और समझना होगा कि देश के एक हिस्से में बढ़ती संपन्नता भी युवाओं के अकेलेपन, दुख और तनाव को कम क्यों नहीं कर पा रही है।

विश्वास के संकेतक

अनानास कुमार

दुनिया मेरे आगे

सरकारी स्कूलों में शिक्षा से जुड़े काम के दौरान आजकल बहुत सारे उन शिक्षक साथियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मिलना जुलना हो रहा है जो अपने प्रारंभिक विद्यालयों में सेवा भाव से स्कूली शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। शिक्षकों के इन तमाम प्रयासों के बावजूद इनके स्कूलों में बच्चों की लगातार घट रही संख्या इनका न केवल मनोबल तोड़ रही है, बल्कि इनके धैर्य की परीक्षा लेने की भी कोशिश करती है।

सरकारी स्कूलों के लिए तो समाज अपने स्तर और तरीकों से बच्चों के द्वारा सीखे ज्ञान की जांच करता रहता है। मसलन, कई बार बच्चों से कुछ पढ़वा लेना, कुछ लिखने के लिए कह देना और किसी बातचीत में शामिल कर लेना आदि। एक स्कूल में प्रधान शिक्षक ने बताया कि एक बार जब उनके बच्चे स्कूल की छुट्टियों से घर जा रहे थे तो रास्ते मे पान की गुमटी पर कुछ लोग खड़े थे, जिनकी यह पूर्व धारणा थी कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती है। लोगों ने स्कूल से आ रहे एक बच्चे को रोक कर उससे कुछ पूछा और फिर एक विज्ञापन पढ़ने की चुनौती देते हुए यह कहा कि अगर तुम इसे पढ़ दोगे तो बदले में तीन पैकेट बिस्कुट और टॉफी मिलेगी। वे सभी इस बात से आश्वस्त थे कि सरकारी स्कूल का बच्चा यह विज्ञापन नहीं पढ़ पाएगा। बच्चे ने पूरे विज्ञापन को पढ़ डाला और बदले में बिस्कुट और टॉफियां प्राप्त कर ली। इस घटना से वहां के समाज में उस सरकारी स्कूल की छवि को बेहतर करने में काफी मदद मिली और लोगों का नजरिया बदला।

स्कूल समाज का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा होता है। विद्यालयी पाठ्यचर्या की राष्ट्रीय रूपरेखा 2005 में यह कहा गया है कि गांव में स्कूल नहीं होना चाहिए, बल्कि स्कूल में गांव होना चाहिए। इसके अलावा, यह दस्तावेज स्कूल के दरवाजों को समुदाय के लिए खोल दिए जाने की वकालत भी करता है। यानी यहां स्कूल और समुदाय के मजबूत जुड़ाव की बात कही गई है। स्कूल का समुदाय से जुड़ाव उसे कई मायने में मजबूती प्रदान करता है। दरअसल, जब समुदाय को वहां स्थापित स्कूल के 'अपने' होने का अहसास हो जाता है, तब वह अपने स्तर से वहां शिक्षकों को सहयोग, स्कूल की देखभाल और स्कूली गतिविधियों में शामिल होने जैसी प्रक्रिया को अपना लेता है। अपने अनुभव सुनाने के दौरान एक शिक्षक साथी ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन समिति की मासिक बैठक में जब स्कूल को प्राप्त अनुदान को साझा करने जैसी कोशिश की तो शुरू में लोगों को विश्वास दिलाने में थोड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वे इस पूर्वाग्रह से ग्रसित थे कि सरकारी स्कूलों में काफी पैसा आता है और अध्यापक गोलमाल कर जाते हैं। लेकिन उस शिक्षक साथी की कोशिशों के बाद यह काम आसान हो गया और उन्हें समुदाय के साथ मिल कर निर्णय लेने में काफी सहजता होने लगी। समुदाय से जुड़ाव ने उनके लिए अच्छा काम किया और समुदाय आबंटित बजट में स्कूल के लिए बेहतर सुविधा जुटाने में मदद करने लगा।

स्कूल के विभिन्न घटकों और प्रमुख रूप से मानव संसाधनों के बीच का आपसी समन्वय न केवल विद्यालय को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि समाज को विश्वास का एक बेहतरीन संकेतक भी प्रदान करता है। इसके लिए जरूरी है कि शिक्षक साथियों, अभिभावकों और भोजन माताओं के बीच बेहतर समन्वय हो, ताकि बच्चों का सीखना और गुणवत्ता युक्त भोजन सुचारु रूप से चलता रहे। दरअसल, स्कूल में शिक्षकों का आपसी समन्वय उन्हें मिल-जुल कर सीखने में मदद करता है और शिक्षा के सामाजिक परिप्रेक्ष्य को भी जोड़ता है।

सीखने की चाह, संसाधनों के जुगाड़, संरक्षण और बुद्धिमता से उपयोग में काफी मदद करता है। इस बात को साझा करने के पीछे मुख्य बात यह है कि जब तक स्कूलों में संसाधन नहीं होंगे, सीखने की प्रक्रिया के भी सही तरीके से होने में संशय बना रहेगा। इन संसाधनों के संदर्भ में व्यावहारिक अनुभव यह रहे हैं कि कुछ संसाधन देने की प्रमुख जिम्मेदारी जहां सरकार की होती है, वहीं इसको संभालने की जिम्मेदारी समुदाय की होती है। मसलन, अगर सरकार ने स्कूल का भवन निर्माण करवा दिया है तो फिर उसके रखरखाव की जिम्मेदारी उस विद्यालय के समुदाय की होगी। अगर समुदाय इस कार्य में सहयोग नहीं करेगा तो आए दिन स्कूल से सामान चोरी होने या नुकसान की खबरें मिलती रहेंगी। जबकि जब समुदाय शामिल होता है तो कई बार वह अपनी तरफ से भी योगदान कर बेहतर संसाधनों की व्यवस्था कर देता है।

दरअसल समाज से स्कूलों के दुराव ने अविश्वास की खाई बनाने और बनी खाई को गहरा करने का काम किया है। इन दोनों को पाटने वाली विभागीय स्थितियां भी कम ही क्रियाशील दिखती हैं। इसकी वजह से हुआ यह है कि समाज का विश्वास सरकारी स्कूलों पर से लगभग उठ चुका है। लेकिन अगर इन स्कूलों के साथी बच्चों के सीखने का सुदृढ़ प्रमाण ठोस रूप से समाज में रख पाएं तो समाज निश्चित रूप से विश्वास के अन्य संकेतकों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय की खोती अस्मिता को बचाने के लिए न केवल आगे आएगा, बल्कि हर तरह से स्कूलों की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

असुरक्षित महिलाएं

देश में महिलाओं की सुरक्षा के कई कानून बनाए जा चुके हैं। यहां तक कि अगर महिला किसी मामले में आरोपी भी हो तो भी उससे विशेष अधिकार दिए गए हैं, ताकि कानून के नाम पर महिलाओं का शोषण न हो। लेकिन इन कानूनों की जमीनी हकीकत किसी से छुपी नहीं है। आए दिन हम अखबारों में, सोशल मीडिया पर, टीवी पर तमाम ऐसी घटनाएं देखते हैं जिन्हें देख कर हम यकीन ही नहीं कर सकते कि ये सब हमारे देश में हो रहा है। क्योंकि हमारे देश में युगों से ही महिलाओं को सम्मान दिया जाता रहा है। लेकिन हैवानियत की सोच रखने वाले कुछ दरिंदों की वजह से पूरा समाज कलंकित हुआ है। देश में दुराचार की घटनाएं आए दिन अखबारों और चैनलों की सुर्खियां बनती हैं। वहीं पिछले कुछ दिनों से बेहद शर्मनाक वीडियो भी वायरल हुए हैं, जिनमें आपराधिक तत्व महिलाओं को पीटते हुए दिखाई देते हैं। ऐसा ही एक वीडियो उत्तर प्रदेश पुलिस का भी सामने आया जिसमें कुछ पुलिस वाले एक महिला को बेल्टों से पीट रहे हैं और गालियां दे रहे हैं। ऐसी घटनाएं सामने आने के बाद महिलाए कैसे अपने को सुरक्षित महसूस कर सकती हैं? इसी तरह एक अन्य वीडियो में अमृतसर में सत्तापक्ष से संबंध रखने वाले कुछ लोगों ने एक महिला को घसीटते हुए सरेआम पीटा।

ये तो महज कुछ मामले हैं जो सामने आ गए। ऐसे न जाने कितने मामले देश भर में होते हैं जो सामने नहीं आ पाते। ऐसी स्थिति में हम कानून को बिल्कुल बेबस पाते हैं। ऐसे में लगता है कि कानून महज कुछ ताकतवर लोगों की कठपुतली बन कर रह गया है। अगर कानून इसी तरह से बेबस और लाचार रहा तो इस तरह की घटनाएं समाज को रस्ताल में ले जाएंगी।

• मोहन लाल सोलंकी , रामसरा

हमलावरों को सजा मिले

जिस तरह तेलंगाना में महिला वन अधिकारी पर हमला किया गया, उससे तो यही सवाल उठता है कि भारत में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। जिस तरह आए दिन बलात्कार और महिलाओं को पीटने का सिलसिला चल रहा है, उससे तो यही लगता है कि भारत सरकार की 'बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ' योजना नाम के लिए है। इस महिला अधिकारी को टीआरएस विधायक के भाई की अगुवाई वाली भीड़ ने जिस तरह पीटा, वह मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। अगर इसी तरह घटनाएं महिलाओं के साथ होती रहीं तो महिलाओं का आत्मविश्वास टूट जाएगा। यह भविष्य के भारत के लिए अच्छा संकेत नहीं हैं। किसी भी सभ्य समाज का निर्माण महिलाओं के द्वारा ही होता हैं। अगर सभ्य समाज का निर्माण नहीं होगा तो सभ्य भारत का निर्माण नहीं होगा। इसलिए तेलगांना सरकार और केंद्र सरकार ऐसे दोषियों को सख्त से सख्त सजा दे।

• संस्कृति चौधरी, सहरसा

संवेदनहीनता का परिणाम

कहते हैं दुर्घटनाएं सबक देकर जाती हैं। पर क्या सच में? आज का समाज दुर्घटना को कुछ समय तक तो याद रखता है, परंतु गुजरते वक्त के साथ-साथ भुला भी देता है। हादसों के बाद सांत्वना देना, संवेदना प्रकट करना और गुस्से से खून खौलना तो जैसे आम है, परंतु यह खून जल्द ही ठंडा भी हो जाता है। ऐसा कब तक चलेगा, कब तक हम इतने असंवेदनशील बने रहेंगे। प्रत्येक दुर्घटना किसी न किसी लापरवाही के कारण ही होती है और अपनी गलती को न मानते हुए हम एक दूसरे पर ही आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं, सरकार को कोसते हैं, पुलिस प्रशासन को नकारा बताते हैं। परंतु वास्तविकता तो ये है कि हम बलात्कार, चोरी, तेजाब हमले, भीड़ हत्या जैसी बड़ी-बड़ी घटनाओं के बाद भी चेत नहीं रहे हैं। और हमारी यही लापरवाही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देती है। सरकार और प्रशासन तो अपना काम करता है और करेगा भी। परंतु हमें भी सतर्क और जागरूक रह कर देश, शहर, घर और परिवार को सुरक्षित रखना होगा।

• एकता, आंबेडकर कॉलेज,दिल्ली विवि

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

योजना और भ्रष्टाचार

देश में गरीबों के लिए चलने वाली अहम योजनाओं में खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम को भ्रष्टाचार के चंगुल से बचाना एक चुनौती है। सरकारी योजनाओं में घुस चुके भ्रष्टाचार के वायरस ने योजनाओं को बीमार बना दिया है। इसमें कोई शक नहीं कि जिम्मेदार लोगों को इस योजना की पूरी परवाह है, मगर शातिरों के सामने सारी सावधानियां बेअसर हो जाती हैं। यह भी सच्चाई है कि अभाव में जी रहे गरीबों की आवाज इतनी बुलंद नहीं होती कि ऊंचे पदों पर बैठे लोगों तक फरियाद पहुंच सके। खाद्य सुरक्षा योजना की गड़बड़ियों के रोकथाम के लिए परिवर्तनीय राशन डीलरशिप सहित संबंधित अधिकारियों का मियादी बदलाव जरूरी है। भारतीय सतर्कता आयोग का सरकारी क्षेत्रों में लागू होने वाला आदेश खाद्य सुरक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर भी प्रभावी साबित हो सकता है। दूसरी तरफ महिला समितियों में डीलरशिप का रोटेशन नारी सशक्तिकरण को नया आयाम देने में सक्षम है। इन उपायों से शायद अच्छा विकल्प तैयार हो सके।

• एमके मिश्रा, रांची

पर्यावरण और दायित्व

पर्यावरण की समस्या आज भारत की ही नहीं, अपितु पूरी दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है। विकास की सीढ़ियां चढ़ने में हम इतने लीन हो गए कि हमने वृक्षों को काट डाला, जंगल उजाड़ डाले, पेड़ लगाने बंद कर दिए, झीलों को पाट कर मॉल बना दिए। प्रदूषण की चिंता किए बिना हमने प्लास्टिक का प्रयोग किया और अपने पैरों पर ही कुल्हाड़ी मार ली। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21(प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण) के तहत प्रत्येक सरकार का यह दायित्व बनता है कि वह अपने नागरिकों को स्वस्थ एवं स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराए। यह नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इसके साथ ही अनुच्छेद 51 (क) के तहत प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करना भी हमारा मौलिक कर्तव्य है। अपने मौलिक अधिकारों के लिए सदैव सजग रहने वाले हम भारतीय कर्तव्यों को निभाने में बहुत पीछे रह जाते हैं जिसके भयावह परिणाम आज सबके सामने हैं। पर्यावरण को बचाना केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है, यह एक सामाजिक कर्तव्य है कि जिस समाज में हम सांस लेते हैं उसे सर्वप्रथम सांस लेने योग्य बनाए रखा जाए।

• मुकुल सिंह चौहान, दिल्ली

खबर कोना

भद्रवाह में लगा पर्यटकों का तांता

भद्रवाह (जम्मू-कश्मीर), 7 जुलाई (भाषा)।

जम्मू क्षेत्र में डोडा जिले के खूबसूरत शहर भद्रवाह में इन दिनों पर्यटकों का तांता लगा हुआ है। पिछले 20 दिनों के दौरान यहां रेकार्ड 2.10 लाख पर्यटकों के आगमन की वजह से, पर्यटन से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिली, जो पर्यटन सत्र की धीमी शुरुआत को लेकर चिंतित थे। भद्रवाह से 49 किलोमीटर दूर अंतरराज्यीय भद्रवाह-चंबा मार्ग पर समुद्र तल से 11 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित मनमोहक घास का मैदान 'पादरी धर' पर्यटकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है।

मतदान

एथेंस में बच्चे के साथ महिला मत का प्रयोग करतीं हुईं।

केंद्र ने वर्षा जल संचयन प्रकोष्ठ बनाने को कहा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

केंद्र ने सभी स्थानीय निकायों से कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कम से कम एक जल स्रोत को पुन:जीवित करने और बारिश के पानी के संचयन पर प्रभावशाली तरीके के नजर रखने के लिए एक प्रकोष्ठ गठित करें। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने शहरी जल संरक्षण के लिए दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा है कि नगर निगमों के वर्षाजल संचयन प्रकोष्ठ भूजल निकालने तथा कम से कम एक जलस्रोत को पुन:जीवित करने पर नजर रखेंगे। लोगों की जानकारी के लिए इससे संबंधी सूचना मुख्य स्थानों पर प्रदर्शित की जानी चाहिए।

मूक बधिर बच्ची पहुंची माता-पिता के पास

जम्मू, 7 जुलाई (भाषा)।

जम्मू कश्मीर में पांच साल की एक मूक बधिर बच्ची अपने परिवार के पास पहुंच गई। वह यहां एक कॉलोनी के पास अकेली मिली थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि नितिया शनिवार को यहां पुलिस आवासीय कॉलोनी के मुख्य द्वार के पास मिली थी। उसके माता-पिता मध्य प्रदेश के हैं और यहां चन्नी हिम्मत इलाके में किराए के मकान में रहते हैं। पुलिस ने बताया कि नितिया से जब उसके माता-पिता के बारे में पूछा गया तो वह बोल नहीं पा रही थी। इसके बाद उसे चिन्नी थाने ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि एसएचओ ने जिले की सभी पुलिस इकाई को गुमशुदा बच्ची के बारे में तत्काल सूचित किया और उसके माता-पिता का सत्यापन शुरू किया। उन्होंने बताया कि पुलिस को बाद में बच्ची के माता-पिता मिल गए।

'नल से हर घर जल' में संसाधनों के सदुपयोग पर देना होगा बल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

- विशेषज्ञों का कहना है कि देश के बड़े भूभाग में हर साल जल संकट उत्पन्न होने, भूजल स्तर लगातार नीचे जाने और पानी के पारंपरिक स्रोतों के धीरे धीरे नष्ट होने के कारण जलापूर्ति की चुनौती बढ़ गई है

देश के प्रत्येक परिवार को 2024 तक 'नल से जल' मुहैया कराने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। हालांकि देश में भूजल के लगातार गिरते स्तर के बीच प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की आपूर्ति की मात्रा तय करना, जलस्रोतों एवं उनकी रिचार्ज क्षमता का पता लगाना एवं वाटर टेबल के अनुरूप तकनीकी जानकारी जुटाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि देश के बड़े भूभाग में हर साल जल संकट उत्पन्न होने, भूजल स्तर लगातार नीचे जाने और पानी के पारंपरिक स्रोतों के धीरे धीरे नष्ट होने के कारण चुनौती बढ़ गई है। ऐसे में सरकार को 'जल जीवन मिशन' को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए न सिर्फ बजटीय आबंटन बढ़ाना होगा बल्कि इस क्षेत्र में निजी निवेश को भी प्रोत्साहित करना होगा। 2011 की जनगणना के मुताबिक देश के कुल 24 करोड़ परिवारों में से 7 करोड़ परिवार ही शोधित जल हासिल कर रहे हैं।

बजटीय दस्तावेज के मुताबिक, ग्रामीण परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 2019-20 में लगभग 27 लाख जलस्रोत की प्रयोगशाला में जांच की जानी है । इस अवधि में 7000 बसावटों को कवर किया जाना है। हालांकि मंत्रालय ने पाइपयुक्त जल आपूर्ति से कवर होने वाले ग्रामीण परिवारों के संबंध में कोई लक्ष्य सूचित नहीं किया है। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के पूर्व सचिव शशि शेखर का कहना है कि बजट बढ़ाने से ज्यादा जरूरत जल का प्रभावी इस्तेमाल सुनिश्चित करने की है। शेखर ने कहा, 'सरकार ने बजट में जल जीवन मिशन के तहत 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल से पानी उपलब्ध कराने की बात कही है और इसके लिये 10 हजार करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय तय किया है।' उन्होंने कहा कि हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना बड़ी और चुनौतीपूर्ण है। इसके लिए सबसे पहले उन गांव की सूची तैयार करनी होगी जहां पानी पहुंचाना है। साथ ही यह भी तय करना होगा कि पानी कहां से और किन स्रोतों से पहुंचाया जाएगा ।

पूर्व सचिव ने कहा कि इस बात का पता लगाना होगा कि उन जल स्रोतों से कितना पानी रिचार्ज होता है इस बारे में तकनीकी सूचना एकत्र करनी होगी। यह भी तय करना होगा कि सरकार प्रति व्यक्ति प्रतिदिन कितना पानी देना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमें यह देखना होगा कि अगर किसी जलस्रोत का रिचार्ज 100 यूनिट प्रतिदिन है तो कितना पानी जारी करें कि वाटर टेबल नीचे नहीं जाए। शेखर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के तहत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की उपलब्धता 25 लीटर तय की है। अब सरकार को इसी के अनुरूप प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की आपूर्ति की मात्रा तय करनी होगी। यह पूछे जाने पर कि इस योजना के लिए क्या सरकार ने बजटीय आबंटन का ब्योरा उपलब्ध कराया है, शशि शेखर ने कहा कि यह इस सरकार का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है । सरकार ने इस पर 10000.66 करोड़ रुपए खर्च करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि इस योजना के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत धन जुटाने पर जोर हो। जल विशेषज्ञ शंकर आचार्य इस संबंध में देश में बड़े बड़े बांध बनाने के कार्यक्रम का जिक्र करते हैं। उनका कहना है कि वर्ष 2011 तक देश में बड़े-बड़े बांध बनाने और सिंचाई सुविधाओं का ढांचा खड़ा करने पर भारी-भरकम सात लाख करोड़ रुपए निवेश किए गए लेकिन अब तक का अनुभव बताता है कि इन सुविधाओं का प्रभावी उपयोग नहीं हुआ है। उदाहरण के लिए भारत में नहर सिंचाई व्यवस्था का प्रभावी इस्तेमाल 15 से 16 फीसद है ।

गौरतलब है कि बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा था, 'भारत में पानी की सुरक्षा और सभी भारतीयों को साफ पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इस दिशा में एक बड़ा कदम जल शक्ति मंत्रालय का गठन है।' जल जीवन मिशन के तहत 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में 'हर घर जल' के लिए राज्यों के साथ मिलकर मंत्रालय काम करेगा।

बजट में अटल की 'नदी जोड़ो' परियोजना के लिए मात्र एक लाख रुपए

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

सरकार का आम बजट भले ही 27.86 लाख करोड़ रुपए का हो, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वाकांक्षी 'नदी जोड़ो' परियोजना के लिए इसमें मात्र एक लाख रुपए रखे गए हैं। राजग सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में देश की नदियों को आपस में जोड़ने की महत्वकांक्षी योजना को जोर-शोर से आगे बढ़ाया था, लेकिन इस बार के बजट में इसके लिए काफी कम धनराशि रखी गई है। सामान्य बजट के व्यय संबंधी दस्तावेज के अनुसार, नदियों को आपस में जोड़ने की योजना के मद में 2019-20 के लिए एक लाख रुपए रखे गए हैं।

> **अटल बिहारी वाजपेयी** के नेतृत्व वाली सरकार ने नदियों को आपस में जोड़ने की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल की थी और इसके बाद 2014 में भाजपा नीत राजग सरकार के दौरान काम को आगे बढ़ाया गया, लेकिन अभी तक यह कार्य जमीन पर नहीं उतर पाया है

गौरतलब है कि भारत में 'नदी जोड़ो' का विचार सर्वप्रथम 1858 में ब्रिटिश सिंचाई इंजीनियर सर आर्थर थॉमस कॉटन ने दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने नदियों को आपस में जोड़ने की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल की थी और इसके बाद 2014 में भाजपा नीत राजग सरकार के दौरान काम को आगे बढ़ाया गया, लेकिन अभी तक यह कार्य जमीन पर नहीं उतर पाया है।

लोकसभा में नदियों को आपस में जोड़ने के विषय पर 27 जून 2019 को कौशलेंद्र कुमार के एक प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति राज्य मंत्री रतन लाल कटारिया ने कहा था, 'नदी जोड़ो परियोजना के कार्यान्वयन में कई चरण होते हैं। किसी परियोजना के कार्यान्वयन का चरण संबंधित राज्यों के साथ सर्वसम्मति प्राप्त होने के बाद इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने और वैधानिक मंजूरी के बाद पूरा होगा । इस प्रकार परियोजना के कार्यान्वयन में अलग-अलग समय लगेगा।'

सरकार ने निचले सदन में बताया था कि अगस्त 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) ने अंतर बेसिन जल अंतरण के जरिए जल संसाधनों के विकास के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी, जिसका उद्देश्य जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में जल अंतरण करना था। एनपीपी के तहत राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने साध्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए 30 नदियों को जोड़ने के लिए पहचान की थी, जिसमें 16 प्रायद्वीपीय और 14 हिमालयी घटक वाली नदियां हैं। अंतर जल बेसिन में जल अंतरण के लिए 30 नदियों को जोड़ने की योजना की साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। इनमें प्रायद्वीपीय घटक के तहत महानदी-गोदावरी नदी जोड़, गोदावरी-कृष्णा नदी जोड़, गोदावरी-कृष्णा (नागार्जुन सागर) नदी जोड़ शामिल हैं। जल शक्ति मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनमें केन बेतवा नदी जोड़ परियोजना की साध्यता रिपोर्ट के साथ प्रथम और द्वितीय चरण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो गई है।

अब यूपी में मिलेगा डिब्बाबंद गन्ने का रस

लखनऊ, 7 जुलाई (भाषा)।

देश में सर्वाधिक गन्ना उत्पादन करने वाला उत्तर प्रदेश अब डिब्बाबंद यानी 'पैक्ड' गन्ना जूस बाजार में उतारने की संभावनाएं तलाश कर रहा है। वह दिन दूर नहीं जब पैक्ड फलों के जूस और पैक्ड लस्सी-छाछ की तरह बाजारों में गन्ने के पैक्ड जूस से दुकानें सजने लगेंगी।

गन्ना वैज्ञानिक डॉ एमएम सिंह ने बताया, 'पैक्ड गन्ना जूस आम लोगों के बीच खासा लोकप्रिय होगा क्योंकि फिलहाल राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में गन्ना पेराई की मशीनें लगाकर सड़क के किनारे छोटे वेंडर गन्ने का रस बेचते हैं, जो स्वास्थ्य एवं साफ सफाई के लिहाज से खतरनाक होता है।' सिंह ने कहा, 'जिस तरह फलों के पैक्ड जूस या डिब्बाबंद दही, लस्सी और छाछ काफी ज्यादा प्रचलन में हैं। उसी तरह पैक्ड गन्ना जूस भी तेजी से बाजार में अपनी जगह बना लेगा।' अभी हाल ही में चीनी उद्योग, गन्ना विकास एवं आबकारी विभागों के प्रस्तुतिकरण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि युवाओं के लिए रोजगार के सृजन के मद्देनजर पैक्ड गन्ना जूस की बाजार में बिक्री की संभावनाओं को तलाश कर योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कृषि विज्ञान के अनुसंधानकर्ता शिवमप्रिय शुक्ला ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा, 'बीते दो साल में उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र को पीछे छोड़कर देश का सर्वाधिक गन्ना एवं चीनी उत्पादक राज्य बन गया है। चीनी उद्योग हर साल किसानों को 33 से 36 हजार करोड़ रुपए गन्ना मूल्य का भुगतान कर रहा है। इस उद्योग के माध्यम से साढ़े आठ लाख लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार मिला है।'

अजा के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए नई व्यवस्था का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए धन बंटवारे की नई व्यवस्था का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का प्रस्ताव आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति को भेजा गया है। धन बंटवारे की इस नई व्यवस्था के तहत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से संबंधित छात्रवृत्ति योजना का ज्यादा वित्तीय भार केंद्र वहन करेगा।

प्रस्ताव के अनुसार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से संबंधित 'मैट्रिक-बाद छात्रवृत्ति योजना' का 60 फीसद वित्तीय भार केंद्र और 40 प्रतिशत भार राज्य वहन करेंगे। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय ने प्रस्ताव आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति को भेजा है। संबंधित मामले में एक सूत्र ने कहा कि योजना में सुधार मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन के एजंडे में मंत्रालय की प्राथमिकताओं में से एक है।

ये ठीक रहेगा...

पटना में रविवार को सामूहिक विवाह समारोह में सेल्फी लेती नवविवाहित जोड़ी।

दौड़ महाराष्ट्र के सोलापुर में रविवार को आयोजित स्वामी तुकाराम पालकी उत्सव के दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्र के साथ दौड़ लगाते श्रद्धालु।

आजाद ने हरियाणा में तंवर की चुनाव प्रबंध समिति को अमान्य घोषित किया

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

हरियाणा के लिए कांग्रेस के प्रभारी महासचिव गुलाम नबी आजाद ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर द्वारा गठित चुनाव प्रबंध समिति को रविवार को अमान्य घोषित कर दिया। तंवर ने हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को चुनाव प्रबंध समिति गठित की थी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस विधायक दल की नेता किरण चौधरी सहित राज्य में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को समिति की पहली बैठक में आठ जुलाई को शरीक होने को कहा था। आजाद ने कहा कि सिर्फ अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआइसीसी) के पास ही चुनाव से संबद्ध समितियां गठित करने की शक्तियां हैं और प्रदेशों के कांग्रेस प्रमुख खुद से ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि तंवर द्वारा गठित हरियाणा चुनाव समिति अमान्य है।

बसपा अपने दम पर लड़ेगी हरियाणा में विस चुनाव : मेघराज

जींद, 7 जुलाई (भाषा)।

बसपा के हरियाणा प्रभारी मेघराज ने कहा कि पार्टी प्रदेश में अब अकेले ही विधानसभा चुनाव लड़ेगी और सभी 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। मेघराज रविवार को यहां बसपा के कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता के हित में इनेलो परिवार को अपने तमाम आपसी मतभेदों को भुलाकर एक हो जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बसपा हरियाणा विधानसभा चुनाव अकेले लडने के लिए तैयार है। प्रदेश में मुकाबला भाजपा और बसपा के बीच होगा। बाकी दल मुकाबले से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बसपा-इनेलो का चुनावी गठबंधन टूटने के लिए इनेलो जिम्मेदार है।

बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामले में पादरी गिरफ्तार

कोच्चि, 7 जुलाई (भाषा)।

एक आश्रय गृह में रहने वाले लड़कों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में यहां एक पादरी को रविवार को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि पेरम्बदम में आश्रय गृह से शनिवार रात भागने वाले बच्चों के माता-पिता की शिकायत के आधार पर जॉर्ज उर्फ जेरी को गिरफ्तार किया गया। बच्चों के माता-पिता की शिकायत के अनुसार, जब जॉर्ज ने बच्चों के कथित यौन उत्पीड़न की कोशिश की तो बच्चे वहां से भाग गए। जॉर्ज आश्रय गृह का निदेशक था।

पुलिस ने बताया कि यह मामला उस समय सामने आया जब आश्रय गृह के सात बच्चे वहां से भाग गए और उन्होंने शनिवार की रात को रास्ते में मिले एक व्यक्ति की मदद से अपने माता-पिता को फोन किया। उन्होंने बताया कि पादरी के खिलाफ किशोर न्याय कानून और बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) की प्रासंगिक धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं।

सिम कार्ड, आइएमईआइ नंबर बदलने के बावजूद जल्द लग जाएगा चोरी के मोबाइल का पता

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

अक्सर ऐसा होता है कि आपका फोन चोरी हो जाता है और आप उसकी रिपोर्ट भी लिखा देते हैं, लेकिन उसका सिम कार्ड या आइएमईआइ नंबर बदलने की वजह से उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। सरकार अगले महीने आपकी इस समस्या का समाधान पेश करने जा रही है।

सरकार अगले एक महीने में ऐसे प्रौद्योगिकी आधारित समाधान की शुरुआत करने जा रही जिससे सिम कार्ड या आइएमईआइ नंबर बदले जाने के बावजूद खोए या चोरी के मोबाइल फोन का पता लगाया जा सकेगा।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलिमैटिक्स (सी-डीओटी) ने प्रौद्योगिकी तैयार कर ली है और इसे अगस्त में शुरू किए जाने की उम्मीद है। दूरसंचार विभाग के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि सी-डॉट के पास प्रौद्योगिकी तैयार है। संसद सत्र के बाद दूरसंचार विभाग मंत्री से इस प्रणाली की शुरुआत के लिए संपर्क करेगा। यह अगले महीने लागू होनी चाहिए। संसद का मौजूदा सत्र 26 जुलाई तक चलेगा। दूरसंचार विभाग ने जुलाई, 2017 में नकली मोबाइल फोन और चोरी की घटनाओं में कमी लाने के लक्ष्य के साथ सी-डॉट को 'सेंट्रल एक्विपमेंट आइडेंटीटी रजिस्टर' (सीईआइआर) विकसित करने का काम दिया था। सरकार ने सीईआइआर के गठन के लिए 15 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की थी। सीईआइआर प्रणाली सिम कार्ड निकालने या आइएमईआइ नंबर बदले जाने के बावजूद चोरी या खोए हुए फोन पर सभी तरह की सेवाओं को अवरूद्ध कर देगी।

भिक्षावृत्ति खत्म करने के लिए ऑपरेशन मुक्ति अभियान | **पुनर्वास** | 68 बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया गया

कभी पकड़ा था कटोरा, अब हाथों में है किताब

देहरादून, 7 जुलाई (भाषा)।

उत्तराखंड पुलिस द्वारा भिक्षावृत्ति की प्रवृत्ति को समाप्त करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन मुक्ति' से 68 बच्चों को स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने का मौका मिल गया है।

इनमें से 11 वर्षीय राजू एक दृष्टिहीन बच्चा है, जो अब देहरादून स्थित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय दृष्टिबाधितार्थ संस्थान (एनआइवीएच) में रहकर पढ़ाई करेगा। इसी प्रकार, 67 अन्य बच्चों को भी सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाया गया है।

दो महीने पूर्व शुरू हुए इस अभियान का मुख्य लक्ष्य बच्चों द्वारा की जा रही भिक्षावृत्ति पर प्रभावी रोकथाम, जागरूकता और भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों का पुनर्वास है। अभियान के तहत पुलिस ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स भी बनाए और इन्हें प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया। चूंकि हरिद्वार में भिक्षावृत्ति ज्यादा पाई जाती है अतः वहां ज्यादा फोकस रखा गया। हर यूनिट में एक महिला पुलिसकर्मी की भी तैनाती की गई।

देहरादून में भी शहर के ऐसे इलाके चिह्नित किए गए जहां बच्चे भिक्षावृत्ति में ज्यादा लिप्त रहते हैं। इन इलाकों में दर्शन लाल चौक, परेड ग्राउंड, एश्ले हॉल, आइएसबीटी, रिस्पना पुल, पैसिफिक मॉल, रेलवे स्टेशन, दिलाराम चौक, प्रिंस चौक, बल्लूपुर चौक आदि स्थानों पर लगातार अभियान चलाया गया।

प्रथम चरण में एक मई से 15 मई तक भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों और उनके परिवारों का विवरण तैयार किया गया। द्वितीय चरण में 16 मई से लेकर 15 जून तक देहरादून शहर के समस्त स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों, सिनेमाघरों और बस तथा रेलवे स्टेशनों तथा धार्मिक स्थानों पर बच्चों को भिक्षा न देने के लिए जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके लिए पुलिस ने बैनर, पोस्टर, पैम्फलेट, नुक्कड़ नाटक, धार्मिक स्थलों में लाउड स्पीकर, सिनेमाघरों में लघु फिल्में, सोशल मीडिया के माध्यमों का भी उपयोग जागरूकता फैलाने के लिए किया। एक अन्य कार्रवाई में तीन महिलाओं के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया क्योंकि उन्होंने बच्चों को जबरन भिक्षावृत्ति में धकेला था। बच्चों के परिवारजनों को भी समझाया गया कि भिक्षावृत्ति एक बुराई है। तृतीय चरण में 16 जून से तीस जून तक भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को इससे हटाकर उनके परिजनों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई करना तथा किसी प्रकार का संदेह होने पर डीएनए टेस्ट की कार्रवाई करना शामिल है।

अभियान के तहत भीख मांगने, कूड़ा बीनने, गुब्बारा बेचने आदि कार्यों में लगे 292 बच्चों का विवरण तैयार किया गया। पुलिस उपाधीक्षक और इस अभियान के नोडल अधिकारी शेखर सुयाल ने बताया कि अभी तक 68 बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिल करवा दिया गया है। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अनिल रतूडी ने इस अभियान में शामिल रहे गैर सरकारी संगठनों की भी सराहना की और कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि बच्चे पढ़-लिखकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएं।

बिन राहुल कर्नाटक का किला बचाने में जुटे कांग्रेसी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 7 जुलाई।

कर्नाटक में कांग्रेस व जनता दल (सेकु) सेक्युलर के एक दर्जन से ज्यादा विधायकों द्वारा इस्तीफा देने के बाद संकट में आई सूबे की गठबंधन सरकार को बचाने में कांग्रेस की कोर समिति के सदस्य जुट गए हैं। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा बनाई गई इस समिति की अहमियत चुनावी नजरिए से भले खत्म हो गई हो लेकिन अध्यक्ष पद से गांधी के इस्तीफे के मद्देनजर पार्टी में पैदा हुए अंदरूनी संकट के मद्देनजर वरिष्ठ नेताओं की इस मंडली की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण करार दी जा रही है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक नौ सदस्यीय कोर समिति गठित की थी। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एके एंटोनी, गुलाम नबी आजाद, पी चिदंबरम, अहमद पटेल, अशोक गहलोत, आनंद शर्मा, जयराम रमेश सहित पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और

- लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बनाई थी कोर समिति
- खरगे बोले, 12 जुलाई तक साफ हो जाएगी तस्वीर

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला शामिल थे।

सूत्रों की मानें तो पार्टी के अध्यक्ष पद से राहुल के इस्तीफे के बाद पैदा हुई स्थिति पर विचार करने के लिए कांग्रेस के गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित वॉररूम में शनिवार को इन वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई। इसमें अहमद पटेल, गुलाम नबी आजाद, पी चिदंबरम, आनंद शर्मा, रणदीप सुरजेवाला सहित मुकुल वासनिक, ज्योतिरादित्य सिंधिया, मल्लिकार्जुन खरगे, दीपेंद्र हुड्डा और भंवर जितेंद्र सिंह ने हिस्सा लिया। हालांकि इस बैठक में पार्टी की वर्तमान स्थिति पर विचार करने के बजाए, कर्नाटक संकट पर ही मुख्य रूप से चर्चा हुई।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की इस बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे ने सूबे में सरकार पर आए संकट को लेकर विस्तार से जानकारी दी और कहा कि जो विधायक पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे हमसे लंबे समय से जुड़े हैं और हमें यकीन है कि वे हमारे साथ बने रहेंगे।

खड़गे ने रविवार को कर्नाटक में कहा कि सरकार पर किसी किस्म का संकट नहीं है। उन्होंने भाजपा पर सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी 12 जुलाई तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल के इस्तीफे और नए अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर हो रहे विलंब के कारण पार्टी में महत्वपूर्ण मामलों में फैसलों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

पार्टी के एक नेता ने कहा कि पार्टी भले अपने अध्यक्ष को लेकर लंबे समय तक फैसले नहीं ले पाए लेकिन कर्नाटक जैसे संकट के लिए उसके पास मशीनरी होनी ही चाहिए। ऐसे में राहुल द्वारा बनाई गई कोर समिति के सदस्य ही आज उनकी गैरहाजिरी में पार्टी की कमान संभाल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में पुलिसकर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

रायगढ़, 7 जुलाई (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक पुलिस कांस्टेबल ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

रायगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि कांस्टेबल संतोष केरकेट्टा लैलुंगा पुलिस थाना परिसर में सुबह दस बजे अपने आवासीय क्वार्टर में एक रस्सी से पंखे से लटकते हुए पाए गए। वर्मा ने बताया कि पड़ोसी जशपुर जिले में तिलांगा गांव के निवासी केरकेट्टा लैलुंगा पुलिस थाने में पिछले एक वर्ष से तैनात थे। केरकेट्टा अपने सहयोगियों के साथ क्वार्टर में रहते थे।

अधिकारी ने कहा, 'जब कांस्टेबल ने आत्महत्या की उस समय वह क्वार्टर में अकेले थे। मौके से कोई 'सुसाइड नोट' बरामद नहीं किया गया है।' उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के बाद ही यह पता चल पाएगा कि कांस्टेबल ने यह कदम क्यों उठाया।

कांग्रेस ने भाजपा पर कर्नाटक सरकार गिराने की साजिश का आरोप लगाया

बंगलुरु, 7 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में शनिवार को 12 विधायकों के इस्तीफे की पृष्ठभूमि में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने राज्य की कांग्रेस-जद(सेकु) सरकार को गिराने के लिए भाजपा पर साजिश रचने का आरोप लगाया।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के आला नेता सिद्धरमैया ने पार्टी के नौ और विधायकों के इस्तीफा देने की अटकलों के बीच पत्रकारों से कहा, 'यह भाजपा कर रही है। यह उनका धनबल है जो मौजूदा गतिरोध के लिए जिम्मेदार है। भाजपा अपने पाले में विधायकों को शामिल करने के लिए उन्हें लालच दे रही है। वे विधायकों को पैसों की पेशकश कर रहे हैं और मंत्री पद नहीं मिलने की नाराजगी का दोहन कर रहे हैं।'

उन्होंने हैरानी जताई कि बीटीएम लेआउट से सात बार के विधायक और पूर्व राज्य मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इस्तीफा देने का फैसला किया। कांग्रेस विधायक दल के नेता ने कहा, 'मैंने रामलिंगा रेड्डी से कहा था कि हम उन्हें पहली बारी में मंत्री नहीं बना सके, लेकिन मंत्रिमंडल के दूसरे फेरबदल में उन्हें कैबिनेट में जगह मिलेगी। यह आला कमान का फैसला था। वह राजी थे लेकिन बाद में क्या हुआ इसकी जानकारी मुझे नहीं है।' बता दें कि यह सारी गड़बड़, निर्दलीय विधायक एच नागेश तथा केपीजे के एक मात्र विधायक आर शंकर को 14 जून को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने से हुई है। इसी के बाद बगावत हुई है। सिद्धरमैया ने सत्तारूढ़ गठबंधन-कांग्रेस और जनता दल (सेकु) के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कोटे के एक मंत्री पद के कई दावेदार थे और पार्टी ने इसे निर्दलीय विधायक को देने का फैसला किया।
गठबंधन बनाने के वक्त हुए समझौते के तहत, कांग्रेस को 22 और जद (सेकु) को 12 मंत्री पद मिलने थे। गठबंधन के दोनों साझेदारों ने सरकार बचाने के लिए अपने-अपने कोटे के मंत्री पदों को इन दो विधायकों को दे दिया।

एक सवाल पर सिद्धरमैया ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री एचडी कुमास्वामी से बातचीत की है। वह रविवार अमेरिका से वापस आ रहे हैं।

भाजपा अपने पाले में विधायकों को शामिल करने के लिए उन्हें लालच दे रही है : सिद्धरमैया

बहरहाल, सिद्धरमैया ने कहा कि रविवार को उनके और कुमारस्वामी के बीच कोई मुलाकात नहीं होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कर्नाटक में राजनीतिक गतिरोध के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, '(भाजपा नीत) केंद्र गतिरोध में सीधे शामिल है। भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।' इस तरह की अटकलें हैं कि फूट को दबाने के लिए खरगे को राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया जा सकता है। इस पर उन्होंने कहा कि अफवाहों को फैलाया जा रहा है और उन्होंने जोर दिया कि वह चाहते हैं कि गठबंधन सरकार बनी रहे।

जल संसाधन मंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कहा, 'वे ऐसा बर्ताव कर रहे हैं मानो घटनाक्रम से अनभिज्ञ और मासूम हैं। भाजपा कह रही है कि वह कुछ नहीं जानती है। यह सबको पता है कि यहां खेल कौन खेल रहा है। हम जानते हैं कि किसके साथ कितने दौर की बैठक हुई है। कोई भी ये चीजें नहीं छुपा सकता है।' उन्होंने हैरानी जताई कि जो भाजपा कह रही थी वह इस दक्षिणी राज्य में सरकार नहीं बना सकती है अब कैसे सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए आगे आई है।

उनसे सवाल किया गया कि अगर असंतुष्ट मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया या खरगे की हिमायत करें, तो क्या वह सरकार को समर्थन देंगे। इस पर शिवकुमार ने कहा, ' कुमारस्वामी को धोखा देने का सवाल ही नहीं है। मैं नहीं जानता हूं कि कांग्रेस और जद(सेकु) क्या करेंगे। हम पहले ही कह चुके हैं कि कुमारस्वामी पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'मैं एचडी देवगौड़ा से मिला। कारण जाहिर है। हमारे सभी वरिष्ठ नेता आज मिल रहे हैं। हम कुछ निर्णय करेंगे।'

पंजाब, जम्मू में घुसपैठ रोकने को बीएसएफ का 'सुदर्शन' अभियान

पेज 1 का बाकी

बल के अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान में भारी मशीनरी, संवाद पकड़ने वाले उपकरण और मोबाइल बुलेटप्रूफ बंकर को शामिल किया गया है और हजारों बीएसएफ कर्मी इससे जुड़े हुए हैं। बीएसएफ की करीब 40 बटालियनों के फ्रंटियर और बटालियन कमांडरों (महानिरीक्षक से कमांडेंट रैंक), उनके सेकेंड इन कमांड और कंपनी (टुकड़ी) कमांडर दोनों राज्यों में अभियान के लिए एक पखवाड़े तक तैनात किए गए हैं और 15 जुलाई तक अपने बेस में लौट जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकवादियों की घुसपैठ, नशीले पदार्थों की खेप भेजने के खिलाफ और पाकिस्तान की ओर से बिना किसी उकसावे की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सीमा को सील करने के मद्देनजर इन सीमाओं पर कार्रवाई के लिए भारतीय रक्षा पोजीशन व ठिकानों को मजबूत किया जा रहा है। बीएसएफ के महानिदेशक रजनीकांत मिश्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी अभियान के खत्म होने के बाद हासिल परिणाम की समीक्षा करेंगे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय अभियान की अंतिम रिपोर्ट पर गौर करेगा, जिसके तहत इन दोनों सीमाओं पर सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और अंतर को पाटने के लिए जरूरी उपकरण, औजार खरीदने और आधारभूत संरचना आदि का आबंटन किया जाएगा।

देवड़ा का इस्तीफा है या ऊपर चढ़ने की सीढ़ी : निरूपम

पेज 1 का बाकी

की देखरेख के लिए कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेताओं की एक समिति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम से पार्टी को और नुकसान होगा। निरूपम ने हिंदी में किए ट्वीट में लिखा, 'इस्तीफे में त्याग की भावना अंतर्निहित होती है। यहां तो दूसरे क्षण नेशनल लेवल का पद मांगा जा रहा है। यह इस्तीफा है या ऊपर चढ़ने की सीढ़ी ? पार्टी को ऐसे कर्मठ लोगों से सावधान रहना चाहिए।' लोस चुनाव से पहले निरूपम की जगह देवड़ा को मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था। निरूपम ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, 'अध्यक्ष के स्थान पर मुंबई कांग्रेस चलाने के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाने का विचार बिल्कुल भी उचित नहीं है। इससे पार्टी को और नुकसान होगा।

दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधिकारी की हत्या

पेज 1 का बाकी

गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर रविवार को ही परिजनों को सौंप दिया। आनंद सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया। जैतपुर थाना पुलिस ने इस बाबत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक आनंद सिंह अपने परिवार के साथ मकान नंबर ई-112/13, ओम विहार, बदरपुर में रहते थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। उनके दो भाई भी हैं, जो इसी मकान में रहते हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी आसपास ही रहते हैं। आनंद गृह मंत्रालय के आइए एंड एडी विभाग में वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद पर कार्यरत थे। वे मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले थे।

आनंद की बहन मंजू ने बताया कि उनकी किसी से रंजिश नहीं थी। वह किसी से ज्यादा बातचीत भी नहीं करते थे। परिजनों के मुताबिक वारदात के समय रात को मुख्य दरवाजा बंद था तो कोई बाहरी कैसे आ सकता है। पर जिस खिड़की के बाहर कूलर रखा था। उससे किसी के अंदर जाने की बात कही जा रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिस्वाल का कहना है कि फिलहाल जैतपुर थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। किसी बाहरी या फिर घर के ही किसी सदस्य का हाथ होने की बात को लेकर पुलिस कुछ भी कहने को तैयार नहीं है।

विधायकों को मुंबई ले जाने वाला विमान भाजपा सांसद से जुड़ी कंपनी का

बंगलुरु, 7 जुलाई (भाषा)।

कांग्रेस और जनता दल (सेकु) के 10 असंतुष्ट विधायक जिस चार्टर्ड विमान में बंगलुरु से मुंबई गए, वह भाजपा के राज्यसभा सदस्य राजीव चंद्रशेखर से जुड़ी एक कंपनी का है। यह जानकारी कंपनी सूत्रों ने यहां दी।

विमान जूपिटर कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड का है। चंद्रशेखर कंपनी के संस्थापक और चेयरमैन हैं। कंपनी के अधिकारियों ने यह स्वीकार किया कि विधायकों को ले जाने वाला विमान जूपिटर कैपिटल का है। उन्होंने यद्यपि यह साफ किया कि वे एक कंपनी चला रहे हैं और जो कोई भी विमान का इस्तेमाल करना चाहे वह कर सकता है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, 'यह चार्टर आपरेशन है और विमान को नियमित तौर पर विभिन्न व्यक्तियों द्वारा किराए पर लिया जाता है।' अधिकारियों ने हालांकि इस बारे में कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया कि उड़ान की बुकिंग किसने और किसकी ओर से की थी।

मानसून दिल्ली में, पहाड़-मैदान में भारी बरसात की चेतावनी

पेज 1 का बाकी

इलाकों में बारिश होगी। हालांकि जम्मू कश्मीर में बारिश को लेकर कोई चेतावनी नहीं जारी की गई है लेकिन उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों व हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले चार पांच दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मानसून के जोर पकड़ने से लगभग पूरा उत्तर प्रदेश बारिश से सराबोर है। बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं किसानों की मुश्किलें भी कम हुई हैं।

क्षेत्रीय मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून पूर्वी हिस्सों सहित पूरे प्रदेश में सक्रिय हो चुका है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अनेक हिस्सों में बारिश हुई। कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी स्तर की बारिश हुई। इस दौरान नीमसार (सीतापुर) में सबसे ज्यादा 22 सेंटीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा अंबिकापुर में नौ सेंटीमीटर, दहानू में 10 सेंटीमीटर, मुहम्मदी जयपुर, गया, बरोडा और मिश्रिख में सात-सात सेंटीमीटर, घोरावल, काकरधारीघाट और मिर्जापुर में छह-छह सेमी, फुरसतगंज, राजघाट, ज्ञानपुर, छतनाग, पलियाकलां, भिनगा और लखनऊ में चार-चार सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बारिश की वजह से पिछले 24 घंटों में कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, फैजाबाद और इलाहाबाद में दिन के तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा लखनऊ, बरेली, कानपुर, झांसी व मुरादाबाद मण्डलों में तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा।

राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान पूर्वी हिस्सों के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश, अधिकतर जगहों और पश्चिमी हिस्सों के एक-दो स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। उधर दक्षिण गुजरात में भारी बारिश के कारण वापी और वलसाड जिले में उमरगाम के कई इलाके जलमग्न हो गए जिससे सामान्य जनजीवन बाधित हो गया।

संस्कृत में बातचीत करना सीखेंगे पांच गांवों के लोग

पेज 1 का बाकी

संस्थानों, आयुर्वेद संस्थानों, माडर्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में नॉन-फोरमल संस्कृत एजुकेशन प्रोग्राम के तहत नॉन-फोरमल संस्कृत एजुकेशन केंद्र के माध्यम से भी संस्कृत भाषा को पढ़ाया जा रहा है। संस्कृत भाषा के लिए हर साल 16 वरिष्ठ विद्वानों और पांच युवा विद्वानों को राष्ट्रपति पुरस्कार दिया जाता है। संस्कृत की दुर्लभ पुस्तकों के प्रकाशन और पुनर्मुद्रण के लिए भी सरकार की ओर से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। 'अष्टादशी' के तहत संस्कृत भाषा को जन-जन की भाषा बनाने के लिए 18 प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं।

'तस्करों' के हाथ बांधकर थाने ले गए गोरक्षक

पेज 1 का बाकी

सभी कथित गो-तस्करों को उन्होंने पुलिस के हवाले कर दिया।

इस मामले में पुलिस ने गोवंश की कथित तस्करी करने वालों और स्वयंभू गोरक्षकों दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन कथित गोरक्षकों ने कथित तस्करों को खदेड़कर ले जाने का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और फोटो में दिखाई देता है कि कथित गो-तस्करों के एक-एक हाथ को एक बड़ी रस्सी से बांधा गया और कान पकड़वाकर उन्हें मुर्गा भी बनाया गया। इनके इर्द-गिर्द स्वयंभू गोरक्षक उन्हें सड़क पर खदेड़ते हुए ले जाते दिखाई देते हैं और कुछ स्वयंभू गोरक्षकों के हाथों में डंडे भी नजर आते हैं। इनके पीछे गोवंश से लदे वे ट्रक भी थाने ले जाए जाते दिखते हैं, जिनमें गोवंश की कथित तस्करी की जा रही थी। स्वयंभू गोरक्षकों ने आरोपियों से उठक-बैठक लगवाकर 'गो माता की जय' भी बुलवाया।

इसके बाद इन स्वयंभू गोरक्षकों ने इन सभी कथित गो तस्करों, गोवंश और ट्रकों को पुलिस के हवाले कर दिया। खंडवा जिले के पुलिस अधीक्षक शिव दयाल सिंह ने फोन पर कहा, 'हमने उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जो बिना अनुमति के गायों को ले जा रहे थे। वहीं, हमने किसानों सहित उन गांववालों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जिन्होंने गोवंश परिवहन करने वालों को पकड़ने के बाद पुलिस को जानकारी नहीं दी और उनके साथ गलत बर्ताव किया।' खालवा पुलिस थाना प्रभारी हरिशंकर रावत ने कहा, 'गोवंश परिवहन में पकड़े गए सभी 25 आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम व गोवंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है।' उन्होंने कहा, '21 गोवंश जब्त किए गए हैं। इन्हें पास के ही गांव खार की गोशाला में भेज दिया गया है।' रावत ने बताया कि करीब 100 ग्रामीणों ने इन कथित तस्करों को खंडवा जिले के सांवलीखेड़ा गांव में सुबह उस वक्त पकड़ा, जब ये आठ ट्रकों में भरकर गोवंश को ले जा रहे थे। इन ग्रामीणों ने उनके साथ कथित दुर्व्यवहार किया। रावत ने कहा कि सभी आरोपी हरदा जिले से गोवंश को ट्रकों में लादकर खालवा होते हुए जंगल के रास्ते कथित तौर पर वध के लिए पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र ले जा रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने भूमि संबंधी कानूनों को सरल बनाने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए लोगों और जमीन विवादों से निपटने वाले अधिकारियों का कम से कम आमना-सामना होना चाहिए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों को भूमि लेन-देन की प्रक्रिया को सरल और उसे पारदर्शी बनाने का अनुरोध किया। 'लैंड रजिस्ट्रेशन, ग्लोबल प्रैक्टिसेज एंड लेसन्स फॉर इंडिया' किताब जारी करते हुए नायडू ने कहा कि पुराने कानून में समय-समय पर संशोधन होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे लगता है कि भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए लोगों और पंजीकरण सहित भूमि के मुद्दों से निपटने वाले अधिकारियों का आमना-सामना न्यूनतम होना चाहिए। सभी राज्यों और केंद्र को प्रक्रियाओं को सरल और उन्हें पूरी तरह से पारदर्शी बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।'

सिंधिया और देवड़ा ने दिया पदों से इस्तीफा

पेज 1 का बाकी

रही है। सिंधिया ने ट्वीट किया-जनादेश और जवाबदेही को स्वीकारते हुए मैंने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव पद से अपना इस्तीफा राहुल गांधी को सौंप दिया है।

उन्होंने लिखा- इस जिम्मेदारी के लिए मुझ पर भरोसा जताने और पार्टी की सेवा का मौका देने के लिए मैं उनका आभारी रहूंगा। सिंधिया ने अपने इस्तीफे को लेकर यह भी कहा कि उन्होंने आठ-दस दिन पहले ही पद छोड़ दिया था। इससे पहले, मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

इस्तीफे के बाद एक बयान में देवड़ा ने पार्टी को स्थिरता देने के लिए राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की है। गौरतलब है कि देवड़ा का यह बयान पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के उस वक्तव्य के अगले दिन आया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद किसी युवा नेता को देने की मांग की थी। देवड़ा ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए एक तीन सदस्यीय समिति बनाने का सुझाव दिया है, जो राज्य कांग्रेस का नेतृत्व करेगी। उन्हें लोकसभा चुनाव से ठीक पहले संजय निरूपम की जगह मुंबई कांग्रेस की कमान सौंपी गई थी।

सूत्रों का कहना है कि सिंधिया व देवड़ा सरीखे युवा नेताओं के इस्तीफे का सीधा मतलब यह है कि पार्टी में युवा बनाम बुजुर्ग नेताओं की लड़ाई तेज होने के आसार हैं। उन्होंने कहा कि राहुल ने लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए 25 मई की कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में ही पद से इस्तीफे की पेशकश की लेकिन उनके बाद किसी बड़े नेता ने कुर्सी छोड़ने की जरूरत नहीं समझी। लंबे इंतजार के बाद गांधी ने औपचारिक तौर पर पद छोड़ दिया। अब उनके करीबी कहे जाने वाले युवा नेता भी पद छोड़ रहे हैं। दूसरी ओर देश भर के युवा नेताओं ने भी इस्तीफे का अभियान चला रखा है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल और उनके करीबी नेताओं के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में करीब आधा दर्जन वरिष्ठ नेता निशाने पर हैं। बताया जा रहा है कि ये नेता अब भी अपनी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद युवा बनाम बुजुर्ग नेताओं की अंदरखाने मची यह रार क्या रंग लाती है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक ली आजाद ने

भोपाल, 7 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ जनता दल (एस)-कांग्रेस गठबंधन के एक दर्जन से अधिक विधायकों के इस्तीफे से उत्पन्न राजनीतिक संकट के एक दिन बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने रविवार को यहां मध्यप्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक को संबोधित किया।

कांग्रेस के एक विधायक ने बताया, 'मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ से निवास पर कांग्रेस विधायक दल की रविवार रात बैठक हुई। इसमें हमारी सरकार को समर्थन दे रहे समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी व निर्दलीय विधायक भी शामिल हुए।' उन्होंने कहा, 'इसे किसी दूसरे ढंग से नहीं देखा जाना चाहिए। गुलाम नबी आजाद जी को इसमें बुलाया गया था और वह इसमें आए। उन्होंने विधायकों को संबोधित किया।' जब उनसे सवाल किया गया कि क्या वह मध्यप्रदेश की सरकार को बचाने के लिए आए हैं, तो उन्होंने कहा कि इस बैठक में आजाद ने कांग्रेस, सपा, बसपा व निर्दलीय विधायकों को एकजुट रहने के बारे में कोई बात नहीं कही।

बड़े बिजली बिल वालों को भरना होगा आयकर रिटर्न

पेज 1 का बाकी

की या किसी अन्य व्यक्ति की विदेश यात्रा पर दो लाख रुपए से अधिक खर्च करता है, उसे भी आयकर विवरण देना होगा। किसी व्यक्ति का सालाना बिजली उपभोग बिल एक लाख रुपए से अधिक है तो उसे भी आयकर रिटर्न भरना होगा। इन तीनों प्रस्तावों के तहत उक्त व्यक्ति की सालाना कर योग्य आय पांच लाख रुपए से कम है तो भी उसे आयकर विवरण देना अनिवार्य होगा।

आयकर अधिनियम की धारा-54 के तहत दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर छूट का दावा करने वाले व्यक्तियों को भी आयकर विवरण देना होगा। इस समय पूंजीगत लाभ को मकान, कतिपय बांड जैसी परिसंपत्तियों में निवेश पर आयकर में छूट मिल जाती है। इसके लिए उन्हें आयकर विवरण दाखिल नहीं करना होता है। ये सभी संशोधन 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी होंगे और 2020-21 और उसके बाद के वर्षों के लिए लागू होंगे।

बजट में देश में नकद लेन-देन की प्रवृत्ति को सीमित करने के लिए आयकर अधिनियम में एक नई धारा-194 एन जोड़ने का प्रस्ताव है। इसके तहत किसी व्यक्ति द्वारा बैंक या सहकारी बैंक या डाकघर के खातों से साल भर में एक करोड़ रुपए से ज्यादा नकदी की निकासी पर दो फीसद की दर से स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) करने की सिफारिश की गई है।

यह प्रावधान सरकार, बैंकिंग कंपनी, बैंकिंग कार्य में लगी सहकारी समिति, डाकघर, बैंकिंग प्रतिनिधि और वाइट लेबल एटीएम परिचालन करने वाली इकाइयों पर लागू नहीं होगा, क्योंकि व्यवसाय के तहत उन्हें भारी मात्रा में नकद धन का इस्तेमाल करना होता है।

सरकार बनाने से इनकार नहीं

पेज 1 का बाकी

बाद हमारी पार्टी के नेता विचार-विमर्श करेंगे और निर्णय करेंगे।' दूसरी ओर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक चव्हाण ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह कर्नाटक में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई कांग्रेस- जद (सेकु) की सरकार को गिराने का प्रयास कर रही है और लोकतंत्र की हत्या करने के लिए भगवा दल शासित राज्यों में सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग कर रही है।

कर्नाटक की सत्तारूढ़ जद (सेकु)-कांग्रेस सरकार शनिवार को गठबंधन के 13 विधायकों के अचानक इस्तीफा देने के बाद संकट में आ गई।

इन विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा सौंपा है। उनसे जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस्तीफा देने के बाद ये 10 विधायक एक चार्टर्ड विमान से शनिवार रात मुंबई पहुंचे, जहां वे एक होटल में हैं। बहरहाल, कर्नाटक कांग्रेस के विधायक महेंद्र सिंघी और महाराष्ट्र के भाजपा विधायक प्रसाद लाड को रविवार की सुबह यहां एक होटल में देखा गया था।

सिंघी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कांग्रेस के विधायक रमेश जरकीहोली से मुलाकात की और विधानसभा छोड़ने के कारणों से उन्हें अवगत कराया। सिंघी ने कहा, ' हमारी सरकार को कोई खतरा नहीं है क्योंकि मुख्यमंत्री के लौटते ही यह मुद्दा सुलझा लिया जाएगा।' वहीं लाड ने होटल में अपनी मौजूदगी के सवाल पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता और मुझे मीडिया से इसकी जानकारी मिली। मैं भाजपा के सदस्यता अभियान में व्यस्त हूं।'

वहीं अशोक चव्हाण ने आरोप लगाए, 'उनका एकमात्र एजंडा किसी भी तरीके से विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली सरकारों को गिराना है जिसमें सरकारी मशीनरी का सहारा लेना भी शामिल है। भाजपा ने इसी तरीके से गोवा, बिहार, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में सत्ता हासिल की। अब उनका ध्यान पश्चिम बंगाल और कर्नाटक पर है।' चव्हाण ने कहा कि लोगों के मुद्दों का समाधान करने के बजाए महाराष्ट्र की भाजपा नीत सरकार दक्षिणी राज्य में सरकार को गिराने के लिए काम कर रही है।

जद (सेकु) के बागी विधायक एएच विश्वनाथ ने शनिवार को पत्रकारों से कहा था, ' कांग्रेस और जद (सेकु) के 14 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है।' बहरहाल, कर्नाटक विधानसभा सचिवालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि 13 विधायकों ने ही अपने दस्तावेज जमा कराए हैं।

इनके इस्तीफा देने से पहले कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन के 118 विधायक थे। इसमें स्पीकर के अलावा कांग्रेस के 78 विधायक, जद(सेकु) के 37 विधायक, बसपा का एक विधायक और दो निर्दलीय विधायक शामिल हैं। कर्नाटक विधानसभा में भाजपा के 105 विधायक हैं।

खबर कोना

भारत की मदद से बने पहले माडल गांव का श्रीलंका में उद्घाटन

कोलंबो, 7 जुलाई (भाषा)

श्रीलंका ने भारत की मदद से युद्ध प्रभावित लोगों के लिए आवास योजना के तहत यहां बनाए गए पहले माडल गांव का उद्घाटन किया। भारत ने 120 करोड़ रुपए के अनुदान से श्रीलंका में कुल 2,400 मकान बनाने के लिए आवास व निर्माण और संस्कृति मंत्रालय के साथ भागीदारी की है। डेली मिरर के अनुसार आवास व निर्माण और संस्कृति मंत्री सजीत प्रेमदास, पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा और भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त शिल्पक अम्बुले ने शनिवार को गामपाहा के रानीदुगामा में पहले माडल गांव का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। लाभार्थियों को पूर्ण रूप से निर्मित मकान सौंपे गए।

अंदाज

लास एंजिल्स में दो टीमों के बीच हुए एमएलबी गेम से पहले राष्ट्रगान गातीं रिकार्डिंग आर्टिस्ट बे वेबियर।

प्रिंस हैरी और मेगन के पुत्र आर्ची का नामकरण

लंदन, 7 जुलाई (एएफपी)

प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल के पुत्र और ब्रिटेन के शाही परिवार के सबसे नए सदस्य आर्ची माउंटबेटन विडसर का

नामकरण संस्कार शनिवार को विंडसर कैस्टल में एक निजी पारिवारिक समारोह में किया गया। चर्च ऑफ इंग्लैंड के प्रमुख केंटरबरी के आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी ने निजी समारोह में ससेक्स के ड्यूक और डचेज के दो महीने के बेटे का बपतिस्मा किया। इस दौरान शिशु को विशेष पोशाक पहनाई गई। शाही शिशु नामकरण के दौरान 11 वर्षों से इसी तरह की पोशाक पहन रहे हैं। समारोह के बाद प्रिंस हैरी और मेगन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आर्ची के साथ तस्वीरें साझा की जिसमें पहली बार शिशु का चेहरा दिखाया गया।

भारत की निर्देशक रोहेना गेरा को पुरस्कार

लंदन, 7 जुलाई (भाषा)

भारतीय फिल्मकार रोहेना गेरा को उनकी पहली फीचर फिल्म 'सर' के लिए ब्रिटेन में बर्मिंघम भारतीय फिल्म महोत्सव (बीआइएफएफ) में 'ऑडियंस अवार्ड' से

नवाजा गया है। रोहेना ने वर्ग विभाजन से परे रोमांस के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की पटकथा भी लिखी है। तिलोतमा शोम और विवेक गोंबर अभिनीत फिल्म को वार्षिक महोत्सव में दर्शकों के बीच काफी पसंद किया गया। रोहेना ने कहा, 'मेरे लिए बहुत मायने रखता है कि यह फिल्म ब्रिटेन के दर्शकों के दिलों से जुड़ी है। मैं उनकी (दर्शकों) पसंद बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं।' बीआइएफएफ के पांचवें संस्करण का आरंभ अनुभव सिन्हा की फिल्म 'आर्टिकल 15' से, जबकि समापन इस सप्ताह की शुरुआत में रितेश बत्रा की फिल्म 'फोटोग्राफ' से हुआ।

यूरेनियम संवर्धन की सीमा तोड़ने के करीब : ईरान

तेहरान, 7 जुलाई (भाषा)।

ईरान ने रविवार को कहा कि वह पश्चिमी देशों के साथ हुए परमाणु समझौते में तय की गई यूरेनियम संवर्धन की सीमा का उल्लंघन करने वाला है। वहीं अमेरिका ने चेतावनी देते हुए कहा कि समझौते में तय की गई सीमा को पार करके ईरान आग से खेल रहा है। अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इस मुद्दे पर 10 जुलाई को एक विशेष बैठक बुलाई है।

ईरान ने धमकी दी है कि अगर 2015 में हुए परमाणु समझौते पर संबंधित पक्षों के साथ कोई हल नहीं निकलता तो वह समझौते की और भी शर्तों का उल्लंघन कर सकता है। ब्रिटेन का कहना है कि ईरान ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है। साथ ही लंदन और बर्लिन ने ईरान से यूरेनियम संवर्धन की तय सीमा को तोड़ने से बचने को कहा है। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कहा है कि तेहरान अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट सकता है लेकिन अगर यूरोपीय देश अपनी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करें तो ऐसे कोई भी

- ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कहा कि अगर यूरोपीय देश अपनी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करें तो ऐसे कोई भी कदम वापस लिए जा सकते हैं।

कदम वापस लिए जा सकते हैं। समझौते में तय अधिकतम परिष्कृत 3.67 फीसद से अधिक यूरेनियम संवर्धन करने का कदम यूरोपीय संघ और अमेरिका के विरोध के बावजूद शुरू किया जा रहा है। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रवक्ता बेहरोज कामलवंडी ने कहा कि सीमा पार करने के ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी के आदेश पर कुछ ही घंटे में अमल किया जाएगा।

2015 में हुए परमाणु समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने के ठीक एक साल बाद आठ मई को रूहानी ने तेहरान के इरादे स्पष्ट कर दिए थे। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि यह कदम अमेरिका द्वारा दोबारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद ईरान को काम करते रहने देने में मदद करने की दिशा में शेष पक्षों के नाकाम रहने के बाद उठाया गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खमनेई के शीर्ष सहालकार ने शुक्रवार को संकेत दिया था कि इसे बढ़ा कर पांच फीसद किया जा सकता है। ईरान का कहना है कि परमाणु समझौते से अमेरिका के बाहर होने के बाद उसने सामरिक संयम बरता और इसका इंतजार किया कि शेष पक्ष तय किए गए आर्थिक लाभों की दिशा में काम करें।

ऐसे खेल स्पेन के पैमपोलोना के सेम फर्मिन उत्सव में रविवार को सड़क पर दौड़ते सांड से बचते व्यक्ति।

मरियम नवाज ने वीडियो जारी कर लगाया आरोप

जज को ब्लैकमेल कर नवाज को दोषी ठहराया

लाहौर, 7 जुलाई (भाषा)।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज ने वीडियो क्लिप जारी किया है। इसमें जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश कथित तौर यह स्वीकार करते नजर आ रहे हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराने के लिए उन्हें 'ब्लैकमेल किया गया और उन पर दबाव डाला गया था।' लाहौर में शनिवार को पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मरियम ने कहा कि उनके 69 वर्षीय पिता को लेकर समूची न्यायिक प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित किया गया।

नवाज शरीफ अल अजीजिया स्टील मिल मामले में भ्रष्टाचार के दोषी ठहराए जाने के बाद 24 दिसंबर, 2018 से कोट लखपत जेल में बंद हैं। उन्हें इस मामले में सात साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। शरीफ और उनके परिवार ने कुछ भी गलत किए जाने से इनकार किया है और आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ ये मामले राजनीति से प्रेरित है। मरियम का दावा है कि जवाबदेही अदालत इस्लामाबाद के न्यायाधीश अरशद मलिक ने उनकी पार्टी के समर्थक नसीर भट्ट के साथ बातचीत में यह स्वीकार किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ फैसला देने के लिए उन्हें '(अज्ञात लोगों के द्वारा) ब्लैकमेल और मजबूर' किया गया।सत्तारूढ़ इमरान खान सरकार ने कहा है कि वीडियो छेड़छाड़ से तैयार किया गया है। उन्होंने वीडियो का फोरेंसिक ऑडिट कराने की मांग करते हुए इसे न्यायपालिका पर हमला करार दिया। मरियम ने कहा कि न्यायाधीश मलिक ने स्पष्ट रूप से यह कहा था कि शरीफ के खिलाफ धनशोधन, दलाली या कोई अन्य गलत वित्तीय लेन-देन मामले में कोई सबूत नहीं है लेकिन उन्होंने 'उन्हें (शरीफ) को जेल भेजने के आदेश देने पड़े जिसके लिए मैं पश्चताप कर रहा हूं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जज को शरीफ के खिलाफ सजा सुनाने के लिए धमकी देते हुए 'ब्लैकमेल' किया गया था कि उनका एक निजी वीडियो जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश ने सजा नहीं लिखी बल्कि शरीफ के लिए जेल की सजा लिखवाई गई।

मरियम ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री को जेल भेजने के लिए न्यायाधीश पर काफी दबाव था और इसके बाद से उन्हें कई बार आत्महत्या करने का विचार आया था। उन्होंने कहा कि इस वीडियो के खुलासे के बाद उनके पिता को सलाखों के पीछे नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने इस वीडियो का इस्तेमाल इस्लामाबाद हाई कोर्ट में शरीफ के जमानत मामले में किए जाने के भी संकेत दिए।

इस बीच न्यायाधीश मलिक ने रविवार को मरियम के आरोपों को खारिज किया और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को सबूत के आधार पर दोषी ठहराया गया था। न्यायाधीश ने एक बयान में कहा कि उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं और यह उनकी विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाने की साजिश है। फ्लैगशिप निवेश भ्रष्टाचार मामले में शरीफ को बरी करने वाले न्यायाधीश ने कहा, 'अगर मैंने दबाव में या रिश्वत के लालच में फैसला सुनाया होता तो मैं उन्हें (शरीफ) एक मामले में बरी नहीं करता और एक अन्य मामले में उन्हें दोषी नहीं ठहराता।' उन्होंने कहा, 'मैं एक बात स्पष्ट करता चाहता हूं कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुझ पर न तो कोई दबाव था और न ही मैं किसी लालच में था।' न्यायाधीश ने कहा, 'संवाददाता सम्मेलन के दौरान दिखाया गया वीडियो फर्जी है और झूठ व अनुमानों पर आधारित है। इसलिए मैं इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा।'

पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण ने रविवार को 21 टीवी चैनलों को शनिवार को आयोजित हुए मरियम के संवाददाता सम्मेलन को बिना संपादन के सीधा प्रसारण करने के लिए नोटिस जारी किए। टीवी चैनलों को नोटिस जारी करके सात दिनों के भीतर यह बताने के लिए कहा गया है कि क्यों न उनके खिलाफ प्राधिकरण के नियमों और आचार संहिता के तहत उचित कार्रवाई की जाए।

- मरियम का दावा है कि जवाबदेही अदालत इस्लामाबाद के न्यायाधीश अरशद मलिक ने उनकी पार्टी के समर्थक नसीर भट्ट के साथ बातचीत में यह स्वीकार किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ फैसला देने के लिए उन्हें '(अज्ञात लोगों के द्वारा) ब्लैकमेल और मजबूर' किया गया।
- मरियम ने कहा कि न्यायाधीश मलिक ने कहा था कि शरीफ के खिलाफ धनशोधन या कोई अन्य गलत वितीय लेन-देन मामले में कोई सबूत नहीं है। मलिक ने कहा था, उन्हें (शरीफ) को जेल भेजने के आदेश देने पड़े जिसके लिए वे पश्चताप कर रहे हैं।
- जवाबदेही अदालत न्यायाधीश मलिक ने रविवार को मरियम के आरोपों को खारिज किया और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को सबूत के आधार पर दोषी ठहराया गया था।
- पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण ने रविवार को 21 टीवी चैनलों को शनिवार को आयोजित हुए मरियम के संवाददाता सम्मेलन को बिना संपादन के सीधा प्रसारण करने के लिए नोटिस जारी किए। सात दिनों में जवाब मांगा।

दलाई लामा का जन्मदिन मनाने की अनुमति देने से नेपाल का इनकार

काठमांडो, 7 जुलाई (एएफपी)।

नेपाल में दलाई लामा का जन्मदिन मनाने का कार्यक्रम सरकार द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने के बाद रविवार को रद्द कर दिया गया। इसे नेपाल में पड़ोसी देश चीन के बढ़ते प्रभाव के एक और संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। नेपाल में करीब 20,000 तिब्बती शरण लिए हुए हैं, लेकिन बेजिंग के दबाव के चलते नेपाल की मौजूदा वाम सरकार शरणार्थियों की गतिविधियों पर सख्त रुख अपनाए हुए है।

काठमांडो के सहायक मुख्य जिला अधिकारी कृष्ण बहादुर कटुवाल ने कहा, 'अनुमति इसलिए नहीं दी गई क्योंकि वहां शांति और सुरक्षा को लेकर समस्या हो सकती है।' उन्होंने कहा, 'अब कुछ नहीं हो सकता लेकिन हमें अनुचित गतिविधियों और यहां तक कि आत्मदाह की संभावना को लेकर सजग रहना होगा।' इससे पहले, शनिवार को तिब्बती समुदाय के इलाकों में भारी सुरक्षा बल तैनात था। इनमें एक बौद्ध मठ भी शामिल है, जहां दलाई लामा का 84वां जन्मदिन मनाया जाना था। आयोजन समिति के एक सदस्य ने कहा, 'काफी तैयारी की जा चुकी थी, लेकिन आखिर में हमें अनुमति नहीं मिली। सरकार लगातार सख्त बनती जा रही है, हम क्या कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि परिवारों ने अपने आध्यात्मिक नेता के जन्मदिन को निजी तौर पर घर पर मनाया। 10 मार्च, 1959 को चीनी शासन के खिलाफ विद्रोह के बाद हजारों तिब्बती शरणार्थी सीमा पार कर नेपाल में आ गए थे, जिसकी वजह से दलाई लामा को शरण मांगनी पड़ी थी।

हत्या के आरोपी भारतवंशी दंपति को प्रत्यर्पित करने से ब्रिटेन का इनकार

लंदन, 7 जुलाई (भाषा)।

शराब कारोबारी विजय माल्या को प्रत्यर्पण आदेश के खिलाफ यूके हाई कोर्ट में अपील करने की इजाजत मिलने के बाद भारत को उस वक्त एक और झटका लगा, जब यहां की अदालत ने हत्या के मामले में भारतीय दंपति के प्रत्यर्पण के लिए भारत के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

भारतीय बैंकों के 9,000 करोड़ रुपए के बकाए की धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपी माल्या (63) ने दूसरा मौका मिलने का स्वागत किया है। दरअसल, यूके हाईकोर्ट ने भारतीय अधिकारियों द्वारा पेश किए गए प्रथम दृष्टया मामले के आधार पर किंगफिशर एअरलाइन (बंद हो चुकी) के पूर्व मालिक माल्या को उन्हें भारत के हवाले किए जाने के आदेश के खिलाफ अपील की इजाजत दी थी। उसी दिन, दो जुलाई को वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत की मुख्य मजिस्ट्रेट एम्मा आर्बुथनॉट ने भारतवंशी ब्रिटिश नागरिक आरती धीर और उनके पति कवल रायजादा से जुड़े मामले में फैसला सुनाया था। यह दंपति भारत में 11 वर्षीय दत्तक पुत्र गोपाल और रीबी रिश्तेदार की हत्या के मामले में वांछित है। संयोग से न्यायाधीश आर्बुथनॉट वही जज हैं, जिन्होंने माल्या के खिलाफ प्रत्यर्पण के समर्थन में फैसले में प्रथम दृष्टया मामला पाया था।

बांग्लादेश में आठ छात्राओं से बलात्कार, मदरसे का शिक्षक गिरफ्तार

ढाका, 7 जुलाई, (भाषा)।

बांग्लादेश के उत्तरी इलाके में बने मदरसे के एक अध्यापक को वहां पढ़ने वाली आठ छात्राओं से कथित रूप से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीडीन्यूज24 डॉट कॉम पर दी गई जानकारी के अनुसार अब्दुल खायेर बेलाली (33) नाम के अध्यापक ने एक साल पहले नेत्रोकोना जिले में बने मा हवा कौमी बालिका मदरसा में नौकरी शुरू की। उसे बलात्कार के प्रयास के मामले में पकड़ा गया। बेलाली पास की मस्जिद में मौलवी भी है और स्थानीय लोगों ने उसे पुलिस को सौंपने से पहले उसकी जमकर पिटाई की। शुक्रवार को जब वह दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली आठ साल की एक लड़की के साथ बलात्कार करने की कोशिश कर रहा था तो लड़की के चीखने चिल्लाने से लोगों को इसकी भनक लग गई।

तालिबान का हमला, 12 मरे व कई बच्चे घायल

गजनी, 7 जुलाई (एएफपी)।

पूर्वी अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा किए गए कार बम विस्फोट में कम से कम 12 व्यक्तियों की जान चली गई और कई लोग घायल हुए हैं। हमला ऐसे समय में हुआ है जब तालिबान

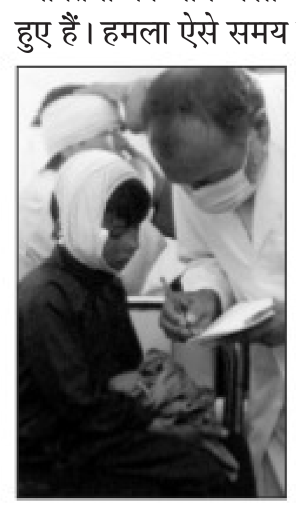

के प्रतिनिधि अमेरिकी वार्ताकारों और अफगान प्रतिनिधियों के साथ अफगानिस्तान में पिछले 18 साल से जारी हिंसा को समाप्त करने के लिए दोहा में शांति वार्ता कर रहे हैं।

गजनी के प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता अरेफ नूरी ने बताया कि पूर्वी शहर गजनी में रविवार को हुए आत्मघाती हमले का निशाना गजनी स्थित खुफिया इकाई का परिसर था। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता वाहिदुल्ला मयर ने बताया कि हमले में 12 व्यक्तियों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि, '179 लोग घायल हुए हैं, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक और बच्चे हैं।' व्हाट्सएप संदेश में तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली है। तालिबान-अमेरिका वार्ता के सातवें चरण के सफल रहने पर अमेरिका विभिन्न शर्तों पर अफगानिस्तान से अपने सैनिक वापस बुला सकता है।

हांगकांग में प्रदर्शन फिर शुरू

हांगकांग, 7 जुलाई (एएफपी)।

हांगकांग में सरकार विरोधी हजारों प्रदर्शनकारियों ने रविवार को रेलवे स्टेशन तक रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों का लक्ष्य विरोध प्रदर्शन के जरिए शहर में चीन समर्थक नेताओं पर दबाव बढ़ाना है। पिछले सोमवार को बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुआ था।

पिछले एक महीने से हांगकांग में प्रदर्शन चल रहा है। पुलिस के साथ लोगों की झड़पें भी हुई हैं। यह प्रदर्शन एक कानून के कारण किया जा रहा है जिसके जरिए लोगों को मुकदमे का सामना करने के लिए चीन भेजे जाने का प्रावधान है। प्रदर्शन के बाद विधेयक को लाने का प्रयास रोक लिया गया लेकिन लोगों का आक्रोश नहीं थमा है। अब इस प्रदर्शन में लोकतांत्रिक सुधार की मांग भी शामिल हो गई है। आयोजकों ने बताया कि मार्च के तहत सिम शा सूई में 2,30,000 लोग सड़कों पर आए।

चीनी पर्यटकों के बीच शहर का यह हिस्सा काफी लोकप्रिय है। पुलिस ने कहा है कि प्रदर्शन में 56,000 लोग शामिल हुए। आयोजकों का कहना है कि मार्च के जरिए वह शहर में आए चीन के लोगों को बताना चाहते हैं कि यह प्रदर्शन किसलिए चल रहा है। प्रदर्शनकारी विधेयक को पूरी तरह वापस लेने, पुलिस द्वारा आंसू गैस और रबड़ की गोलियों के इस्तेमाल की स्वतंत्र जांच कराने, गिरफ्तार लोगों के लिए माफी और शहर की गैर निर्वाचित नेता केरी लाम के पद से हटने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी एडिसन एंग ने कहा, 'हम चीन के पर्यटकों समेत तमाम पर्यटकों को दिखाना चाहते हैं कि हांगकांग में क्या हो रहा है और वो इस बारे में जानकर चीन लौटेंगे।'

द्वितीय विश्वयुद्ध का 500 किलो का बम निष्क्रिय करने की कवायद | 75 साल बाद भी खौफ | एक किलोमीटर का रिहायशी क्षेत्र खाली कराया गया

हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

फ्रैंकफर्ट एम मैन, 7 जुलाई (एएफपी)।

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के मुख्यालय के पास द्वितीय विश्वयुद्ध के समय का 500 किलोग्राम वजन का बम मिलने के बाद उसे निष्क्रिय करने के लिए वहां के हजारों बाशिंदों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

ईसीबी की इमारत के साथ-साथ आसपास के एक किलोमीटर क्षेत्र के रिहायशी इलाकों को भी खाली कराया गया है, जहां करीब 16,000 लोग रहते हैं। यह बम करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में तबाही मचा सकता है। फ्रैंकफर्टर एल्लजीमाइन जेइतुंग अखबार की खबर के मुताबिक ईसीबी की प्रवक्ता ने बताया कि हमने एक दूसरी जगह का इंतजाम किया है जहां से अगर जरूरी हुआ तो हमारे कर्मी काम करेंगे। यह अमेरिकी बम 25 जून को जर्मनी की बैंकिंग राजधानी फैंकफर्ट में निर्माण कार्य के दौरान मिला था।

आयुध क्लीयरेंस सर्विस ने बताया कि इस बम से तुरंत कोई खतरा नहीं है और इसे निष्क्रिय करने के लिए रविवार का दिन तय किया गया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के करीब 75 साल बाद भी जर्मनी में बम और अन्य विस्फोटक मिल रहे हैं।

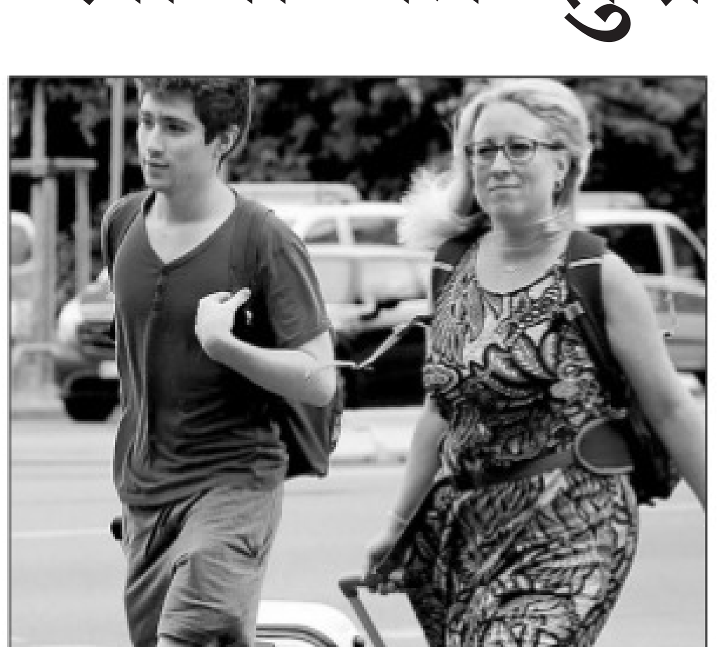

- **जर्मनी पर द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हवाई जहाजों से गिराए गए कम से कम 10 फीसद बम नहीं फटे थे जो समय-समय पर मिलते रहते हैं।**
- **जर्मनी में सितंबर 2017 में द्वितीय विश्वयुद्ध का एक बम मिला था, तब 60,00 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था**
- **जर्मनी में एक सप्ताह पहले एक बम निष्क्रिय किया गया था, इस दौरान बम को फोड़ा गया था जिससे बहुत बड़ा गड्ढा बन गया था**
- **जुलाई के शुरू में बर्लिन में बम निष्क्रिय किया गया था व 3000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था**
- यह अमेरिकी बम 25 जून को फैंकफर्ट में निर्माण कार्य के दौरान मिला था।

बजट और आर्थिक आंकड़ों का शेयर बाजार पर दिखेगा असर

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

केंद्रीय बजट का बहुत अधिक प्रभाव इस सप्ताह शेयर बाजारों पर देखने को मिल सकता है। इस हफ्ते जारी किए जाने वाले वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों का असर भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर सकता है।

बजट में सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाए जाने के प्रस्ताव के बाद बंबई शेयर बाजार का सूचकांक और एनएसई के निफ्टी में चार दिन से जारी बढ़त का सिलसिला शुक्रवार को थम गया था और दोनों शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि यह न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी को 25 फीसद से बढ़ाकर 35 फीसद करने का सही समय है।

सेंट्रम ब्रोकिंग की एक रपट में कहा गया है कि टीसीएस, विप्रो और डिमार्ट सहित 1,174 सूचीबद्ध कंपनियों को अपने प्रवर्तकों की 3.87 लाख करोड़ रुपए मूल्य की हिस्सेदारी को कम करना होगा।सैमको सिक्योरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक व सीईओ जीमित मोदी ने कहा कि सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रम खत्म हो गया है। इसका प्रभाव इस सप्ताह जारी रहेगा क्योंकि कुछ फैसलों का असर शेयर बाजारों पर देखने को मिलेगा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के खुदरा वितरण विभाग के अध्यक्ष जयंत मांगलिक ने कहा कि हमें सोमवार को भी केंद्रीय बजट का प्रभाव देखने को मिल सकता है। शेयर बाजारों में भारी गिरावट दिखाते हैं कि आने वाले समय में वे और टूट सकते हैं।

बाजार विश्लेषकों के मुताबिक बहुप्रतीक्षित बजट पेश किया जा चुका है। अब मध्य जुलाई से आने वाले पहले तिमाही के बिक्री परिणामों का असर बजट पर देखने को मिल सकता है। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति के आंकड़े, रुपए की चाल, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव सहित अन्य पहलुओं से इस सप्ताह बाजार की दिशा तय होगी।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रबंध निदेशक विशाल कम्पानी के मुताबिक राजग-2 के पहले बजट में पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का पक्का इरादा दिखता है। इस दिशा में कुछ ठोस व निर्णायक कदम उठाए गए हैं। जयोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों में सार्वजनिक हिस्सेदारी को बढ़ाने का प्रस्ताव जरूरी है लेकिन कुछ बड़ी बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में इससे लागू करने में व्यावहारिक दिक्कतें आएंगी। पिछले सप्ताह सूचकांक 118.75 अंक की बढ़त के साथ शुक्रवार को 39,513.39 अंक पर बंद हुआ था।

वित्त मंत्री सीतारमण आज आरबीआइ बोर्ड को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद की परंपरागत बैठक में सोमवार को संबोधित करेंगी। वह बजट में राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए उठाए गए कदमों सहित केंद्रीय बजट के अन्य प्रमुख बिंदुओं को इस बैठक में रेखांकित करेंगी।

फरवरी में पेश 2019-20 के अंतरिम बजट अनुमान की तुलना में गत शुक्रवार को पेश पूर्ण बजट में 6,000 करोड़ रुपए अधिक राजस्व की प्राप्ति का अनुमान लगाया गया है। इससे राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.3 फीसद पर सीमित रखने का अनुमान है।

अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटा 3.4 फीसद पर सीमित करने का लक्ष्य था। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 तक राजकोषीय घाटे (कुल व्यय और आमदनी के बीच के अंतर) को कम कर सकल घरेलू उत्पाद के तीन फीसद पर सीमित करने और प्राथमिक घाटे को पूरी तरह खत्म करने का खाका पेश किया है। किसी वर्ष विशेष में राजकोषीय घाटे और ब्याज खर्च के अंतर को प्राथमिक घाटा कहते हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्री केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल को बजट में की गई अन्य घोषणाओं के बारे में भी अवगत कराएंगी।

सरकार को नए कर प्रस्तावों से मिलेगा 30 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

सरकार को पेट्रोल-डीजल पर शुल्क व उपकर बढ़ाने, सोना व अन्य धातुओं पर आयात शुल्क में वृद्धि और धनाढ्यों के आयकर पर अधिभार बढ़ाने से यह अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा।

आम बजट में धनाढ्यों पर व्यक्तिगत आयकर और पेट्रोल-डीजल पर शुल्क बढ़ाने से चालू वित्त वर्ष में सरकार को सालाना 30,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

राजस्व सचिव अजय भूषण पांडे ने कहा कि सरकार को पेट्रोल-डीजल पर शुल्क व उपकर बढ़ाने, सोना व अन्य धातुओं पर आयात शुल्क में वृद्धि और धनाढ्यों के आयकर पर अधिभार बढ़ाने से यह अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। लेकिन कारपोरेट कर की 25 फीसद वाली निम्न दर का लाभ 400 करोड़ रुपए तक का कारोबार करने वाली कंपनियों तक बढ़ाने से राजस्व में नुकसान भी होगा। अभी यह दर 250 करोड़ रुपए तक के कारोबार वाले उपक्रमों पर लागू होती थी। इससे करीब 99.3 फीसद भारतीय कंपनियां 25 फीसद कर के दायरे में आ जाएंगी। लेकिन इससे सरकार को 4,000 करोड़ रुपए के वार्षिक राजस्व का त्याग करना होगा।

पेट्रोल-डीजल पर शुल्क और उपकर बढ़ाने से सरकार को चालू वित्त वर्ष के बाकी बचे नौ महीनों में 22,000 करोड़ रुपए का राजस्व मिलने की उम्मीद है। धनाढ्यों पर आयकर अधिभार में वृद्धि से 12-13 हजार करोड़ रुपए की वसूली हो सकती है। बजट में दो से पांच करोड़ रुपए की कर योग्य आय पर कर अधिभार की दर 15 से बढ़ाकर 25 फीसद और पांच करोड़ से अधिक की व्यक्तिगत आय पर कर अधिभार की दर 37 फीसद की गई है।

सोने व अन्य महंगी धातुओं पर आयात शुल्क 10 फीसद से बढ़ाकर 12.5 फीसद करने के कदम से खजाने को 3,000 से 4,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त राजस्व का फायदा होगा। लेकिन कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने से यह फायदा बराबर हो जाएगा।

बारिश कम होने से धान, दलहन व तिलहन की बुआई पिछड़ी

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

मानसून की प्रगति में शिथिलता के कारण देश में खरीफ फसलों की बुआई की रफ्तार भी धीमी है। अब तक खरीफ का रकबा 234.33 लाख हेक्टेयर पहुंचा है जो पिछले साल के मुकाबले 27 फीसद पीछे चल रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल इस मौसम में अब तक 319.68 लाख हेक्टेयर में फसल बोई जा चुकी थी।

मौसम विभाग के अनुसार इस साल बारिश सामान्य से 33 फीसद कम हुई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत भी कुछ देर से हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जुलाई-अगस्त में बारिश अच्छी रहेगी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार खरीफ की मुख्य फसल धान की बुआई पिछले सप्ताह के अंत तक 52.47 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही हुई जबकि पिछले साल इसी दौरान धान का रकबा 68.60 लाख हेक्टयेर तक पहुंच गया था। छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, ओड़ीशा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में धान की बुआई पिछड़ी है।

खरीफ की दलहनों की बुआई भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। अब तक इसका रकबा 7.94 लाख हेक्टेयर तक ही पहुंच सका है जबकि पिछले साल अब तक यह 27.91 लाख हेक्टेयर था। मोटे अनाज का रकबा भी एक साल पहले के 50.65 लाख हेक्टेयर की तुलना में अब तक 37.37 लाख हेक्टेयर ही पहुंचा है। इस दौरान मूंगफली, सूरजमुखी और सोयाबीन जैसी तिलहन फसलों की बुआई भी पिछड़ी हुई है। इनका रकबा 34.02 लाख हेक्टेयर ही पहुंच सका है जबकि पिछले साल अब तक 59.37 लाख हेक्टेयर तिलहनी फसल बोई गई थी।

गन्ने की बुआई में हल्की गिरावट देखने को है। पछले साल अब तक 51.41 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई हुई थी। इसके मुकाबले अभी यह 50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र तक ही पहुंची है। कपास और पटसन की बुआई भी कम बारिश से प्रभावित हो रही है। कपास का रकबा 54.60 लाख हेक्टेयर की तुलना में अभी 45.85 लाख हेक्टेयर ही है।

शीर्ष सात कंपनियों का पूंजीकरण 53,732 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

सूचीबद्ध शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह कुल मिलाकर 53,732.55 करोड़ रुपए बढ़ा। इसमें सबसे अधिक वृद्धि एचडीएफसी में रही।

शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस), इन्फोसिस और आइसीआइसीआइ बैंक ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनका बाजार पूंजीकरण घटा। समीक्षावधि में एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 14,941.11 करोड़ बढ़कर 3,93,135.72 करोड़ रुपए रहा। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,656.87 करोड़ बढ़कर 3,30,746.10 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का 7,925.16 करोड़ बढ़कर 6,76,480.35 करोड़ रुपए, कोटक महिंद्रा बैंक का 7,860.21 करोड़ बढ़कर 2,89,760.94 करोड़ रुपए और आइटीसी का 6,742.25 करोड़ बढ़कर 3,42,567.46 करोड़ रुपए रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,719.38 करोड़ बढ़कर 8,00,366.99 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का 887.57 करोड़ बढ़कर 3,87,802.46 करोड़ रुपए रहा।

वहीं टीसीएस की बाजार हैसियत 24,615.64 करोड़ घटकर 8,11,134.24 करोड़ रुपए, इन्फोसिस की 5,985.44 करोड़ घटकर 3,13,798.50 करोड़ और आइसीआइसीआइ बैंक की 610.96 करोड़ घटकर 2,81,494.51 करोड़ रुपए रहा।

'बजट पहलों से स्टार्टअप उद्यमों में निवेश प्रवाह बढ़ेगा'

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग के सचिव रमेश अभिषेक ने कहा है कि बजट में स्टार्टअप कंपनियों के लिए घोषित उपायों से नए विचारों के साथ खोले जाने वाले इन उद्यमों में पूंजी का प्रवाह बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि इस बजट में ऐसे उद्यमों के लिए एंजल कर को लेकर भय व आशंकाओं को दूर किया गया है। इससे इनमें पूंजी के प्रवाह में तेजी आएगी। बजट में स्टार्टअप कंपनियों के लंबित कर आकलन और कर संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा विशेष प्रशासनिक प्रबंध किए जाने का प्रस्ताव है। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि लंबित मामलों में कोई कर अधिकारी अपने पर्यवेक्षक की अनुमति के बिना जांच और सत्यापन की कार्रवाई शुरू नहीं करेगा। इससे स्टार्टअप उद्यमियों को अपने कारोबार पर अधिक ध्यान देने में मदद मिलेगी व नियामकीय अनुपालन बोझ घटेगा।

सरकार ने 16 जनवरी, 2016 को 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत नवप्रवर्तक उद्योगों और उद्यमिता को बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया था। विभाग ने अब तक 19,710 स्टार्टअप कंपनियों को मान्यता दी है। इनमें से 540 को एंजल कर से छूट मिल रही है। इससे पहले कुछ स्टार्टअप कंपनियों ने आयकर अधिनियम की धारा 56 (2) की उपधारा 7-बी के तहत एंजल निवेश पर कर अदा करने के नोटिस मिलने पर आपत्ति जताई थी।

'एअर इंडिया की बिक्री 4-5 महीने में पूरी होने की उम्मीद'

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

सरकार को उम्मीद है कि राष्ट्रीय एअरलाइन एअर इंडिया की बिक्री चार-पांच माह में पूरी कर ली जाएगी। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अतनु चक्रवर्ती ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 1.05 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य में एअर इंडिया की बिक्री शामिल नहीं है।

सरकार संभावित खरीदार को एअर इंडिया की सौ फीसद हिस्सेदारी की बिक्री की पेशकश कर सकती है। एअर इंडिया स्पेसिफिक अल्टरनेटिव मैकेनिज्म (एआइएसएएम) इस बाबत अंतिम फैसला करेगा। एआइएसएएम इस संबंध में फैसला लेने वाला मंत्रियों का एक समूह है। चक्रवर्ती ने कहा कि खरीदार द्वारा चेक दिए जाने के बाद ही आखिरकार यह (एअर इंडिया) बिकेगा।

ब्रिज एंड रूफ कं. (इंडिया) लि.
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
CIN : U27310WB1920GOI003601
दूसरा तल, जेबीएल प्लाजा, नं. 626, अन्ना सलाई, टेनमपेट, चेन्नई-600018

निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी)

निम्नलिखित कार्य के लिये प्रख्यात् साधन-सम्पन्न तथा अनुभवी पार्टियों जो आवश्यक योग्यता मानदंडों को पूरा करते हों, से दो भाग प्रणाली में वस्तु दर प्रस्ताव(वों) आमंत्रित हैं:

क्रम सं.	कार्य का विवरण तथा एनआईटी सं.	निविदा दस्तावेज बीएआर की वेबसाईट पर उपलब्ध है	बोली जमा करने की नियत तिथि
1.	5 वर्षों की वारंटी सहित पैन इंडिया बैसिस पर सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटों का डिजायन, अभियंत्रण, निर्माण, आपूर्ति एवं संस्थापन। एनआईटी सं.: बी एंड आर/एमडीएस/71104/ईईएसएल/एसएसएलएस/एनआईटी/0659 तिथि 4.7.2019	4.7.2019	15.7.2019

इच्छुक साधन-सम्पन्न ठेकेदार क. की वेबसाईट http://www.bridgeroof.co.in से निविदा दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं।
शुद्धिपत्र/संवर्धन, यदि कोई हो, केवल क. की वेबसाईट : http://www.bridgeroof.co.in पर ही प्रकाशित की जायेगी।

ब्रिज एंड रूफ कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
CIN : U27310WB1920GOI003601

एनआईटी सं.: एमओ/ ईएसटी (एम)-1226/ आईओसीएल कांडला/प्री बिड टाइअप/01 तिथि 08.07.2019

"कांडला, गुजरात में आईओसीएल एलपीजी इम्पोर्ट टर्मिनल के क्षमता विस्तार से संबंधित एलएसटीके परियोजना के सिलसिले में एमओयू के माध्यम से निविदा-पूर्व टाईअप में शामिल होने के लिए बोली पश्चात चरण में विस्तृत रेखांकन के निर्माण सहित बोली-पूर्व चरण में मूलभूत अभियांत्रिकी तथा मात्राओं के बिल के प्रावधान एवं विस्तृत डिजायन अभियांत्रिकी उपलब्ध कराने के लिए अभियांत्रिकी एसोसिएट की भर्ती" के कार्य के लिए आवश्यक योग्यता मानदंड पूरा करने वाले प्रख्यात् तथा अनुभवी पार्टियों से मुहरबंद प्रस्ताव आमंत्रित है। विवरणों के लिए कृपया हमारी वेबसाईट www.bridgeroof.co.in देखें। शुद्धिपत्र/ संवर्धन, यदि कोई हो, केवल कम्पनी की वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जाएगी। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथिः 12.7.2019 के 15.00 बजे तक है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

जेडओएसएआरबी, 13वां तल, बैंक ऑफ बड़ौदा बिल्डिंग, 16 संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, भारत, टेली.: 011-23448840/ 23448841, ई-मेल: armdel@bankofbaroda.com

मेगा ई-नीलामी बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 (6) तथा नियम (6) के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम (यहाँ के बाद अधिनियम वर्णित) के अंतर्गत प्रतिभूत अचल/चल परिसम्पत्तियों की बिक्री

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों तथा गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा (तात्कालिक विजया बैंक) के पास गिरवी/हाइपोथेकेट नीचे वर्णित सम्पत्तियों जिसका अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक/सांकेतिक कब्जा किया गया है, की लागू होने वाले ब्याज, लागत, चार्जेज आदि के साथ बैंक के बकाये की वसूली के लिये नीचे वर्णित नियमों पर मेगा ई-नीलामी द्वारा बिक्री की जायेगी प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली (यहाँ के बाद नियमावली के रूप में वर्णित) के नियम 6, 8 एवं 9 के अंतर्गत "**जैसा है जहाँ है जो कुछ भी वहाँ है तथा उपचार-रहित आधार**" पर नीचे वर्णित सम्पत्तियों की बिक्री की जायेगी।

क्रम सं.	शाखा	ऋणधारक/गारन्टर का नाम	सम्पत्ति के स्वामी	सम्पत्ति का विवरण सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना तिथि बकाया राशि	आरक्षित मूल्य ईएमडी बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय दस्तावेजों के साथ ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय
1.	जेडओएसएआरबी, नई दिल्ली	1. मै. आस्था सर्जिमेड लि. (ऋणधारक), पंजी. कार्यालयः 51, ए-1, लोकल शॉपिंग कॉम्प्लैक्स, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063, फैक्ट्रीः प्लॉट नं. 247, पॉकेज जी, सेक्टर-3, बवाना औद्योगिक क्षेत्र दिल्ली-110039 2. श्री हरि सिंह ठाकुर, पुत्र श्री नसीब सिंह 3. श्रीमती जयश्री, पत्नी श्री हरि सिंह ठाकुर, उपरोक्तः 2 एवं 3 निवासीः ए-1/130, 2रा तल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063 4. श्री सतपाल सिंह ठाकुर पुत्र श्री नसीब सिंह, निवासीः 2 ए, 4था तल, जिया सराई, दिल्ली-110016 (2, 3 एवं 4 गारन्टर हैं।)	श्री हरि सिंह ठाकुर	उक्त सम्पत्ति के नीचे कुल भूमि में अविभाजित, इन्डिवायजेबल तथा इम्पार्टिबल आनुपातिक शेयर के साथ ही साथ अन्य सभी अधिकारों, टाइटल हित, ईजीमेन्ट, ऑप्शन्स, विशेषाधिकारों, एपर्टिनेंसेस, फिटिंग्स एवं साजो-सामान चाहे जो कुछ भी हो, इलैक्ट्रिकल, सैनिटेशन्स, वुडन आदि के साथ ब्लॉक नं. ए-1, माप 200 वर्ग याईस, पश्चिम विहार, नई दिल्ली में आवासीय भूमि के प्लॉट सं. 130 पर निर्मित फ्रीहोल्ड सम्पत्ति (प्लिन्थ एरिया-1800 वर्ग फीट तथा कवर्ड एरिया-1400 वर्ग फीट) के ऊपरी मैजेनिन कमरे तथा छत/टैरेस अधिकारों के साथ सम्पूर्ण दूसरे तल से शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा तथा चौहद्दी इस प्रकार है। उत्तरः सम्पत्ति सं. ए-1/129, दक्षिणः सम्पत्ति सं. ए-1/131, पूर्वः रोड, पश्चिमः सर्विस लेन **निरीक्षण की तिथिः 16.07.2019**	2.1.2017 31.12.2016 को रु. 4,05,12,811.58 तथा वसूली यदि कोई हो, घटाकर सरफैसी अधिनियम की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी सूचना के अनुसार तिथि तक ब्याज तथा अन्य खर्चे आदि।	रु. 1,35,00,000/- रु. 13,50,000/- रु. 25,000/-	30.7.2019 को 1.00 बजे अप. से 3.00 बजे अप. तक 29.07.2019
2.	जेडओएसएआरबी नई दिल्ली	1. मै. एडविन्स हेल्थकेयर (प्रॉपराईटरशिप प्रतिष्ठान) (ऋणधारक) प्रतिनिधित्व द्वारा उसके एकाकी प्रॉपराईटर आशीष दहिया, पुत्र श्री भूप सिंह कार्यालयः नं. 2, मुस्तलिल नं. 52/4/1/1, नई बस्ती, वनखेर, नरेला, दिल्ली- 110040, साथ हीं: एचनं. 244/19, प्रीत विहार, पुराना डी.सी. रोड, सोनीपत-131001, 2. अतुल दहिया (गारन्टर), पुत्र श्री भूप सिंह, 3. स्नेहलता (गारन्टर) पत्नी श्री भूप सिंह, 4. ज्योति सिंह (गारन्टर), सभी निवासीः एच.नं. 244/9, प्रीत विहार, पुराना डी.सी. रोड, सोनीपत-131001	आशीष दहिया, अतुल दहिया एवं स्नेहलता	एच.नं. 244/19, प्रीत विहार, पुराना डी.सी. रोड, सोनीपत, हरियाणा में स्थित सम्पत्ति, क्षेत्रफल 237½ वर्ग याईस का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः धरमवीर का प्लॉट, दक्षिणः 20 फीट चौड़ी सड़क, पूर्वः नफे सिंह आदि का प्लॉट, पश्चिमः शिव दयाल का प्लॉट **निरीक्षण की तिथिः 17.7.2019**	1.7.2017 30.6.2017 को रु. 71,79,694.00 तथा वसूली यदि कोई हो, घटाकर सरफैसी अधिनियम की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी सूचना के अनुसार ब्याज तथा अन्य खर्चे आदि	रु. 74,60,000 /- रु. 7,46,000/- रु. 25000/-	30.7.2019 को 1.00 बजे अप. से 3.00 बजे अप. तक 29.7.2019
3.	जेडओएसएआरबी नई दिल्ली	मै. एनएलडीके टिम्बर्स प्रा.लि. (ऋणधारक) द्वारा उसके निदेशकों, पंजीकृत कार्यालयः सी-5/42, सफदरजंग डेवलपमेन्ट एरिया, नई दिल्ली-110016 साथ हीं: कॉर्पोरेट कार्यालयः एफ-230, लाडो सराय, नई दिल्ली-110030 2. श्री संजीव पसरीचा, पुत्र श्री डी.के. पसरीचा, निवासीः सी-5/42, सफदरजंग डेवलपमेन्ट एरिया, नई दिल्ली-110016 3. श्री जतिन पसरीचा, पुत्र श्री डी.के. पसरीचा, निवासीः सी-5/42, सफदरजंग डेवलपमेन्ट एरिया, नई दिल्ली-110016 4. श्री अभिनव पसरीचा, निवासीः सी-5/42, सफदरजंग डेवलपमेन्ट एरिया, नई दिल्ली-110016 (2, 3 एवं 4 गारन्टर्स हैं)	मै. एनएलडीके टिम्बर्स प्रा.लि.	10 कैफ्फ्लूरमेटल प्लेट्स, विभिन्न प्रकारों एवं डिजायन के मोल्डिंग, बोर्ड्स, रबर्स मोल्डिंग्स, जीआई- रिंग्स, विभिन्न आकारों एवं ग्रेड्स के सैंड पेपर, वुल, प्लाई- बोर्ड्स, बुडेड स्ट्रिप्स/ टैर्स, 7-स्टॉकिंग रैक्स, नट्स/ बोल्ट्स/ स्क्रूज, एधेसिव सामग्री, पॉलिशिंग सामग्री, वार्मिश, टूल्स, ड्राअर रैलिंग्स आदि से शामिल स्टॉक का सभी भाग तथा हिस्सा। **निरीक्षण की तिथिः 18.7.2019**	9.8.2016 29.7.2016 को रु. 11,92,60,113/- तथा वसूली यदि कोई हो, घटाकर सरफैसी अधिनियम की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी सूचना के अनुसार ब्याज तथा अन्य खर्चे आदि	रु. 8,80,000 /- रु. 88,000/- रु. 10000/-	30.7.2019 को 1.00 बजे अप. से 3.00 बजे अप. तक 29.7.2019

बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः जैसा कि संबंधित सम्पत्तियों के समक्ष दर्शाया गया है।
टिप्पणीः बोली आरक्षित मूल्य के बराबर या उससे कम पर स्वीकार की जायेगी।

ई-नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें
यह बिक्री निम्न नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी

1. नीलामी-सह-बिक्री का आयोजन **https://bob.auctiontiger.net** के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी पद्धत्ति द्वारा होगी।
2. यहां ऊपर अनुसूची में प्रतिभूत परिसंपत्तियों के पर्याप्त विवरणों को शामिल करने का प्रयास किया गया है। इस उद्घोषणा में किसी त्रुटि, कमी अथवा गलत विवरणों के लिए प्राधिकृत अधिकारी उत्तरदायी नहीं होंगे।
3. इच्छुक बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने तथा ई-नीलामी बिक्री में भाग लेने से पूर्व ई-नीलामी के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए पोर्टल **https://bob.auctiontiger.net** देखें तथा उपरोक्त वर्णित संबंधित संपत्तियों के लिए संबंधित प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क करें।
4. प्रतिभूत परिसंपत्ति की बिक्री आरक्षित मूल्य से नीचे या उसके बराबर की राशि में नहीं की जाएगी। नीलामी आरक्षित मूल्य से ऊपर एक इन्क्रीमेंट पर शुरू होगी तथा बोलीदाता यहां ऊपर वर्णित न्यूनतम् बोली वृद्धि राशि से अपने प्रस्ताव में सुधार कर आपस में बोली करने के लिए स्वतंत्र होंगे।
5. 10% धरोहर राशि (ईएमडी) का भुगतान विनिर्दिष्ट खाता जिसका विवरण इस प्रकार है, में ऊपर दर्शाई गई अंतिम तिथि को उससे पूर्व डिमांड ड्राफ्ट एनईएफटी/आरटीजीएस/निधि अंतरण द्वारा किया जाएगाः खाता नामः श्री प्रफुल्ल कुमार कार, अंचल तनावग्रस्त परिसम्पत्ति वसूली शाखा, बैंक ऑफ बड़ौदा, नई दिल्ली-110001, खाता नं. 601800301000395, आईएफएससी कोडःVIJB0006018
6. ईएमडी जमा किए होने वाले इच्छुक बोलीदाता पोर्टल में उपलब्ध कॉलम/ फिल्ड्स के अनुसार आधिकारिक पोर्टल **https://bob.auctiontiger.net** पर संबंधित सम्पत्तियों के समक्ष दर्शाई गई तिथि को या उससे पूर्व निम्न दस्तावेजों को अपलोड करें:
क) ईएमडी जमा करने का प्रमाण
ख) विधिवत भरा गया बोली प्रपत्र
ग) भारत सरकार द्वारा जारी इच्छुक बोलीदाता के फोटोग्राफ तथा आवासीय पते तथा पैन कार्ड से शामिल पहचान का प्रमाण की स्वतः सत्यापित प्रति। इन दस्तावेजों का ऑरिजिनल संबंधित प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।
घ) बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लागिन आईडी तथा पास्वर्ड जारी करने के लिए अनुरोध
7. इच्छुक बोलीदाता पोर्टल **https://bob.auctiontiger.net** पर अपना लागिन आईडी तथा पास्वर्ड बना सकते हैं। यदि लागिन आईडी, पास्वर्ड बनाने, डैटा अपलोड करने, ई बोली जमा करने, ई बोली प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आदि के लिए इच्छुक बोलीदाता को सहयोग की आवश्यकता हो तो वे मै. ई-प्रॉक्योरमेन्ट टेक्नालॉजीज लि., श्री विजय शेट्टी, मो. नं. +91-9619002431/9619120214, श्री राम, मोबाईल नं. +91-8000023297, ईमेल delhi@auctiontiger.net से सम्पर्क कर सकते हैं। ऑन लाइन वेबसाईट पर **https://bob.auctiontiger.net** अपलोडिंग के लिये तथा सम्पत्ति-संबंधी किसी भी प्रश्न के लिये संबंधित प्राधिकृत अधिकारी श्री प्रफुल्ल कुमार कार, सहायक महा प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, जेडओएसएआरबी, सम्पर्क नं. 7019672680, ईमेलः armdel@bankofbaroda.com से किसी भी कार्य दिवस को कार्यावधि के दौरान सम्पर्क किया जा सकता है।
8. केवल ऐसे बोलीदाताओं को ही ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी जिनके पास वैध यूजर आईडी तथा पास्वर्ड एवं एनईएफटी/ आरटीजीएस/ डीडी द्वारा ईएमडी के भुगतान का निश्चित प्रमाण होगा। प्राधिकृत अधिकारी को किसी या सभी बोलियों को स्वीकार या निरस्त करने का अधिकार प्राप्त है। पुनः, प्राधिकृत अधिकारी को उसका कोई भी कारण बताए बिना नीलामी प्रक्रिया की पूर्णता से पूर्व किसी भी समय नीलामी को निलंबित या रद्द या स्थगित या डिस्कंटीन्यू करने अथवा नीलामी की शर्तों में परिवर्तन करने का अधिकार प्राप्त है तथा इस संदर्भ में उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. यदि कोई बोली नीलामी के समापन समय के अंतिम 5 मिनट में प्रस्तुत की जाती है तो समापन का समय अगले 5 मिनट के लिए आगे बढ़ जाएगा।
10. यदि बोली प्रक्रिया की समाप्ति पर अन्य कोई बोली प्राप्त नहीं होती है तो उच्चतम राशि कोट करने वाले बोलीदाता (आरक्षित मूल्य से कम अथवा बराबर नहीं) को सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा। सफल बोलीदाता को तत्काल अथवा अधिकतम अगले कार्य दिवस तक उनके पक्ष में बिक्री की घोषणा होने पर 25% क्रय मूल्य (पहले जमा की गई ईएमडी राशि सहित) का भुगतान करना होगा, अन्यथा ईएमडी राशि जब्त कर ली जाएगी।
11. केवल 25% बिक्री का भुगतान कर देने मात्र से ही सफल बोलीदाता अपने पक्ष में बिक्री की पुष्टि करने के लिए अधिकृत नहीं होंगे। यह बिक्री ई-नीलामी के नियमों एवं शर्तों तथा इस आशय के लिए प्रतिभूत क्रेडीटर की पुष्टि के अधीन होगी।
12. यहां ऊपर क्रम सं. 10 के अनुसार राशि के भुगतान के बाद सफल बोलीदाता को प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री की पुष्टि के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकृत अधिकारी के पास शेष बिक्री मूल्य का भुगतान करना होगा, यदि वे उक्त राशि के भुगतान में विफल होते हैं तो उनके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्राधिकृत अधिकारी संपत्ति के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 (4) के अनुसार उन्हें उपलब्ध एक या अधिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र होंगे।
13. यदि सभी लागतों, चार्जेज तथा ऋणधारकों अथवा गारंटरों की ओर से बैंक द्वारा वहन किए गए खर्चे के साथ बैंक की बकाया का बिक्री के लिए निर्धारित तिथि को या उससे पूर्व किसी भी समय भुगतान कर दिया जाता है तो कोई बिक्री नहीं की जाएगी।
14. सभी सांविधिक देयताओं/ एटेन्डेन्ट चार्जेज/ पंजीकरण शुल्क, स्टाम्प शुल्क, कर आदि सहित सभी बकाए का वहन सिर्फ क्रेता को ही करना होगा।
15. बिक्री प्रमाणपत्र उस नाम से जारी किया जाएगा जिसमें बोली जमा की गई हो।
16. बैंक ने उसे ज्ञात अधिभारों को प्रकट कर दिया है। प्राधिकृत अधिकारी अथवा बैंक ई-नीलामीकृत संपत्तियों के संदर्भ में किसी चार्ज, लियन अथवा सरकार या किसी अन्य के किसी बकाए के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। इच्छुक बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि सांविधिक देयताओं, संपत्ति कर के बकाए, बिजली के बकाए आदि सहित संपत्ति के अधिभारों के संदर्भ में अपनी स्वतंत्र जांच कर लें।
17. बोलीदाता उपयुक्त इंटरनेट कनैक्टिविटी, पावर बैक अप आदि की व्यवस्था कर लें। इंटरनेट व्यवधान, पावर फैल्योर अथवा तकनीकी कारणों अथवा ई-नीलामी को प्रभावित करने वाले कारण/ आकस्मिकताओं के लिए बैंक उत्तरदायी नहीं होगा।
18. बैंक, यदि उपयुक्त समझे, किसी एक या अधिक संपत्तियों के लिए बोली कर सकता है।
19. प्राधिकृत अधिकारी को स्वेच्छा से नीलामी को निरस्त करने अथवा बोली को रद्द करने का अधिकार प्राप्त है।

बोलीदाता स्वयं के हित में अंतिम मिनट तथा सैकेंड्स की बोली से बचें। न ही बैंक अथवा सेवा प्रदाता किसी व्यवधान/ चूक (पावर फैल्योर, इंटरनेट फैल्योर आदि) के लिए वेंडर की ओर से उत्तरदायी नहीं होंगे। इस प्रकार की आकस्मिक परिस्थितियों से बचने के लिए बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि सभी आवश्यक व्यवस्था/ विकल्पों जैसे पावर बैक अप आदि सुनिश्चित कर लें ताकि वे इस प्रकार की आकस्मिकताओं से बच सकें तथा सफलतापूर्वक नीलामी में भाग ले सकें। कंट्रोलर ऑफ सर्टिफाइंग ऑथोरिटीज (सीसीए) द्वारा निर्गत नए इंटरोपैरैबिलिटी गाइडलाइन्स के अनुसार ई-प्रापण अनुप्रयोग के लिए सिक्योर्ड सॉकेट लेयर (एसएसएल) प्रमाण पत्र एन नए एल्गोरिथ्म, SHA 2 पर निर्मित किया जाता है। साथ ही, इन प्लेटफार्म के लिए लागू होने वाले डिजीटल प्रमाण पत्र SHA 2 पर एल्गोरिथ्म अनुपालक होना चाहिए। इसके लिए यूजर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित पीसी/ लैपटॉप में विंडोज XP (SP 3)/ विंडोज विस्टा/ विंडोज 7 संस्थापित हो। विंडोज XP सर्विस पैक-3 के मामले में यदि आपको कोई ईस्यु मिले, आप एसएसएल पैच संस्थापित कर सकते हैं जो हमारी ई-नीलामी पोर्टल के डाउनलोड खंड में उपलब्ध है। विस्तृत नियम एवं शर्तें बैंक की वेबसाईटः www.bankofbaroda.com पर भी अपलोड की गई है।

ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर के लिए 15 दिनों की सांविधिक बिक्री सूचना

एतद्द्वारा उपरोक्त ऋणधारकों/ गारंटरों को सूचित किया जाता है कि नीलामी की तिथि से पूर्व संपूर्ण अद्यतन ब्याज सहित उपरोक्त राशि का भुगतान करें जिसमें विफल होने पर संपत्ति की नीलामी/ बिक्री कर दी जाएगी तथा शेष बकाया, यदि कोई हो, ऋणधारकों/ गारंटरों से ब्याज तथा लागत के साथ वसूल की जाएगी।

स्थानः नई दिल्ली, तिथिः 08.07.2019, प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

फार्म नं. आईएनसी-26
(कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसरण में)
केन्द्रीय सरकार क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के समक्ष यथा संशोधित कम्पनी अधिनियम, 2013 के कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(5) (ए) के मामले
और
ओम स्टाफिंग एंड लेबर सॉल्यूशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
(CIN: U74140DL2014PTC267285)
जिसका पंजीकृत कार्यालय : **प्लॉट नं. 23 और 24 ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक-एफ, गांधी विहार, (नियर मुखर्जी नगर) दिल्ली-110009 में हैं, के मामले में**
....आवेदक कंपनी/ याचिकाकर्ता
एतद्द्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत कम्पनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में परिवर्तन लाने हेतु पुष्टिकरण के लिए केंद्र सरकार को आवेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव किया है, यह विशेष प्रस्ताव एक असाधारण आम बैठक में कम्पनी को सक्षम करने हेतु **14 जून, 2019** को आयोजित बैठक में पंजीकृत कार्यालय को "**राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली**" से "**उत्तराखंड प्रदेश राज्य**" में बदलने हेतु पारित किया गया।
यदि किसी व्यक्ति का हित कम्पनी में इस पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित हो, तो वे इसका कारण देते हुए आपत्ति हलफनामा में उल्लेख करते हुए जिसमें उनके हित / विपक्ष के आधार हों, एमसीए-21 पोर्टल (**www.mca.gov.in**) पर निवेशक शिकायत फार्म दर्ज करें या क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, बी-2 विंग, दूसरा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली -110003 को पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित करें तथा इसकी एक कॉपी आवेदक कम्पनी को इसके पंजीकृत कार्यालय **प्लॉट नं. 23 और 24 ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक-एफ, गांधी विहार, (नियर मुखर्जी नगर) दिल्ली-110009** पर इस सूचना के छपने के 14 (चौदह) दिनों के भीतर भेज दे।
कृते **ओम स्टाफिंग एंड लेबर सॉल्यूशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड**
दिनांकः 06 जुलाई, 2019 हंस राज (निदेशक)
स्थानः दिल्ली डीआईएनः 06812075

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED
CIN: L27320WB1964GOI026211
आयातित नॉन-कोकिंग कोयले की आपूर्ति के लिए सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं की सूचीबद्धता हेतु निविदा
निविदा संख्या : एमकेटीजी/एनसी. कोल/सप्लायर/ ईएनक्यू-01/2019 दिनांक : 08.07.2019
ऑनलाइन इवेंट सं. : एमएसटीसी/19-20/ईटी/23
एमएसटीसी लिमिटेड विद्युत उपयोगिताओं/खरीदारों के लिए नॉन-कोकिंग कोयले की आपूर्ति के लिए सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं के रूप में सूचीबद्धता हेतु पात्र बोलीदाताओं से वेबसाइट **www.mstcecommerce.com/eprochome** पर ऑनलाइन बोली के जरिये प्रस्ताव आमंत्रित करता है। ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय : 29.07.2019 को दोपहर 12:00 बजे।
निविदा दस्तावेज एमएसटीसी/सीपीपी की वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकेंगे। तत्पश्चात विवरण एवं संशोधनों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.mstcindia.co.in** देखें। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधनी/परिशिष्ट/संयोजनी/समय का विस्तार/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, सिर्फ एमएसटीसी की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। बोलीदाता खुद को अद्यतन रखने के लिए उपर्युक्त वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।

NOTICE
Notice is hereby given that the **share certificates No(s) 656539 & 715294 for 1000 shares bearing distinctive No(s) 267949926 to 267950425 & 537310876 to 537311375** standing in the name of **Sunil Kumar Sharma** in the books of **M/s Bajaj Finance Limited**, have been lost and the advertiser has applied to the company for issue of duplicate share certificate in lieu thereof. Any person who has claim on the said shares should lodge such claim with the Company's Registrars and Transfer Agents viz **Karvy Fintech Private Ltd.**, Karvy Selenium Tower B, Plot Number 31 & 32 Financial District Gachibowli, Hyderabad 500 032 within **15 days** from the date of this notice falling which the company will proceed to issue duplicate share certificate in respect of the said shares
Date: 08.07.2019
Name of the shareholder
Sunil Kumar Sharma
C-16, Third Floor, Shivalik, Malviya Nagar, New Delhi 110017

कार्यालय प्रयागराज मेला प्राधिकरण, प्रयागराज।
त्रिवेणी भवन, वेणी बाँध, दारागंज, प्रयागराज।
ऑफिस-0532-2504011, फैक्स-0532-2500775

ई-निविदा Scheme for allotment of shops at Quila Ghat Marg, Mahaveer Marg and Parade Ground आमन्त्रण सूचना

प्रयागराज मेला प्राधिकरण क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु दुकानों के आवेटन हेतु निविदा संख्या- 01 Scheme for allotment of shops at Quila Ghat Marg, Mahaveer Marg and Parade Ground हेतु आनलाइन निविदाएं उत्तर प्रदेश की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त निविदा से सम्बन्धित अभिलेख वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिन्हें दिनांक 08.07.2019 से 27.07.2019 को मध्यान्ह 2.00 बजे तक डाउनलोड/ अपलोड डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (DSC) के द्वारा किया जा सकता है। आनलाइन प्राप्त निविदा दिनांक 27.07.2019 को अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी। निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी तथा शर्तें वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

मेलाधिकारी,
कुम्भ मेला, प्रयागराज।

राजस्थान विधानसभा सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा

सदन जितना चलेगा, सरकार उतनी ही जवाबदेह और पारदर्शी बनेगी

जयपुर, 7 जुलाई (भाषा)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा जितनी ज्यादा चलेगी, सरकार उतनी ही जवाबदेह और पारदर्शी बनेगी क्योंकि सदन के माध्यम से हर जिले, गांव, ढाणी की समस्याओं का सरकार को पता चलता है।

राजस्थान विधानसभा में रविवार को विधानसभा सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिड़ला ने कहा कि देश और राज्य हित में विधानसभा और लोकसभा के सदस्यों को विधायी चर्चा के दौरान पार्टी लाइन से ऊपर उठकर भाग लेना चाहिए। राजस्थान विधानसभा के पूर्व में सदस्य रह चुके बिड़ला ने कहा कि सदन में विपक्षी सदस्यों का आसन के समक्ष जाना उचित नहीं है क्योंकि इसके चलते सदन को स्थगित करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'आसन के समक्ष जाने से कोई सदस्य नेता नहीं बन जाता। इसके बजाय जनता की आवाज को सदन ज्यादा ज्यादा से उठाना चाहिए।

बिड़ला ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा में कानून बनाते समय सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब लोकसभा सही तरीके से चलेगी तो राज्य विधानसभाओं को भी उसका अवलोकन करना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों को नियमों के तहत अपने मुद्दे उठाने चाहिए और मर्यादा में रहकर तथ्यों के आधार पर आरोप लगाने चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि सत्र लंबे होने चाहिए और सदस्यों को राज्य और देश हित में पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सदन में चर्चा में भाग लेना चाहिए। लंबे सदनों की कार्यवाही सरकार को ज्यादा जवाबदेह बनाती है। इसी तरह उन्होंने कहा कि सदनों में ज्यादा प्रश्न उठाए जाने से संबंधित मंत्रियों को अपने विभागों की अच्छे तरीके से समीक्षा करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने सुझाव दिया कि जब सदन चल रहा हो तो सदस्यों को ज्यादा से ज्यादा समय सदन में व्यतीत करना चाहिए क्योंकि इससे ज्यादा सीखने को मिलता है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रबोधन कार्यक्रम से सदस्यों की क्षमता बढ़ेगी और संसदीय प्रक्रियाओं के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से विधानसभा के सदस्यों को संसदीय परंपराओं के बारे अपनी समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी। विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया और संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने प्रबोधन उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान विधानसभा के सभी वर्तमान सदस्य और कई पूर्व सदस्य भी मौजूद रहे।

जयपुर में रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का स्वागत करते मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी।

42 पुलिस अफसरों को थानेदार न बनाए जाने का आदेश

वजह, शराबबंदी के बाबजूद शराब बिक्री न रोक पाना

भागलपुर, 7 जुलाई (जनसत्ता)।

बिहार में शराबबंदी के बाबजूद शराब बिक्री पर रोक न लगा पाने की वजह से 42 इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों को थानेदार न बनाए जाने का आदेश आइजी मद्य निषेध ने शनिवार को जारी किया है। हालांकि पुलिस एसोसिएसन में इसको लेकर अंदरूनी मर्मरी भी है। जानकार बताते हैं कि इनलोगों ने इस बाबत आपत्ति भी दर्ज कराई है। इस बाबत जारी अधिसूचना संख्या 441 दिनांक 6 जुलाई 19 पर एसपी मद्य निषेध अशोक कुमार के हस्ताक्षर है। जिसकी कापी जिलों के एसएसपी के साथ रेंज डीआइजी और आइजी को भी भेजी गई है। जिसमें नौ इंस्पेक्टर और 33 सब-इंस्पेक्टरों के नाम के साथ वर्तमान पदस्थापना और जहां वे पहले पदस्थापित थे और दोषी पाए गए वहां का स्थान अंकित है।

इधर 10 और 25 जून को अपराध पर काबू व शराबबंदी को कड़ाई से लागू करने के उद्देश्य के लिए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ पुलिस के आलाधिकारियों की हुई बैठक के बाद पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडे काफी हरकत में हैं। उन्होंने भागलपुर, नौगछिया, बांका, जहानाबाद, कटिहार, किशनगंज और पूर्णिया पहुंच थानों का औचक मुआयना किया है। और कोताही बरतने वाले थानेदार समेत पूरे थाने के पुलिसकर्मियों को बदल दिया।

भरोसे लायक सूत्रों के मुताबिक अब सरकार ने बिहार के दो प्रमंडल गया और पूर्णिया में भी आइजी जोन का गठन कर आइजी रैंक की पोस्टिंग करने जा रही है। अभी तक बिहार के चार प्रमंडल पटना, मुजफ्फरपुर (तिरहुत) दरभंगा और भागलपुर में ही आइजी बैठते हैं। फिलहाल गया-पटना आइजी और पूर्णिया-दरभंगा आइजी के अधीन है। अब दो नए बनाए जाने वाले आइजी जोन के तहत दस जिले होंगे।

इसके अलावे बिहार में ग्यारह डीआइजी रेंज है। आइजी और डीआइजी सीधे पुलिस महानिदेशक को अपनी रिपोर्ट भेजते हैं। अब कई डीआइजी रेंज सरकार खत्म करने पर विचार कर रही है। लेकिन पुलिस के सामने अब यह बड़ी चुनौती बन गई है कि अपराध काबू में करें या शराब बिक्री को रोकें।

छोटे राजनीतिक कार्यकाल में बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं सीतारमण ने

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपेक्षाकृत अपने छोटे राजनीतिक कार्यकाल में ऐसी मंजिलें हासिल की हैं जहां पहुंचने में अनेक दिग्गज राजनीतिज्ञों को लंबा जीवन खपाना पड़ता है। थोड़े समय में भारत जैसे देश के लिए रक्षा (शक्ति) और वित्त (ऐश्वर्य) के प्रबंध की जिम्मेदारी मिलना किसी भी व्यक्ति के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सीतारमण से पहले 1970-71 में प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी ने वित्त मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली थी। अपने पहले बजट में नई सोच और साहस का परिचय देते हुए सीतारमण ने पहली बार भारत सरकार के ट्रेजरी बांड को विदेशों में बेचकर धन जुटाने की घोषणा की है। उन्होंने शालीनता का परिचय देते हुए परंपरा से हटकर चमड़े के बैग के बजाए लाल रंग के कपड़े से बने बस्ते में ही बजट दस्तावेज लाना बेहतर समझा। उन्होंने इस बारे में कहा, 'यह अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही परंपरा है। इसके बजाए हमें भारतीय तौर-तरीकों को अपनाना चाहिए। भारतीय परंपरा में बही-खातों की भी पूजा की जाती है।' मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में बतौर उनके रक्षा मंत्री रहते पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर जवाबी हमले हों या रक्षा उपकरणों की खरीद, सीतारमण ने राजनीति में महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा गढ़ी और मोदी सरकार के ओजस्वी, कार्यकुशल और साहसी केंद्रीय मंत्रियों में अपनी जगह बनाई है।

तमिलनाडु के मदुरै में 18 अगस्त 1959 को जन्मीं सीतारमण को ऐसे नाजुक समय में

● अपने पहले बजट में नई सोच और साहस का परिचय देते हुए सीतारमण ने पहली बार भारत सरकार के ट्रेजरी बांड को विदेशों में बेचकर धन जुटाने की घोषणा की है

● वित्त मंत्री व्यापार युद्ध और नव-संरक्षणवाद के वर्तमान दौर में भी रुपए की वैश्विक स्थिरता को लेकर आत्मविश्वास से भरी हैं

वित्त मंत्री बनाया गया जब वैश्विक स्तर पर अमेरिका - चीन के बीच व्यापार युद्ध के कारण सुस्ती और नव-संरक्षणवाद पर जोर बढ़ रहा है। अर्थशास्त्र की छात्रा रही निर्मला सीतारमण ने अपने पहले बजट में नई सोच और साहस का परिचय दिया है। उन्होंने पहली बार भारत सरकार के ट्रेजरी बांड को विदेशों में बेचकर धन जुटाने का साहस दिखाकर देश के वित्तीय क्षेत्र में भी 'बालाकोट' जैसा इतिहास जोड़ा है। यह निर्णय दिखाता है कि वित्त मंत्री व्यापार युद्ध और नव-संरक्षणवाद के वर्तमान दौर में भी रुपए की वैश्विक स्थिरता को लेकर आत्मविश्वास से भरी हैं।

उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सीतारमण के रक्षा मंत्री रहते हुए जम्मू कश्मीर में पुलवामा में आतंकवादी हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमले किए थे।

सीतारमण ने तिरुचिरपल्ली के सीतालक्ष्मी रामस्वामी कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक और देश के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में एम.फिल की डिग्री हासिल की है। उन्होंने महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा जैसे भाजपा शासित राज्यों में आसन्न चुनाव के बावजूद डीजल और पेट्रोल पर बजट में शुल्क बढ़ाकर राजकोषीय अनुशासन को प्राथमिकता दी है।

बजट बाद एक साक्षात्कार में सीतारमण ने कहा, 'मैं हूं तो नियमों का पूर्ण अनुपालन किया जाएगा। राजकोषीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) कानून है और मुझे उसका अनुपालन करना ही है। बजट में राजकोषीय घाटे को 3.3 फीसद पर सीमित रखने का लक्ष्य है।' वित्त मंत्री ने उद्योगों की मांग और अनुमानों के विपरीत सोने पर शुल्क 10 से बढ़ाकर 12.5 फीसद कर दिया। उन्होंने माल व सेवा कर (जीएसटी) लागू होने से पहले के उत्पाद व सेवा कर से जुड़े मुकदमों में फंसे करीब 4 लाख करोड़ रुपए के कर की वसूली के लिए विरासती विवाद समाधान योजना पेश की है। इसके अलावा एक तरफ धनाढ्यों पर कर बढ़ाकर और दूसरी तरफ व्यापारियों व कृषकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर व्यय में वृद्धि कर गांव, गरीब व किसान की मोदी सरकार की छवि को और निखारा है।

उन्हें तीन सितंबर 2017 को नरेंद्र मोदी की सरकार में रक्षा मंत्री बनाया गया था। इससे पहले 2014 में उन्होंने वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार संभाला था। यह प्रभार संभालने से पहले वह सुषमा स्वराज के बाद पार्टी की दूसरी महिला प्रवक्ता रहीं। कर्नाटक से राज्यसभा की सदस्य सीतारमण 2008 में भाजपा में शामिल हुई थीं और उन्हें 2014 में नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में कनिष्ठ मंत्री के तौर पर जगह दी गई। इसके अलावा वह 2003 से 2005 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आई बाढ़ के कारण जलमग्न हुए खेड़ गांव के ग्रामीण।

तनुश्री दत्ता ने पुलिस की रिपोर्ट का किया विरोध

रिपोर्ट के खिलाफ याचिका दायर करने का समय मिला

मुंबई, 7 जुलाई (भाषा)।

अदाकारा तनुश्री दत्ता ने मुंबई की एक अदालत में पुलिस के उन दावों का विरोध किया, जिसमें उसने नाना पाटेकर के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में कोई सबूत न मिलने का दावा किया था।

पिछले साल पाटेकर के खिलाफ लगाए गए तनुश्री के यौन उत्पीड़न के आरोप से सोशल मीडिया पर राष्ट्रव्यापी '#मी टू' मुहिम शुरू हो गई थी। अंधेरी में एक मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष 12 जून को उपनगरीय ओशिवरा पुलिस ने 'बी समरी' रिपोर्ट दायर की थी।

आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दायर करने और सुनवाई शुरू करने के लिए पर्याप्त सबूत न मिलने पर पुलिस 'बी समरी' रिपोर्ट दायर करती है। तनुश्री दत्ता के वकील नितिन सातपुते ने मजिस्ट्रेट अदालत को शनिवार को कहा कि हम 'बी समरी' रिपोर्ट का विरोध करते हैं।

सातपुते ने कहा, 'अदालत ने हमें पुलिस की 'बी समरी' रिपोर्ट के खिलाफ हलफनामा या याचिका दायर करने का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब सात सितम्बर को होगी।' गौरतलब है कि तनुश्री ने अक्तूबर 2018 में पाटेकर के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी। अदाकारा ने आरोप लगाया था कि अभिनेता ने 2008 में 'हॉर्न ओके प्लीज' फिल्म के सेट पर एक गाने की शूटिंग के दौरान उन्हें परेशान किया और उनके साथ बदसलूकी की।

अदाकारा ने यह भी आरोप लगाया कि गाने की शूटिंग के दौरान पाटेकर ने उन्हें अनुचित तरीके से छुआ था, जबकि उन्होंने (तनुश्री ने) पहले ही साफ-साफ कह दिया था कि वह (शूटिंग के दौरान) अश्लील या असहज करने वाले डांस स्टेप नहीं करेंगी।

पाटेकर के अलावा कोरियोग्राफर गणेश आचार्य, फिल्म निर्माता समी सिद्दिकी और निर्देशक राकेश सारंग के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था। 'बी समरी' रिपोर्ट से आचार्य, सिद्दिकी और सारंग भी मामले में आरोप मुक्त हो गए हैं।

आरोपियों पर भादंवि की धारा 354 और 509 के तहत मामला दर्ज किया गया लेकिन अभी तक मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सूचना देने से इनकार पर सीआइसी ने डीओपीटी को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 7 जुलाई (भाषा)।

सीआइसी ने सूचना आयुक्तों की नियुक्ति और पारदर्शिता कानून से जुड़े रिकॉर्ड देने से इनकार करने के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को फटकार लगाई है। सीआइसी ने कहा कि यह कानून की आत्मा का गला घोंटना है।

मुख्य सूचना आयुक्त (सीआइसी) सुधीर भार्गव ने कोमोडोर लोकेश बत्रा (सेवानिवृत्त) को सूचना आयुक्तों की नियुक्ति और आरटीआइ कानून से जुड़ी सूचना देने से इनकार करने के लिए गलत तरीके से धारा 8 (1आइ) का हवाला देने के लिए मंत्रालय को फटकार लगाई।

उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान मामले में जो सूचना देने से इनकार किया गया है वह आरटीआइ कानून के तहत सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है।' भार्गव ने कहा कि आयोग तत्कालीन केंद्रीय जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआइओ) की निंदा करता है, जिन्होंने आरटीआइ कानून की धारा 8 (1आइ) का हवाला दिया है और वर्तमान सीपीआईओ को चेतावनी दी जाती है कि जवाब देने में इस तरह बिना सोचे समझे काम नहीं करें।

सीआइसी ने निर्देश दिया कि इस आदेश को मंत्रालय के सचिव के समक्ष रखें और उसे बताए कि आयोग ने इसमें विपरीत टिप्पणी दी है।

ओड़ीशा के मंत्रियों ने पटनायक को भेजीं रिपोर्ट

भुवनेश्वर, 7 जुलाई (भाषा)।

ओड़ीशा में सभी मंत्रियों ने बीजू जनता दल (बीजद) के चुनावी घोषणा पत्र के क्रियान्वयन के लिए उठाए गए कदमों पर अपनी पहली मासिक विभागीय समीक्षा रिपोर्ट मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को सौंप दी है।

एक आधिकारिक बयान में रविवार को बताया गया कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंत्रियों को निर्देश दिया था कि वे हर महीने की सात तारीख तक यह रिपोर्ट भेजें।

मंत्रियों ने अंतिम समय सीमा से एक दिन पहले अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी। मंत्रियों ने इन रिपोर्टों में पिछले एक महीने में उठाए कदमों का ब्यौरा दिया और अपने विभाग की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया है।

अपनी पारी खेल चुका हूं : हरीश रावत

कहा, कांग्रेस पार्टी और जनता की सेवा करते रहेंगे

देहरादून, 7 जुलाई (भाषा)।

चार दिन पहले कांग्रेस महासचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने रविवार को सक्रिय राजनीति छोड़ने का संकेत देते हुए कहा कि वह अपनी पारी खेल चुके हैं और अब अपने परिवार तथा मित्रों के साथ समय बिताना चाहते हैं।

गत तीन जुलाई को कांग्रेस महासचिव पद से इस्तीफा देने के अपने फैसले को सोशल मीडिया के जरिए साझा करने वाले उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने हाल में लोकसभा चुनावों में असम में पार्टी को मिली करारी हार को अपने इस्तीफे की वजह बताया। रावत असम में पार्टी मामलों के प्रभारी थे।

अपने ट्वीट में रावत ने लिखा था, 'मैंने अपनी कमजोरी महसूस की है और महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है।' यहां एक बातचीत में रावत ने कहा कि वह अपनी पारी खेल चुके हैं और अब अपने परिवार तथा मित्रों के साथ समय बिताना चाहते हैं। चुनावी दृष्टि से रावत के लिए पिछले कुछ साल अच्छे नहीं रहे और उनके बयानों को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

उन्होंने इस बार उत्तराखंड की नैनीताल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अजय भट्ट के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। इससे पहले भी, उनके मुख्यमंत्री रहते हुए 2017 राज्य विधानसभा चुनावों में भी न केवल कांग्रेस महज 11 सीटों पर सिमट गई, वह खुद भी दोनों विधानसभा सीटों, हरिद्वार ग्रामीण और किच्छा से चुनाव हार गए थे।

हालांकि, यह पूछे जाने पर कि क्या वह राजनीति से संन्यास लेने का संकेत दे रहे हैं, रावत ने इसका सीधा जवाब न देते हुए कहा कि वह कांग्रेस पार्टी तथा जनता की सेवा करते रहेंगे और सेवा करने के लिए किसी पद की दरकार नहीं होती। लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से रावत देश तथा प्रदेश में जगह-जगह भ्रमण कर रहे हैं। इस संबंध में पूछे जाने पर रावत ने कहा कि इसके जरिए वह यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि कांग्रेस की दृष्टि से लोकसभा चुनावों में आखिर क्या गलत हो गया।

उन्होंने कहा कि एक नेता में अपने कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी गुण होने चाहिए और राहुल गांधी में ये गुण हैं। उन्होंने कहा कि उनका विश्वास है कि अगर राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने रहे तो 2022 में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में स्थिति बदली जा सकती है।

बुजुर्ग को ट्रेन पर न चढ़ने देने पर जंक्शन अधीक्षक निलंबित

इटावा, 7 जुलाई (जनसत्ता)।

वैध टिकट के बाद भी गांधीवेश धारी एक यात्री रामअवधदास को शताब्दी एक्सप्रेस में सवार न होने देने के मामले में इटावा के जंक्शन अधीक्षक पूरनमल मीना को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि मुख्य वाणिज्य निरीक्षक की जांच रिपोर्ट के बाद जंक्शन अधीक्षक मीना को मामले को सही परिप्रेक्ष्य में समझ न पाने और समय रहते दोषियों के खिलाफ कार्रवाई न करने पर निलंबित कर दिया गया। गुरुवार को उक्त यात्री को रेल में चढ़ने नहीं दिया गया था, जबकि उनके पास आरक्षित सीट का टिकट था। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी

मुख्य वाणिज्य निरीक्षक की जांच रिपोर्ट के बाद की गई कार्रवाई

हिमांशु शेखर उपाध्याय ने घटना से संबंधित रेलवे स्टाफ से पूछताछ की। उन्होंने टीटीई रूपेश कुमार और आरपीएफ सिपाही दलबीर सिंह के बयान लिए। दोनों ही घटना के समय मौजूद थे। रेलवे सूत्रों के मुताबिक शुरुआती जांच में स्टाफ ने यही बताया है कि बुजुर्ग जेनरेटर यान में चढ़े थे। उन्हें पीछे कोच में जाने को कहा गया, जिसे शायद वे पीछे आ रही ट्रेन समझ बैठे हालांकि अभी इन बयानों का परीक्षण किया जाना बाकी है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यालय स्तर से इस प्रकरण में जांच कराई जा रही है। रेलवे और आरपीएफ अलग-अलग जांच करेंगे। रेलवे की ओर से सीनियर डीसीएम नवीन दीक्षित और आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अमरेश कुमार सिंह जांच करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि इस घटना को मीडिया में काफी कवरेज मिलने से घबराए रेलवे अफसरों ने कार्रवाई करनी जरूरी समझी। हालांकि, शुरू में इसे गंभीरता से नहीं लिया गया था।

दिलचस्प आंकड़े

रन	21014
विकेट	625
छक्के	340
अर्धशतक	106

सबसे ज्यादा रन
रोहित शर्मा

उच्चतम स्कोर
डेविड वार्नर

आइसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में विराट कोहली के करीब पहुंचे रोहित शर्मा

लंदन, 7 जुलाई (भाषा)।

भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा विश्व कप में अपनी शानदार फॉर्म के कारण आइसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली के करीब पहुंच गए हैं। कोहली ने बल्लेबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है जबकि दूसरे नंबर पर काबिज उप कप्तान रोहित ने विश्व कप में रेकार्ड पांचवें शतक से दोनों के बीच अंतर कम कर दिया है।

कोहली ने अब तक विश्व कप में 63.14 की औसत से 441 रन बनाए हैं जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं। उन्हें एक अंक का फायदा हुआ है और उनके अब 891 रेटिंग अंक हैं। रोहित और कोहली के बीच इससे पहले 51 अंकों का अंतर था लेकिन अब उनके बीच केवल छह अंक का अंतर रह गया है। सेमी फाइनल से पहले रोहित के 885 अंक हैं जो कि उनके करिअर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी है।

पाकिस्तान के बाबर आजम बल्लेबाजी तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अब तक 638 रन विश्व कप में बनाए हैं जो रोहित से केवल छह रन कम हैं। वार्नर रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन भी शीर्ष दस में पहुंच गए हैं। वह आठवें स्थान पर हैं जबकि उस्मान ख्वाजा 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टॉ और जैसन रॉय दोनों रैंकिंग में आगे बढ़े हैं। रॉय करियर की सर्वोच्च 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। वनडे रैंकिंग में भारतीयों का दबदबा बरकरार है।

जसप्रीत बुमराह दूसरे नंबर पर काबिज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट से 56 अंक आगे हो गए हैं।

गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह ने शीर्ष पर अपना स्थान मजबूत कर लिया है। विश्व कप में 17 विकेट लेने के कारण वह दूसरे नंबर पर काबिज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट से 56 अंक आगे हो गए हैं। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस तीसरे, कागिसो रबादा चौथे और इमरान ताहिर पांचवें स्थान पर हैं।

अफगानिस्तान की टीम ने अपने सभी नौ मैच गंवाए लेकिन स्पिनर मुजीब उर रहमान (छठे) और राशिद खान (आठवें) दोनों शीर्ष दस में बने हुए हैं। आस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क (सातवें) और पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर (12वें) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। ऑलराउंडरों में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने शीर्ष स्थान बरकरार रखा है जबकि इंग्लैंड के बेन स्टोक्स नौ पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

आइसीसी वनडे टीम रैंकिंग में इंग्लैंड 123 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वह भारत से केवल दशमलव में गणना करने पर ही आगे है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया दोनों के 112 अंक हैं लेकिन कीवी टीम दशमलव में गणना करने पर आगे हैं। दक्षिण अफ्रीका 110 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है।

441 रन बनाए हैं कोहली ने अब तक विश्व कप में 63.14 की औसत से, उनके अब 891 रेटिंग अंक हैं।

885 रेटिंग अंक हैं रोहित शर्मा के तालिका में, जो उनके करिअर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी है।

वार्नर का शतक बेकार, द. अफ्रीका जीता

मैनचेस्टर, 7 जुलाई (भाषा)।

डेविड वार्नर के शतक के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान फाफ डुप्लेसिस की अगुआई में शानदार प्रदर्शन करते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 रन की जीत दर्ज की। शनिवार को भारत की श्रीलंका पर आसान जीत के बाद आस्ट्रेलिया को अंक तालिका के शीर्ष पर जगह बनाने के लिए दिन के अन्य मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराना था। वार्नर (117 गेंद में 122 रन) के टूर्नामेंट के तीसरे शतक और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी (69 गेंद में 85 रन) की आक्रमक पारी के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।

दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट के अपने अंतिम लीग मैच में डुप्लेसिस की 94 गेंद में 100 और रेसी वान डेर दुसेन की 95 रन की पारी की बदौलत छह विकेट पर 325 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद कागिसो रबादा (56 रन पर तीन विकेट), ड्वेन प्रिटोरियस (27 रन पर दो विकेट) और एंडिले फेहलुकवायो (22 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी से आस्ट्रेलिया को 49.5 ओवर में 315 रन पर समेट दिया।

आस्ट्रेलिया की टीम नौ मैचों में 14 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही और गुरुवार को दूसरे सेमी फाइनल में बर्मिंघम में मेजबान इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत पहले सेमी फाइनल में मंगलवार को न्यूजीलैंड का सामना करेगा। वार्नर और कैरी के अलावा आस्ट्रेलिया का कोई बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया की टीम 24.1 ओवर में 119 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। वार्नर और कैरी ने इसके बाद पांचवें विकेट के लिए 90 गेंद में 108 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। इन दोनों के आउट होने के बाद गत चैंपियन की पारी सिमट गई।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका को एडन मार्कराम (34) और क्विंटन डिकाक (52) की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 79 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों के आउट होने के बाद डुप्लेसिस और वान डेर दुसेन ने तीसरे विकेट के लिए 151 रन की साझेदारी करके बड़े स्कोर का मंच तैयार किया। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने इस दौरान अपना 12वां शतक भी पूरा किया। उन्होंने 94 गेंद का सामना करते हुए सात चौके और दो छक्के मारे।

वान डेर दुसेन ने पैट कमिंस पर छक्के के साथ टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया लेकिन पारी की अंतिम गेंद पर छक्का जड़ने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर ग्लेन मैक्सवेल को कैच दे बैठे। उन्होंने अपनी पारी में चार छक्के और चार चौके मारे।

विश्व कप डायरी

न्यूजीलैंड के खिलाफ बुमराह की भूमिका अहम : श्रीकांत

लीड्स, 7 जुलाई (भाषा)।

पूर्व कप्तान के श्रीकांत का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप सेमी फाइनल में जसप्रीत बुमराह अहम खिलाड़ी होंगे। उन्होंने आइसीसी में अपने कॉलम में लिखा, 'सेमी फाइनल से पहले विराट कोहली के लिए बुमराह काफी अहम खिलाड़ी होने जा रहे हैं। भारत भाग्यशाली है कि उसे ऐसी काबिलियत वाला खिलाड़ी मिला है जो नई गेंद से विकेट लेता है। फिर बाद में अगर जरूरत होती है तो साझेदारियों को तोड़ता है और डेथ ओवरों में रनों को रोकता है।'

श्रीकांत ने कहा कि बुमराह ऐसे खिलाड़ी हैं जो न सिर्फ विकेट चटकाने में योगदान देते है बल्कि वह विपक्षी टीम की रन गति पर भी लगाम लगाते हैं। उन्होंने कहा, कि गेंदबाजी के पहलू से जसप्रीत बुमराह फिर से अहम होंगे। वह भारतीय आक्रमण का सचमुच नेतृत्वकर्ता हैं।

इस 59 वर्ष के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि वह मुख्य हथियार हैं। वह विकेट चटकाते हैं। जब विपक्षी टीम हावी हो रही होती है वह उस पर ब्रेक लगाते हैं। वह सबकुछ कर सकते हैं। हमने इंग्लैंड के खिलाफ देखा और श्रीलंका के खिलाफ भी, जब वे हावी होने की कोशिश कर रहे थे।

अनुशासन ने रोहित को बनाया सफल

लीड्स, 7 जुलाई (भाषा)।

भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन को दिया है। वह एक विश्व कप में सर्वाधिक शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित ने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ 103 रन की पारी खेली थी। उन्होंने श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा का रेकार्ड तोड़ा। संगकारा ने 2015 में चार शतक लगाए थे। रोहित ने अपनी इस सफलता पर कहा कि आपकी बल्लेबाजी में अनुशासन होना चाहिए और यह मैंने अपने अतीत से सीखा है। जो बीत गया वह बीत गया, क्रिकेट में प्रत्येक दिन नया होता है।

आलोचना को गंभीरता से नहीं लेता : बुमराह

लीड्स, 7 जुलाई (भाषा)।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भारत के विश्व कप सेमी फाइनल में पहुंचने का श्रेय टीम प्रयास को दिया। श्रीलंका के खिलाफ भारत के अंतिम लीग मैच के बाद बुमराह ने कहा कि मैं तारीफ या आलोचना को गंभीरता से नहीं लेता। उन्होंने कहा कि मेरा सारा ध्यान इस बात पर होता है कि मेरी तैयारी कैसी होगी, मैं योजना को लागू कैसे करूंगा और मैं टीम के लिए क्या कर सकता हूं। बुमराह 17 विकेट चटकाकर मौजूदा विश्व कप के सफल गेंदबाजों में लॉकी फर्ग्युसन, मोहम्मद आमिर और जोफ्रा आर्चर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

पहले सेमी फाइनल में भारत की भिड़ंत न्यूजीलैंड से कल

मैनचेस्टर, 7 जुलाई (भाषा)।

भारतीय टीम विश्व कप के पहले सेमी फाइनल में मंगलवार को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। वहीं मेजबान इंग्लैंड का सामना गुरुवार को होने वाले दूसरे अंतिम चार मुकाबले में गत चैंपियन आस्ट्रेलिया से होगा। ग्रुप चरण के 45 मैच आस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई भिड़ंत से समाप्त हुए। आस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें शनिवार को अंतिम ग्रुप मैच से पहले ही अपने अंतिम चार में प्रवेश करने की बात जान चुकी थी, बस तालिका में स्थान पर फैसला अंतिम ग्रुप मैच से होना था।

भारत की श्रीलंका पर सात विकेट की जीत से विराट कोहली की टीम ने ग्रुप चरण का समापन जीत से करते हुए अंक तालिका में आस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। भारत की जीत और आस्ट्रेलिया की हार का मतलब हुआ कि 2011 विजेता ग्रुप में शीर्ष पर रहा और ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगा जो न्यूजीलैंड है। यह दिलचस्प मैच होगा। दोनों टीम इस विश्व कप में एक दूसरे से नहीं खेल सकीं क्योंकि ट्रेंट ब्रिज में 13 जून को ग्रुप मैच एक भी गेंद फेंके बिना बारिश की भेंट चढ़ गया था। भारत को ग्रुप चरण में एकमात्र हार इंग्लैंड से मिली जिससे उसके नौ मैचों में 15 अंक रहे। वहीं इस विश्व कप में अच्छी शुरुआत करने के बाद न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच गंवा दिए और उसके नौ मैचों में 11 अंक रहे।

रोहित शर्मा बल्ले से गजब की फॉर्म में हैं। उन्होंने ग्रुप चरण में 647 रन बनाए हैं जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन के 481 रन हैं। आस्ट्रेलियाई टीम अंतिम ग्रुप मैच में हार से दूसरे स्थान पर खिसक गई जिससे अब वह मेजबान इंग्लैंड के सामने होगी। फिंच की टीम ने लॉर्ड्स पर इंग्लैंड को 64 रन से मात दी थी।

विश्व कप सेमी फाइनल में दिग्गज

रोहित शर्मा	647 रन	भारत
डेविड वार्नर	638 रन	आस्ट्रेलिया
आरोन फिंच	507 रन	आस्ट्रेलिया
जोए रूट	500 रन	इंग्लैंड
विलियमसन	481 रन	न्यूजीलैंड
जॉनी वेयरस्टो	462 रन	इंग्लैंड

इंग्लैंड के खिलाफ भिड़ंत से उत्साहित हैं फिंच

मैनचेस्टर, 7 जुलाई (एएफपी)।

आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने दक्षिण अफ्रीका से मिली 10 रन की हार के बाद कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को विश्व कप सेमी फाइनल में खेलने को लेकर वह उत्साहित हैं। आस्ट्रेलिया ने लॉर्ड्स में ग्रुप चरण में इंग्लैंड से हुई भिड़ंत में जीत हासिल की थी। हालांकि उस दिन मेजबान टीम के लिए जेसन रॉय नहीं खेले थे जो अब पूरी तरह फिट होकर शानदार खेल दिखा रहे हैं।

फिंच ने कहा कि आपको हर किसी को हराना होता है। भले ही वह कोई भी टीम हो। इंग्लैंड के खिलाफ हम ग्रुप मैच में भी अच्छा खेले थे जिससे निश्चित रूप से हमारे आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। इंग्लैंड की टीम हाल में काफी अच्छा खेल रही है इसलिए हमें उस मैच में जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि लेकिन, यह रोमांचक होने वाला है। जब भी आस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड से खेलती है तो यह उत्साह बढ़ाने वाला होता है। बर्मिंघम में दर्शकों के सामने खेलना शानदार होगा।

छेत्री का प्रयास बेकार, ताजिकिस्तान से हारा भारत

अमदाबाद, 7 जुलाई (भाषा)।

इंटरकांटिनेंटल कप

भारत कप्तान सुनील छेत्री के पहले हाफ में किए गए दो गोल से मिली अच्छी बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रहा। उसे इंटरकांटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में रविवार को ताजिकिस्तान से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। छेत्री ने पहले हाफ में दो गोल करके भारत को मजबूत स्थिति में ला दिया था लेकिन ताजिकिस्तान ने दूसरे हाफ में 20 मिनट के अंदर चार गोल करके चार देशों के इस टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की।

भारत को खेल के चौथे मिनट में ही पेनल्टी मिली जिसे छेत्री ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। इस करिश्माई स्ट्राइकर ने इसके बाद 40वें मिनट में टीम की बढ़त 2-0 कर दी। भारत ने मध्यांतर तक यह बढ़त कायम रखी। ताजिकिस्तान ने हालांकि दूसरे हाफ में भारतीय टीम को चित करने में कसर नहीं छोड़ी। उसकी तरफ से तुर्सनोव ने 55वें मिनट में पहला गोल किया जबकि इसके दो मिनट बाद बोबीव ने बराबरी का गोल दाग दिया। मोहम्मदजोन रहिमोव ने 71वें मिनट में अपनी टीम को बढ़त दिलाई जबकि शाहरोम सामिव ने 75वें मिनट में गोल करके भारतीय टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर भेज दिया। भारतीय टीम ताजिकिस्तान की तरफ से पहला गोल होने के बाद दबाव में आ गई।

पहले हाफ में पूरी तरह बिखरा प्रदर्शन करने वाली ताजिकिस्तान की टीम ने दूसरे हाफ में निर्मम खेल दिखाया। दूसरी तरफ भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने में नाकाम रही और दूसरे हाफ की शुरुआत बेहतर स्थिति में करने के बावजूद बिखर गई।

विनेश-दिव्या ने जीता स्वर्ण, पूजा को रजत

मैड्रिड, 7 जुलाई (भाषा)।

भारत की शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट ने वजन वर्ग बदलने के बाद दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए रविवार को स्पेन ग्रांप्री में 53 किग्रा वर्ग में पहला स्वर्ण पदक जीता। वहीं दिव्या काकरान ने 68 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। 2020 तोक्यो ओलंपिक के लिए भारत की पदक दावेदारों में से एक विनेश नए वजन वर्ग में अपना तीसरा ही टूर्नामेंट खेल रही हैं।

विनेश ने 53 किग्रा में आठ पहलवानों के ड्रॉ में आसानी से पेरू की जस्टिना बेनिट्स और रूस की नीना मिनकेनोवा को हराया। फिर फाइनल में नीदरलैंड की प्रतिद्वंद्वी जेसिका ब्लास्का को पराजित किया। जकार्ता एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश ने एशियाई चैंपियनशिप और डान कोलोव में भाग लिया था जिसमें उन्होंने इस टूर्नामेंट से पहले 53 किग्रा में कांस्य और रजत पदक जीता था।

एशियाई खेलों की कांस्य पदकधारी दिव्या ने अपने अभियान में महज चार अंक गंवाए। इस भारतीय पहलवान ने फाइनल में पोलैंड की एग्निस्का विस्जजेक कोरडस को पराजित किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदकधारी पूजा ढांडा (57 किग्रा) को खिताबी भिड़ंत में रूस की वेरोनिका चुमिकोवा से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। रजत पदक जीतने वाली पहलवानों में सीमा (50 किग्रा), मंजू कुमारी (59 किग्रा) और किरण (76 किग्रा) शामिल रहीं जो स्वर्ण पदक की बाउट में क्रमशः पोलैंड की इवोना मातकोवस्का, रूस की लियूबोव ओवचारोवा और केसनिना बुराकोवा से हार गईं।

विंबलडन : फेडरर ने बनाया नया ग्रैंडस्लैम रेकार्ड

लंदन, 7 जुलाई (एएफपी)।

आठ बार के विंबलडन एकल चैंपियन रोजर फेडरर ने जीत के साथ एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। वहीं अन्य सभी प्रबल दावेदारों ने भी अधिक पसीना बहाए बिना इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बना ली है। फेडरर ने शनिवार को फ्रांस के लुकास पाउली को 7-5, 6-2, 7-6 से हराकर ग्रैंडस्लैम में 350वीं जीत दर्ज की। उन्होंने 17वीं बार विंबलडन के चौथे दौर में जगह बनाई है।

अगले दौर में इटली के मातियो बेरेटिनी से भिड़ने वाले फेडरर ने अपने ग्रैंडस्लैम रेकार्ड के संदर्भ में कहा कि यह उपलब्धि हासिल करना अच्छा है। मैंने ग्रैंडस्लैम में खेलने का लुत्फ उठाया है। इतने मैच जीतना अच्छा है। फेडरर के चिर प्रतिद्वंद्वी और दो बार के चैंपियन स्पेन के रफेल नडाल ने भी फ्रांस के जो विल्फ्रेड सोंगा के खिलाफ 6-2, 6-3, 6-2 की जीत के साथ अंतिम 16 में जगह बनाई।

नडाल अगले दौर में पुर्तगाल के जाओ सोसा से भिड़ेंगे जिन्होंने डेन इवांस को पांच सेट में हराकर पुरुष एकल में ब्रिटेन की उम्मीदें खत्म की। जापान के केई निशिकोरी ने एई सुगियामा के अंतिम 16 में जगह बनाने के रेकार्ड की बराबरी की। उन्होंने अमेरिका के स्टीव जॉनसन को 6-4, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। अमेरिका के सैम कुरे ने तीसरे दौर के मुकाबले में आस्ट्रेलिया के जॉन विलमैन को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया।

महिला एकल में दुनिया की नंबर एक एश्ले बार्टी ने पहली बार चौथे दौर में जगह बनाई जबकि सात बार की चैंपियन सेरेना विलियम्स 16वीं बार अंतिम 16 में पहुंचीं। बार्टी ने ब्रिटिश वाइल्ड कार्डधारक हैरियट डार्ट को 6-1, 6-1 से शिकस्त दी जबकि सात बार की चैंपियन सेरेना ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जर्मनी के जूलिया जार्जेस को 6-3, 6-4 से पराजित किया।

फेडरर ने फ्रांस के लुकास पाउली को हराकर ग्रैंडस्लैम में 350वीं जीत दर्ज की। उन्होंने 17वीं बार विंबलडन के चौथे दौर में जगह बनाई है।

भ्रष्टाचार और रैफरी से मेस्सी नाराज

साओ पाउलो, 7 जुलाई (एएफपी)।

लियोनल मेस्सी ने कोपा अमेरिका के तीसरे स्थान के मुकाबले में चिली पर 2-1 की जीत के दौरान कड़े फैसले के लिए रैफरी को लताड़ा। मैच के दौरान पहले हाफ के 37वें मिनट में पांच बार के बेलोन डिओर विजेता मेस्सी और चिली के कप्तान गैरी मेडेल को गोललाइन के समीप उलझने के लिए लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया। इस घटना के टेलीविजन रीप्ले में दिखा कि मेस्सी की अधिक गलती नहीं थी।

मेस्सी ने कहा कि भ्रष्टाचार और रैफरी लोगों को फुटबॉल का लुत्फ उठाने से रोक रहे हैं, इसे कुछ हद तक बर्बाद कर रहे हैं। इस घटना के लिए संभवतः सिर्फ चिली के कप्तान को पीला कार्ड दिखाया जाना था लेकिन पैराग्वे के रैफरी मारियो डियाज डि वेवार ने दोनों कप्तान को लाल कार्ड दिखा दिया।

मेस्सी ने कहा कि मेडेल हमेशा हद तक पहुंच जाता है लेकिन किसी को भी लाल कार्ड नहीं दिखाया जाना चाहिए था। वह (रैफरी) वीएआर की सहायता ले सकते थे। ब्राजील के खिलाफ सेमी फाइनल में अर्जेंटीना की 0-2 से हार के दौरान रैफरी से मेस्सी पहले ही नाराज थे। उन्होंने दावा किया था कि दक्षिण अमेरिका की फुटबॉल संचालन संस्था कोनमेबोल मेजबान टीम का पक्ष ले रही है।

कोपा अमेरिका

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 232, *हवाई शुल्कः* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार।

कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।